प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान की टिप्पणी- 10

आरबीआई की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा-मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं- 10

आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, मानव जाति के लिए अभिशाप - 11

भारत की सबसे बड़ी हार दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप- 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी 12:30 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 27 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 298, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

जर्जर पोल ने ली राष्ट्रीय खिलाड़ी की जान

रोहतक के लखनमाजरा स्थित सरकारी स्टेडियम में राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी 16 वर्षीय हार्दिक राठी की उस समय मौत हो गई जब अभ्यास के दौरान उनकी छाती पर बॉस्केटबॉल हूप का लोहे का भारी खंभा गिर गया। सीसीटीवी की फुटेज में दिखा कि हार्दिक हूप तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, हूप से लटकने के दौरान उनके ऊपर खंभा गिर गया। हार्दिक के पिता ने कहा, खंभे की जर्जर हालत के बारे में अधिकारियों को कई बार बताया था लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया।

भारत को मिली मेजबानी, अहमदाबाद में होंगे राष्ट्रमंडल खेल- 2030

ग्लासगो में हुई राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में लगी मुहर, नाइजीरिया का दावा खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत बीस साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। बुधवार को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई । पिछले महीने 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट (राष्टमंडल खेल)' के कार्यकारी बोर्ड की ओर से शताब्दी चरण के प्रस्तावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद की सिफारिश के बाद 74 सदस्यों की जनरल असेंबली के लिए भारत की बोली पर मुहर लगाना सिर्फ एक औपचारिकता रह गई थी। इससे पहले भारत ने 2010 में दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी।

राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी । राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने अफ्रीका के इस शहर के 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए नाम पर विचार करने का फैसला किया।

सौ साल भी पूरे करेंगे राष्ट्रमंडल खेल

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने सौ साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह सत्र विशेष रहने वाला है । भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है । भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जहां पिछले एक दशक में खेल ढांचा नए स्तर तक पहुंचा है। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया था।

... इसलिए मजबूत पड़ा अहमदाबाद का दावा

अहमदाबाद ने हाल ही में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन, एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप और फुटबॉल के एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की मेजबानी की है। यहां अगले साल एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप और एशिया पैरा-तीरंदाजी कप होगा। इसके अलावा 2029 में विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में होंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल खेल परिसर को इन खेलों के लिए तैयार किया जा रहा है। इनमें नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम भी शामिल है। इसी परिसर में एक जलक्रीड़ा केंद्र और एक फुटबॉल स्टेडियम के साथ इनडोर खेलों के लिए दो मैदान बनेंगे।

यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए नए सुनहरे दौर की शुरुआत है। भारत में व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति और अपार खेल जुनून है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के अगले सौ वर्षों की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं। **- डॉ. डोनाल्ड रुकारे**, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने जो भरोसा दिखाया है, उससे हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 2030 खेलों से हम सिर्फ कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 साल पूरे होने का जश्न ही नहीं मनाएंगे, बल्कि अगली सदी की नींव भी रखेंगे। **- पीटी उषा**, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष

ब्रीफ न्यूज

आईएफएफआई के समापन समारोह में शोले का प्रदर्शन रद्द

पणजी। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद 56वां अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) इस सप्ताहांत अपने समापन समारोह में उन्हें एक विशेष श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। आईएफएफआई में 26 नवंबर को शोले का 4 के 'रीस्टोर्ड' (उन्नत) संस्करण का प्रदर्शन किया जाना था लेकिन आयोजकों ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए इसे भी रद्द कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया, सोमवार को धरमजी के निधन की दुखद खबर मिलने के बाद सम्मान स्वरूप फिल्म बाजार के समापन समारोह में एक मिनट का मौन रखा गया।

गुजरात: शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत

गिर सोमनाथ। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के गिर गढडा तालुका में बुधवार सुबह एक शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाद में लड़की का शव बरामद कर लिया गया, जिसे शेरनी ने आधा खा लिया था। वहीं शेरनी को भी पकड़ लिया गया। यह जिला गिर राष्ट्रीय उद्यान का घर है, जो एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है। रेंज वन अधिकारी बी. बी. वाला ने बताया कि उन्होंने बताया कि बच्ची सुबह करीब 10 बजे अपनी मां के साथ बरामदे में खेल रही थी, तभी अचानक जंगल से एक शेरनी निकली और बच्ची को उठाकर करीब एक किलोमीटर जंगल में ले गई।

दिल्ली: स्कूल बंद करने की याचिका पर शिक्षा सचिव तलब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर स्कूलों को बंद करने के अनुरोध वाली याचिका पर बुधवार को दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय के सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मुद्दे पर वजीरपुर जेजे कॉलोनी एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी और शिक्षा विभाग तथा केंद्र सहित अन्य प्रतिवादियों द्वारा जवाब दाखिल न करने पर नाराज थी।

संवैधानिक कर्तव्य निभाएं नागरिक क्योंकि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव

संविधान दिवस पर मोदी ने महात्मा गांधी के विचारों को याद करते हुए दिया संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नागरिकों से अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने का आग्रह करते हुए कहा कि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। संविधान दिवस पर नागरिकों को संबोधित पत्र में प्रधानमंत्री ने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया और सुझाव दिया कि स्कूल-कॉलेज 18 वर्ष की आयु पूरी करके पहली बार मतदाता बनने वालों का सम्मान करते हुए संविधान दिवस मनाएं। प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी के इस विचार को याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कर्तव्यों का निर्वहन सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने संविधान का मसौदा तैयार करने में राजेंद्र प्रसाद, बीआर आंबेडकर और अन्य लोगों के योगदान को याद करने के साथ स्वतंत्रता संग्राम में वल्लभभाई पटेल, बिरसा मुंडा और महात्मा गांधी के नेतृत्व को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने कहा, ये सभी व्यक्तित्व और उपलब्धियां हमें अपने कर्तव्यों की प्रधानता की याद दिलाती हैं, जिस पर संविधान के अनुच्छेद 51ए में मौलिक कर्तव्यों पर एक विशिष्ट अध्याय के माध्यम से भी बल दिया गया है। ये कर्तव्य हमें सामूहिक रूप से सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्गदर्शन देते हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी हमेशा एक नागरिक के कर्तव्यों पर जोर देते थे। मोदी ने कहा, उनका मानना था कि कर्तव्य का अच्छी तरह से पालन करने से एक समान अधिकार का सृजन होता है और वास्तविक अधिकार कर्तव्य पालन का परिणाम होते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नीतियां और आज लिए गए निर्णय आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगे। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए वे अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें।

हमारे देश ने हमें बहुत कुछ दिया है और इससे हमारे भीतर कृतज्ञता की एक गहरी भावना जागृत होती है, और जब हम इस भावना के साथ जीते हैं, तो अपने कर्तव्यों को पूरा करना हमारे स्वभाव का अभिन्न अंग बन जाता है। अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रत्येक कार्य में अपनी पूरी क्षमता और समर्पण लगाना अनिवार्य हो जाता है। **- प्रधानमंत्री मोदी**

संविधान भारत के गौरव का आधार: मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि संविधान देश की पहचान का आधार है और साथ ही औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने तथा राष्ट्रवादी सोच को अपनाने के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज भी है। उन्होंने 'संविधान सदन' (पुराना संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत दुनिया के लिए विकास का एक नया मॉडल पेश कर रहा है और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

कर्तव्य के बिना अधिकार सुरक्षित नहीं: मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर लोकभवन में बुधवार को संविधान की उद्देशिका का सशपथ पाठन कराया। इस दौरान योगी ने कहा कि स्वतंत्रता की वास्तविक कीमत विस्मृत की जा रही है, क्योंकि हमने स्वाधीनता की लड़ाई को आंखों से नहीं देखा। हमने क्रूर यातनाओं को नहीं सहा। परिणामस्वरूप हर व्यक्ति केवल अधिकार की बात करता है।योगी के अनुसार, अधिकार तब सुरक्षित होते हैं, जब व्यक्ति कर्तव्यों के निर्वहन की आदत डाले। कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता।

खीरी के सोती साइफन में गिरी कार, बहराइच के पांच लोगों की मौत

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

सायफन के पानी में पड़ी कार।

- ढखेरवा-गिरजापुरी हाईवे पर मंगलवार रात हुआ भीषण हादसा
- शादी में शामिल होकर लौट रहे थे पांचों, चालक की भी हालत गंभीर

अमृत विचार: लखीमपुर खीरी जिले में मंगलवार देर रात भीषण हादसा हो गया। पढ़ुआ थाना क्षेत्र में पारस पुरवा गांव के पास शारदा नहर के किनारे मोड़ पर अनियंत्रित हुई कार रेलिंग तोड़ते हुए सोती नदी के साइफन में जा गिरी। इस हादसे में कार में सवार पांचों लोगों की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल हुए चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उसकी हालत भी नाजुक बताई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

हादसा मंगलवार की रात करीब 12 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक घटना में जान गंवाने वाले लोग बहराइच जिले के थाना सुजौली क्षेत्र में स्थित गिरिजापुरी बैराज के कर्मचारी सर्वेश की भतीजी की शादी में शामिल होने लखीमपुर आए थे। शादी में शामिल होकर कार से बहराइच लौट रहे थे। ढखेरवा-गिरजापुरी बैराज मार्ग पर शारदा नहर पर बने सुतिया साइफन के पास मोड़ पर कार अचानक बेकाबू होकर साइफन की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 30 फुट नीचे पानी में जा गिरी।

सूचना पर तमाम ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार के गेट तोड़कर सभी को रस्से के सहारे बाहर निकाला और सीएचसी रमियाबेहड़ भेजा, जहां डॉक्टरों ने जितेंद्र (23), घनश्याम (25), लालजी मल्लाह (45), अजीमुल्ला (45), सुरेंद्र (56) को मृत घोषित कर दिया। ये सभी बहराइच के सुजौली के निवासी थे। कार चालक सूरज उर्फ बब्बू (28) की हालत गंभीर है।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, मोहाली में लॉरेंस विश्नोई गैंग के चार गुर्गे गिरफ्तार

मोहाली, एजेंसी

- अंबाला हाईवे पर हुई मुठभेड़ में दो को लगी गोली, सात पिस्टल व 70 कारतूस बरामद

पंजाब एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एसएएस नगर (मोहाली) पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में डेरा बस्सी-अंबाला राजमार्ग पर स्टील स्ट्रिप्स टावर्स के पास बुधवार दोपहर गोलीबारी के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के विदेशी गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के चार गुर्गों की गिरफ्तारी के साथ एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया है। मुठभेड़ में इनमें से दो को गोली भी लगी है। इनसे .32 कैलिबर की सात पिस्टल और 70 कारतूस बरामद किए गए हैं।

पंजाब के डीजीबी गौरव यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान राजपुरा, पटियाला के ढकनसू कलां निवासी हरविंदर सिंह उर्फ भोला उर्फ हनी और लखविंदर सिंह तथा राजपुरा, पटियाला निवासी मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये लोग अपने विदेशी आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे थे और ट्राइसिटी एवं पटियाला क्षेत्र में लक्षित हमलों की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। आतंकवादियों की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर घेराबंदी की थी।

दो करोड़ से ज्यादा आधार नंबरों को निष्क्रिय किया गया

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार के डेटाबेस को निरंतर सटीक बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मृत व्यक्तियों के दो करोड़ से अधिक आधार नंबरों को निष्क्रिय कर दिया है।

आधिकारिक सूचना के अनुसार यूआईडीएआई ने भारत के महापंजीयक (आरजीआई), राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम आदि से मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के बाद यह कार्रवाई की है। यूआईडीएआई मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संस्थानों और अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग करने पर भी विचार कर रहा है। नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति को आधार संख्या कभी दोबारा आवंटित नहीं की जाती है।

दिल्ली में मामूली सुधार होते ही हटा ग्रैप- 3 दफ्तरों में 50% स्टाफ की बाध्यता खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता की हालत अब भी बेहद खराब

वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार होते ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में लागू किए गए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (ग्रैप)-3 के तहत लागू सभी प्रतिबंध हटा दिए। इसी के साथ दिल्ली में दो दिन पहले लागू की गई सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने समेत सभी पाबंदियां भी खत्म हो गई हैं।

दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई बुधवार को 327 रहा और भारत मौसम विभाग तथा भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमान के अनुसार हवा की गुणवत्ता अब भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रहने की आशंका है। इसके बावजूद सीएक्यूएम ने कहा कि 21 नवंबर को अधिसूचित संशोधित ग्रैप के चरण-1 और चरण-2 के तहत लागू प्रतिबंध एनसीआर में जारी रहेंगे और उनका कड़ाई से पालन कराया जाएगा ताकि प्रदूषण का स्तर दोबारा न बढ़ सके। सीएक्यूएम के आदेश में कहा गया है कि ग्रैप पर उप-समिति ने वायु गुणवत्ता की स्थिति की समीक्षा की और इसमें सुधार देखा। इसके बाद 11 नवंबर के आदेश वापस लिए गए, जिसके तहत चरण-3 के प्रतिबंध लागू किए गए थे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ग्रैप-3 की पाबंदियां हटा दी गई हैं और ग्रैप-2 लागू किया गया है।

दिल्ली विस्फोट : उमर को पनाह देने वाला फरीदाबाद का शख्स गिरफ्तार

बड़ी कामयाबी

- विस्फोट से पहले उमर को जरूरी साजोसामान भी कराया था मुहैया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लाल किले के पास विस्फोटक से भरी कार चलाने वाले डॉ. उमर उन नबी को पनाह देने के मामले में फरीदाबाद के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के मुताबिक शोएब नाम के इस शख्स ने विस्फोट करने से डॉ. उमर को साजोसामान भी मुहैया कराया था। साथ ही सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा था।

आत्मघाती हमवलावर के तौर पर पहचाना गया डॉ. उमर उस कार को चला रहा है जिसमें गत 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर विस्फोट हुआ था और इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी। एनआईए के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि एजेंसी ने हरियाणा के फरीदाबाद के धौज निवासी शोएब को दिल्ली आतंकी बम विस्फोट से पहले आतंकवादी उमर उन नबी" को साजो-सामान मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। शोएब एनआईए के हाथों गिरफ्तार किया गया इस मामले में सातवां आरोपी है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से उजागर किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा है।

आत्मनिर्भर भारत

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया भूरणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय

दुर्लभ चुंबक विनिर्माण के लिए 7280 करोड़ की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने बुधवार को दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7,280 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इस कदम से देश को चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में 'ठोस दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के विनिर्माण की प्रोत्साहन योजना' को स्वीकृति प्रदान की गई। यह खनिज इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, वैमानिकी और रक्षा जैसे कई क्षेत्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

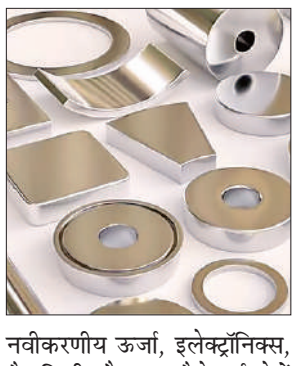

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह योजना दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबक के विनिर्माण को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य 6,000 टन प्रति सालाना क्षमता सृजित करना है। यह योजना एकीकृत विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण में सहायता करेगी। इसमें दुर्लभ खनिज ऑक्साइड को धातुओं में, धातुओं को मिश्र धातुओं में और मिश्र धातुओं को तैयार चुंबकों में परिवर्तित करना शामिल है।

पुणे मेट्रो के विस्तार के लिए 9,858 करोड़ रुपये

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने 9,858 करोड़ रुपये की लागत से पुणे मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के तहत लाइन 4 (खराडी-हडपसर-स्वारगेट-खड़कवासला) और लाइन 4ए (नल स्टॉप-वारजे-माणिक बाग) को मंजूरी दी गई। मंत्री ने बताया कि लाइन 2ए (वनाज-चांदनी चौक) और लाइन 2बी (रामवाड़ी-वाघोली/विट्ठलवाड़ी) को मंजूरी मिलने के बाद, दूसरे चरण के तहत स्वीकृत यह दूसरी बड़ी परियोजना है। सरकार ने कहा कि इस नवीनतम मंजूरी के साथ, पुणे मेट्रो का नेटवर्क 100 किलोमीटर से आगे बढ़ जाएगा। कुल 28 'एलिवेटेड' स्टेशनों के साथ 31.636 किलोमीटर लंबी, लाइन 4 और 4ए पूर्व, दक्षिण और पश्चिम पुणे में आईटी केंद्रों, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय समूहों को जोड़ेगी।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ईटीएम खराब होने पर नहीं होगी वसूली

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने अपने कर्मचारियों को राहत देने वाला एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब ईटीएम (इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन) के पहली बार डैमेज या खराब होने पर संबंधित कर्मचारी से कोई वसूली नहीं की जाएगी। इस मशीन के प्रतिस्थापन का पूरा खर्च निगम स्वयं वहन करेगा। उक्त के संबन्ध में परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन. सिंह ने बुधवार को सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि एक वर्ष के भीतर कर्मचारी द्वारा दोबारा मशीन को डैमेज किया जाता है, तो उसकी लागत की भरपाई कर्मचारी से ही की जाएगी। साथ ही कहा कि मशीन खो जाने की स्थिति में कर्मचारी की लापरवाही स्वत: सिद्ध मानी जाएगी और ऐसे मामलों में निर्धारित नियमों के अनुसार क्षतिपूर्ति की कार्रवाई की जाएगी। प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि क्षेत्रीय अधिकारियों से मिले फीडबैक के आधार पर अब यह निर्णय लिया गया है।

आयुष्मान : समय सीमा में दूर की शिकायतें

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत जनवरी 2025 से अब तक ऑनलाइन पोर्टलों व अन्य माध्यम से मिलने वाली कुल 32,949 शिकायतों में 32,706 शिकायतों का निस्तारण समय सीमा के भीतर कर दिया है, जबकि शेष शिकायतें प्रक्रिया में हैं। ये शिकायतें विभिन्न स्टेकहोल्डर्स लाभार्थी, सूचीबद्ध चिकित्सालय, इम्प्लीमेंटेशन सपोर्ट एजेंसी तथा अन्य नागरिकों द्वारा की गयी थीं। यह जानकारी स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेन्सिव हेल्थ एण्ड इण्टीग्रेटेड सर्विसेज़ (साचीज) की मुख्य कार्यपालक अर्चना वर्मा ने दी। उन्होंने बुधवार को बताया कि कुछ आयुष्मान कार्डधारकों का भौतिक सत्यापन जनपद स्तर पर किया जा रहा है। ऐसे लाभार्थी अपने जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय से संपर्क कर सत्यापन पूर्ण करा सकते हैं। सत्यापन उपरांत वे प्रदेश के सभी सूचीबद्ध चिकित्सालयों मंस नि :शुल्क चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

विकसित यूपी-पर्यटन कार्यशाला आज से

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक विश्वस्तरीय पर्यटन हब बनाने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग गुरुवार को योजना भवन में 'विकसित उत्तर प्रदेश @ 204-पर्यटन कार्यशाला' का आयोजन कर रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में प्रदेश के पर्यटन भविष्य के लिए निर्णायक रोडमैप तैयार किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि यह कार्यशाला 'पर्यटन विजन दस्तावेज़ 2047' के निर्माण की आधारशिला बनेगी, जिससे स्थानीय समुदायों को सशक्त करने, पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाले ठोस सुझाव सामने आएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी और पर्यटन महानिदेशक राजेश कुमार मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे।

विशेषज्ञों ने रखी भविष्य की रूपरेखा

अमृत विचार, लखनऊ : 'विकसित उत्तर प्रदेश-2047'' के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार विशेषज्ञों की राय के आधार पर भविष्यगामी नीति निर्धारण का मार्ग प्रशस्त कर रही है। बुधवार को सरकार द्वारा आयोजित "शेपिंग उत्तर प्रदेश इंडस्ट्रियल फ्यूचर : स्ट्रेटेजीज फॉर विकसित भारत-2047" वर्कशॉप व कॉन्फ्रेंस में उद्योग, निवेश, एमएसएमई, खादी, अवस्थापना तथा नीति नियोजन से जुड़े शीर्ष अधिकारियों ने राज्य की औद्योगिक प्रगति, संभावनाओं तथा भविष्य की जरूरतों पर विस्तृत विचार साझा किए। प्रदेश के राज्य परिवर्तन आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद के रूप में उभर रहा है।

स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम में नोडल विशेषज्ञ प्रशिक्षित

अमृत विचार, लखनऊ : बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के निर्देशन में प्रदेश के 75 जिलों के 150 नोडल एसआरजी, जिला समन्वयक प्रशिक्षण तथा डायट मेंटर्स को स्कूल रेडीनेस के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण उन्हें 24 से 26 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में दिया गया है। गंगा सभागार में आयोजित इस कार्यशाला में अंतिम दिन बुधवार को भी राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) ने प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधार को गति देने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

एक व्यक्ति गलती करे तो पूरी व्यवस्था दोषी नहीं

संविधान दिवस पर बोले मुख्यमंत्री योगी - ईमानदारी से उत्तरदायित्वों का निर्वहन न करने का अर्थ संविधान का अनादर करना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर लोकभवन में बुधवार को अपने उद्बोधन में कहा कि अगर कोई एक व्यक्ति गलती करता है तो उसके लिए पूरी व्यवस्था को नहीं कोसा जाना चाहिए, बल्कि गलती के सुधारने का अवसर देना चाहिए। कोई बार-बार गलती करता है तो अवसर देते हुए प्रभावी कदम उठाने के लिए कहना चाहिए। उसके लिए पूरे सिस्टम को दोषी नहीं ठहरा सकते।

सीएम ने छात्रों, शिक्षकों, व्यापारी, शासकीय सेवा में कार्य करने वाला कार्मिकों आदि का उदाहरण देते हुए सभी को कर्तव्यों का अहसास कराया और कहा कि यदि सभी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं तो वह संविधान को सम्मान दे रहे हैं। यदि कोई व्यक्ति ईमानदारी से उत्तरदायित्वों का निर्वहन नहीं कर रहा है तो वह देश के संविधान का अनादर कर रहा है।

इसके पूर्व अतिथियों ने भारत व बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पार्चन किया। इस दौरान लघु फिल्म भी दिखाई गई। सीएम योगी ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, सूर्यप्रताप शाही, दारा सिंह चौहान, धर्मपाल सिंह, धर्मवीर प्रजापति, बलदेव सिंह औलख, दानिश आजाद अंसारी, महापौर सुषमा खर्कवाल, अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत आदि मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में संविधान की उद्देशिका का सशपथ पाठ करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य। विधानसभा में सामूहिक शपथ लेते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व अन्य।

हर घर में होनी चाहिए संविधान की प्रति

सीएम योगी ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को बाबा साहेब के नेतृत्व की ड्राफ्टिंग कमेटी ने भारत के संविधान की मूल प्रति संविधान सभा को सौंपी थी। हर भारतवासी के घर में उसकी प्रति होनी चाहिए। हर परिवार में उसकी प्रस्तावना का वाचन होना चाहिए।

संकल्प कार्यक्रम में ली सामूहिक शपथ

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. विधानसभा में बुधवार को संविधान दिवस पर भारतीय संविधान के प्रति संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सबसे पहले संविधान के महान निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके आदर्शों, मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति निष्ठापूर्वक पालन करने की सामूहिक शपथ ली गई। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे, प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप कुमार दुबे और विधानसभा सचिवालय के सभी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स होगी और मजबूत

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को और अधिक प्रभावी और सक्षम बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समीक्षा बैठक में कहा कि फोर्स के लिए सभी 6 थानों और 8 यूनिटों में निरीक्षक, उपनिरीक्षक, कम्प्यूटर ऑपरेटर, आरक्षी, सहित आवश्यक मैनपॉवर की स्थायी तैनाती और विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था शीघ्र पूरी की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संसाधन और संरचना मजबूत होने के बाद कार्रवाई की गति और परिणामों में और वृद्धि होगी और प्रदेश ड्रग नेटवर्क को जड़ से समाप्त करने की दिशा में अधिक सशक्त होगा। उन्होंने कहा, टीम को आधुनिक उपकरण, डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम और उन्नत तकनीकी संसाधनों से सुसज्जित किया जाय, ताकि कार्रवाई तेज और सटीक हो सके। उन्होंने फोर्स के सभी थानों के लिए स्थायी भवन निर्माण किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

स्थापना दिवस पर खुलेगा निवेश का रास्ता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री 29 को करेंगे गीडा के समारोह की शुरुआत

अमृत विचार: भावी निवेश-रोजगार का खाका खींचने के लिए गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) का तीन दिवसीय 36वां स्थापना दिवस समारोह 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक मनाने की तैयारी जोरों पर हैं। 29 नवंबर को गीडा स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस मौके पर वह भूमि आवंटन प्रमाण पत्र वितरण और औद्योगिक इकाइयों के लोकार्पण-शिलान्यास के जरिये हजारों करोड़ रुपये के निवेश और हजारों लोगों के लिए रोजगार का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

गीडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीमती अनुज मलिक के मुताबिक, स्थापना के 36वें स्थापना वर्ष में गीडा ने वर्तमान वर्ष में अद्यतन कुल 8 लाख 71 हजार 841 वर्गमीटर क्षेत्रफल में 116 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन निवेशकों को किया है। इस भूमि आवंटन के सापेक्ष करीब 6139 करोड़ रुपये का निवेश और 11072 रोजगार सृजन प्रस्तावित है।

उन्होंने बताया कि आवंटित किए गए भूखंडों में से पांच निवेशकों को आवंटन पत्र का वितरण गीडा स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री हाथों किया जायेगा। इसके साथ ही 134 करोड़ 15 लाख रुपये की निवेश वाली 38 यूनिट्स का शिलान्यास तथा 123 करोड़ 82 लाख रुपये के निवेश से तैयार 33 यूनिट्स का लोकार्पण भी सीएम के हाथों होना भी प्रस्तावित है। लोकार्पण और शिलान्यास वाली इन इन यूनिट्स से 27 सौ से अधिक लोगों के लिए रोजगार के द्वार खुलेंगे।

कोऑपरेटिव बैंक के अधिकारी भी सरकारी सेवक : कोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

- हाईकोर्ट ने फैसले में कहा- भ्रष्टाचार निवारण के तहत दर्ज हो सकती है एफआईआर

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कोऑपरेटिव बैंक के अधिकारी भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 2 के तहत सरकारी सेवक हैं। लिहाजा उनके विरुद्ध भी उक्त अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज हो सकती है।

यह निर्णय न्यायमूर्ति अब्दुल मोइन व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने कोऑपरेटिव बैंक के डिप्टी जनरल मैनेजर सुभाष चंद्र की याचिका को खारिज करते हुए दिया है। याची की ओर से विजिलेंस विभाग द्वारा दर्ज किए गए एफआईआर को चुनौती दी गई थी। उक्त एफआईआर में सुभाष चंद्र पर आए से अधिक संपत्ति का आरोप लगाया गया है। कहा गया है कि सुभाष चंद्र ने अपनी आय तीन करोड़ से अधिक की अतिरिक्त संपत्ति अर्जित की है जिसका स्रोत वह नहीं बता सके। एफआईआर का विरोध करते हुए अभियुक्त की ओर से दलील दी गई की उसके विरुद्ध विभागीय जांच हो चुकी है, जिसमें उसे क्लीन चिट मिली है। साथ ही यह भी कहा गया कि अभियुक्त कोऑपरेटिव बैंक में अधिकारी है जो भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 2 के तहत सरकारी सेवक की परिभाषा में नहीं आता। वहीं याचिका का विरोध करते हुए वादी के अधिवक्ता ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट वेंकू रेड्डी के मामले में कोऑपरेटिव बैंक के अधिकारी को सरकारी सेवक करार दे चुका है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात अपने फैसले में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के वेंकू रेड्डी मामले में दिए फैसले से स्पष्ट है कि यूपी के कोऑपरेटिव बैंक के अधिकारी भी सरकारी सेवक हैं। इसलिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 2 के तहत सरकारी सेवक की परिभाषा के तहत आते हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि अभियुक्त के विरुद्ध हुए विभागीय जांच में आय से अधिक संपत्ति के बिंदु पर कोई जांच नहीं की गई थी। लिहाजा उक्त विभागीय जांच में उसे मिली क्लीन चिट का लाभ वर्तमान मामले में उसे नहीं दिया जा सकता।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को फिल्म निर्देशक और अभिनेता फरहान अख्तर के साथ फिल्म '120 बहादुर' पलासियो मॉल के थिएटर में देखी। यह फिल्म 1962 में भारत और चीन युद्ध के दौरान रेजांगला में भारतीय सैनिकों के अदम्य शौर्य और पराक्रम की वीरता पर आधारित है।

दो आईएएस अधिकारियों की तैनाती में फेरबदल

अमृत विचार, लखनऊ: राज्य सरकार ने बुधवार को दो आईएएस अधिकारियों की तैनाती में फेरबदल कर दिया। वर्ष 2021 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश कुमार अपर जिलाधिकारी (भूमि/अधिग्रहण) गौतमबुद्ध नगर को ट्रांसफर करते हुए चित्रकूट का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है। वहीं प्रतीक्षारत चल रहीं वर्ष 2023 बैच की अनुष्का शर्मा को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें प्रतापगढ़ का संयुक्त मजिस्ट्रेट बनाया गया है। नियुक्ति विभाग की ओर से जारी आदेश में दोनों अधिकारियों से तत्काल कार्यभार ग्रहण करने की उम्मीद की गई है।

भाजपा ने संविधान को सबसे ज्यादा ठेस पहुंचाई : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख ने देशवासियों को संविधान दिवस की बधाई दी

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने देशवासियों को संविधान दिवस की बधाई देते हुए कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने जो संविधान दिया हैं वह सोशलिज्म का रास्ता दिखाता है। भाजपा जब से सत्ता में आई है, वह संविधान को कमजोर कर रही है। भाजपा ने संविधान को सबसे ज्यादा ठेस पहुंचाई है। वह संविधान से सोशलिस्ट और सेकुलर शब्द हटाना चाहती है। भाजपा सरकार में न सोशलिस्ट बचा है और सेकुरिज्म बचा है। एसआईआर लाकर लोकतंत्र को खतरा पैदा कर दिया है।

सपा प्रमुख ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा बाबा साहब के संविधान को नहीं मानती है। हमें अपने संविधान को हर हाल में बचाना है। संविधान हमारे अधिकारों की रक्षा करता है। संविधान से आरक्षण मिला हुआ है। संविधान हम सबकी ढाल है। भाजपा संविधान में दिए गए वोट के अधिकार का खत्म करना चाहती है। भाजपा पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में एसआईआर के माध्यम से वोट काटने की साजिश कर रही है। यूपी में करोड़ो लोगों का वोट षड्यंत्र के तहत अधिकारियों के माध्यम से काटने की साजिश हो रही है।

गांवों में रुके हुए कार्यों को अविलंब पूरा करें : प्रियदर्शी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ग्राम्य विकास आयुक्त की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

अमृत विचार : ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि ग्रामों में रुके हुए कार्यों को अविलंब पूर्ण किया जाए और बजट व लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभाव तभी साकार होगा, जब फील्ड स्तर पर कार्य सुचारू और समयबद्ध तरीके से किए जायं।

ग्राम्य विकास आयुक्त गुरुवार को विभिन्न विभागों के समन्वय से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। विभागीय कॉन्फ्रेंस हाल में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि महिला कल्याण विभाग के प्रतिनिधि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आवास, ऋण उपलब्ध कराने और उन्हें राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। कहा कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और विभागीय समन्वय के माध्यम से इसे और प्रभावी बनाया जा सकता है। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष विभागों की कार्य प्रगति पर चर्चा की गई। लक्ष्य पूर्ण न करने वाले विभागों को तत्काल कार्यों को तेज गति से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने मूक-बधिर लड़की खुशी की जिंदगी में भर दी खुशियां

मुख्यमंत्री योगी ने उठाई शिक्षा और आवास की जिम्मेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हुई एक छोटी मुलाकात ने कानपुर की 20 वर्षीय मूक-बधिर लड़की खुशी की जिंदगी में वाकई खुशियां भर दीं हैं। योगी आदित्यनाथ स्वयं आगे बढ़कर एक मासूम बच्ची का सहारा बने और उसके भविष्य को संवारने का वचन दिया है।

कानपुर के ग्वालटोली अहरानी निवासी खुशी अपने पिता कल्लू गुप्ता, माता गीता गुप्ता और भाई जगत गुप्ता के साथ 26 नवंबर को लखनऊ पहुंची। पिता कल्लू गुप्ता पहले संविदा पर गार्ड की नौकरी करते थे, जो अब छूट चुकी है। मां गीता गुप्ता घरों में काम करके परिवार का खर्च उठाती हैं।

चित्र बनाने की शौकीन खुशी अपने मुख्यमंत्री को वह चित्र देना चाहती थी, जिसे उसने स्वयं बनाया था। बीते दिनों वह कानपुर से पैदल निकली और यहां पहुंचने के बाद वह रास्ता भटक गई। मुख्यमंत्री से मिलने की लालसा लिए खुशी लोकभवन के बाहर बैठकर रोने लगी। हजरतगंज पुलिस ने उसे संभाला और परिवार को उसकी सूचना दी। इससे पूर्व पिता ने स्थानीय थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

जब मुख्यमंत्री को खुशी की यह कहानी पता चली तो उन्होंने इसका संज्ञान लेते हुए तुरंत उसके परिवार को अपने आवास पर बुलाने के निर्देश दिए। योगी आदित्यनाथ ने उसके लिए कानपुर स्थित मूकबधिर कॉलेज में शिक्षा की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। साथ ही उसकी पढ़ाई और स्किल डेवलपमेंट में सहायक मोबाइल और टैबलेट भी उपलब्ध कराया गया।

राज्य सरकार की ओर से खुशी के कान के इलाज की भी व्यवस्था की जा रही है। खुशी के परिवार के लिए आवास की व्यवस्था का भी आश्वासन प्रदेश सरकार की ओर से दिया गया है।

लखनऊ स्थित अपने आवास पर मूक बधिर खुशी को आशीर्वाद देते मुख्यमंत्री योगी।

लौटा वैभव

अंतरराष्ट्रीय सुविधाओं वाली अयोध्या में वर्ष के अंत तक 50 करोड़ पर्यटकों के पहुंचने का अनुमान

धर्म ध्वजारोहण से अयोध्या को मिली ग्लोबल पहचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की विकासवादी नीतियों के चलते अयोध्या की चर्चा पूरी दुनिया में है। श्रीराम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के बाद यह पहचान और ग्लोबल हो गई है। पर्यटन, निवेश और आधारभूत संरचना के मामले में अयोध्या ने विश्व के अन्य चर्चित धार्मिक स्थलों को भी पीछे छोड़ दिया है।

दरअसल, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आस्था और आध्यात्मिक स्थलों को आर्थिक केंद्र के रूप में भी विकसित करने का जो बीड़ा उठाया गया है, अयोध्या उसमें मील का पत्थर साबित हो रहा है। सनातनी आस्था के केंद्र अब वैश्विक ब्रांड के रूप में उभर रहे हैं। श्रीराम मंदिर बनने के बाद शहर में पर्यटकों की संख्या में 4 से 5 गुना तक वृद्धि हुई है। जनवरी-जून 2025 के बीच लगभग 23 करोड़ पर्यटक रामनगरी आ चुके हैं। अनुमान है कि इस वर्ष के अंत तक करीब 50 करोड़ पर्यटक आएंगे।

अमेरिका, यूरोप, रूस इत्यादि देशों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक रामनगरी आ रहे हैं। शहर की साफ सुथरी सड़कें, प्रत्येक चौराहे पर संस्कृति और आध्यात्मिका को समेटे हुए कलाकृतियां, चमकते हुआ राम पथ और धर्म पथ, दिव्य और भव्य कुंड, प्राचीन मंदिर, विश्वस्तरीय हॉस्पिटैलिटी सुविधा, अंतरराष्ट्रीय स्तर के होटल, आर्थिक विकास की कहानी खुद बयां कर रहे हैं। अयोध्या के विकास की देन है कि जो होटल पहले सुनसान रहते थे, वो अब 90 प्रतिशत फुल रहते हैं। छोटे से छोटा होटल भी प्रतिदिन 40 से 50 हजार तक की कमाई कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को उसका पुराना वैभव वापस दिलाया है।

जीएसडीपी में भी बड़ा योगदान

अयोध्या के विकास का सफर 2020 से प्रारंभ होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश में अयोध्या के विकास से जुड़े सरकारी विभागों ने बड़ी गंभीरता से योजनाओं के क्रियान्वयन को अंजाम दिया। शहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने के लिए व्यापक योजना तैयार की गई। शहर में सड़कें, ड्रेनेज सिस्टम, यातायात व्यवस्था, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, हवाई अड्डा जैसी मूलभूत सुविधाओं को विश्वस्तरीय बनाया गया। अयोध्या में पर्यटकों की आमद बढ़ने से यहां की आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ीं। आज अयोध्या यूपी के जीएसडीपी में लगभग 1.5 फीसद योगदान कर रही है। अनुमान है कि आने वाले कुछ वर्षों में अयोध्या का सालाना कारोबार लगभग 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

24 घंटे में 1.14 करोड़ गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में 15.44 करोड़ से अधिक मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रह एवं डिजिटाइजेशन का कार्य 1.62 लाख से अधिक बूथों पर बीएलओ द्वारा किया जा रहा है। प्रदेश में विगत 24 घंटे में 1.14 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया गया, जिसमें प्रति बीएलओ औसत 70 प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक प्रदेश में 6.40 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हो चुका है। औरैया, चित्रकूट, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, पीलीभीत, सहारनपुर तथा मुरादाबाद में 50 प्रतिशत से अधिक गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। बीते 24 घंटे में शामली, गोंडा, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, अमरोहा, संतकबीरनगर, औरैया एवं मिर्जापुर जनपद ने प्रति बीएलओ औसत 80 से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन तेजी के साथ पूरा किया। प्रदेश में एसआईआर के बाद शुद्ध मतदाता सूची तैयार होगी। कहा कि कम प्रगति वाले बूथों पर बीएलओ के सहयोग के लिए अतिरिक्त कार्मिक लगाएं जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

छह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

सोनभद्र, एजेंसी। ओबरा थाना क्षेत्र में हुए खनन हादसे में फरार चल रहे छह अभियुक्तों के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बुधवार को बताया की बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र हुए हादसे में सात शव बरामद होने के बाद गठित एसआईटी टीम ने जांच के बाद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों को संज्ञान में लेते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा छह अभियुक्तों के विरुद्ध गैर-जमानती वारंट निर्गत किया गया है।

गन्ने के अवशेष जला रही महिला की जलकर मौत

कुशीनगर, अमृत विचार : खेत में गन्ने की पत्तियां जलाते समय 65 वर्षीय महिला की जलकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार रामकोला क्षेत्र के रामपुर भाटा गांव की बेचनी देवी के रूप में हुई है जो फसल कटने के बाद सूखी पत्तियां इकट्ठी कीं और उन्हें आग लगा दी। आग को पड़ोसी खेत में फैलने से रोकने के दौरान उसकी साड़ी में आग लग गई। आग बुझाने के प्रयास में लपटों के बीच घिरी महिला की जिंदा जलकर मौत हो गई। प्रभारी थानाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि कि, घटनास्थल पहुंच जांच की गई है। स्वजन के बयान दर्ज किए गए हैं।

धोखाधड़ी को लेकर महिलाओं में विवाद

संतकबीरनगर। मेंहदावल कस्बे के एक रेस्टोरेंट के बाहर मंगलवार को नेटवर्क मार्केटिंग में निवेश के धोखे को लेकर महिलाओं के बीच वाद-विवाद हो गया। मामला बढ़ता देख मौके पर पहुंची पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को शांत कराया। जानकारी के अनुसार बेलहर कला निवासी रंगीता समेत कई महिलाओं ने बेहतर मुनाफे का लालच देकर एक निजी कंपनी में करीब दस हजार रुपये निवेश किए थे। समय पर रिटर्न न मिलने पर सभी महिलाएं पैसा वापस मांगने लगीं। थोड़ी देर में रेस्टोरेंट के पास कहासुनी शुरू हो गई। मौके पर पहुंचकर मेंहदावल पुलिस ने सभी को थाने बुलाया और पूछताछ की।

हर विवाद में डीएनए परीक्षण उचित नहीं : हाईकोर्ट

कहा- पितृत्व पर सवाल खड़े कर देना डीएनए जांच के लिए बाध्यकारी आधार नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट।

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पितृत्व संदेह से उत्पन्न एक मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि बच्चे के पितृत्व पर विवाद उत्पन्न होने मात्र से डीएनए परीक्षण का आदेश देना न्यायालयों की सामान्य प्रक्रिया नहीं हो सकती। ऐसे आदेश केवल अपवाद स्वरूप परिस्थितियों में ही पारित किए जा सकते हैं। जब इस बात के ठोस प्रमाण हों कि कथित प्रासंगिक अवधि में पति-पत्नी के बीच सहवास अथवा एक-दूसरे तक पहुंच की कोई संभावना ही नहीं थी। उक्त आदेश न्यायमूर्ति चव्हाण प्रकाश की एकलपीठ ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के तहत दर्ज मामले में रामराज पटेल द्वारा दाखिल पुनरीक्षण याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने अपने आदेश में आगे कहा कि मात्र पितृत्व पर सवाल खड़े कर देना डीएनए जांच हेतु बाध्यकारी आधार नहीं है।

मामले के अनुसार याची ने दावा किया कि उसकी शादी अप्रैल 2008 में हुई। पत्नी उसके साथ केवल एक सप्ताह ही रही और दिसंबर 2012 में जन्मी बच्ची उसकी जैविक संतान नहीं है, क्योंकि पत्नी वर्ष 2011 से मायके में रह रही थी। इसी आधार पर उसने बच्ची का डीएनए परीक्षण कराने का आग्रह किया था। ट्रायल कोर्ट और बाद में वाराणसी के अपर सत्र न्यायाधीश ने यह आवेदन अस्वीकार कर दिया, जिसके विरुद्ध पति ने हाईकोर्ट में पुनरीक्षण दाखिल किया। कोर्ट ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 का हवाला देते हुए कहा कि विवाह के दौरान जन्मे बच्चे की वैधता के पक्ष में "निर्णायक विधिक अनुमान" लागू होता है। यानी जब तक यह साबित न कर दिया जाए कि बच्चे के जन्म के समय दंपति के बीच सहवास की संभावना शून्य थी, तब तक पति को पिता ही माना जाएगा।

समझौते के आधार पर कार्यवाही सीधे अपील में की जा सकती है रद्द

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत दर्ज मामलों में यदि पक्षकार समझौते पर पहुंच जाएं, तो आपराधिक कार्यवाही को अधिनियम की धारा 14-ए(1) के तहत दाखिल आपराधिक अपील में ही समाप्त किया जा सकता है। इसके लिए सीआरपीसी की धारा 482 (अब बीएनएसएस, 2023 की धारा 528) के अंतर्गत हाईकोर्ट की अंतर्निहित शक्तियों का पृथक रूप से आह्वान करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की एकल पीठ ने राहुल गुप्ता और छह अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। कोर्ट ने माना कि जब विधि द्वारा अपील का वैधानिक उपाय उपलब्ध है, तब धारा 482 के सहारे समान उद्देश्य के लिए दोहरा रास्ता अपनाकर न्यायिक प्रक्रिया को तकनीकी रूप से उलझाना उचित नहीं होगा। कोर्ट ने 'गुलाम रसूल खां बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (पूर्ण पीठ) के फैसले का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि धारा 14-ए के तहत अपील योग्य मामलों में सीआरपीसी की धारा 482 के प्रयोजन की अनुमति नहीं दी जा सकती। भले ही न्यायालय की संवैधानिक व अंतर्निहित शक्तियां समाप्त न हुई हों। अपील ही वह उचित मंच है, जिसके माध्यम से समझौते के आधार पर कार्यवाही समाप्त किए जाने का अनुरोध किया जा सकता है। मौजूदा मामले में याची ने मेरठ के विशेष न्यायाधीश, एससी/एसटी अधिनियम द्वारा पारित समन आदेश और आरोप पत्र को चुनौती दी थी।

बिना कारण बताए नहीं रद्द किया जा सकता जीएसटी रजिस्ट्रेशन

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जीएसटी रजिस्ट्रेशन रद्द करने के नियमों को स्पष्ट करते हुए कहा कि जीएसटी रजिस्ट्रेशन रद्द करने का आदेश पारित करते समय अधिकारियों को कारणों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए। न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की एकलपीठ ने कहा कि यदि रद्दीकरण आदेश बिना स्पष्ट कारण बताए और करदाता को सुनवाई का अवसर दिए बिना पारित किया जाता है, तो ऐसा आदेश कानून की दृष्टि में टिक नहीं सकता। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। मामले के अनुसार याची एक रियल एस्टेट कंपनी थी। जिसके जीएसटी रजिस्ट्रेशन को रिटर्न जमा न करने के आधार पर जारी कारण बताओ नोटिस के बाद 16 मई 2023 को रद्द कर दिया गया। कंपनी ने इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने रिकॉर्ड की जांच में पाया कि जारी नोटिस में न तो संबंधित अधिकारी का नाम था और न ही कोई तथ्यात्मक विवरण। साथ ही याची को न सुनवाई का अवसर दिया गया और न ही रद्द करने के ठोस कारण बताए गए। कोर्ट ने माना कि ऐसी स्थिति में रद्दीकरण आदेश अपने आप में अवैध है। कोर्ट ने इसी कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि यदि जीएसटी रद्द करने के आदेश में कारणों का अभाव है तो आदेश स्वतः निरस्त हो जाता है।

सांप्रदायिक तनाव भड़काने का कृत्य लोक-व्यवस्था का उल्लंघन

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, (एनएसए) 1980 के तहत आरोपी की हिरासत को सही ठहराते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति का एक भी आपराधिक कृत्य सांप्रदायिक तनाव, दंगा और जनजीवन की गति बाधित करता है, तो वह सामान्य कानून-व्यवस्था भंग का मामला न होकर प्रत्यक्ष तौर पर सार्वजनिक व्यवस्था के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने मऊ निवासी शोएब की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने माना कि जिला मजिस्ट्रेट द्वारा पारित निरोध आदेश विधिसम्मत और आवश्यक था।

गौरतलब है कि मामला 15 नवंबर 2024 को घोसी क्षेत्र में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर से शुरू हुआ था। जिसके बाद विवाद बढ़ा और शोएब के साथियों में से एक ने कथित तौर पर सुक्खू पर चाकू से कई वार किए। प्रकरण केवल आपराधिक हमले तक ही सीमित नहीं रहा। बल्कि पीड़ित को अस्पताल ले जाते ही दोनों समुदायों के सैकड़ों लोगों की भीड़ अस्पताल में भिड़ गई, पथराव हुआ। मरीज व परिजन डरकर भागने लगे। अस्पताल की खिड़कियां व उपकरण तोड़फोड़ में क्षतिग्रस्त हुए और चिकित्सा सेवाएं ठप हो गईं। हिंसा शहर तक फैल गई।

पिता-पुत्री की हत्या में पांच लोगों को उम्रकैद

कौशांबी, एजेंसी। कौशांबी जिले की एक अदालत ने पिता-पुत्री की हत्या के मामले में बुधवार को पांच अभियुक्तों को आजीवन कठोर कारावास की सजा के साथ प्रत्येक पर 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अभियोजन के अनुसार वादी श्याम सिंह ने 25 अप्रैल 2016 को सैनी थाना में सूचना दर्ज कराई कि जमीनी विवाद को लेकर उसके पिता बद्रीप्रसाद एवं बहन सुधा यादव की हत्या कर अपराध छिपाने के लिए दोनों के शव बोरवेल में डाल दिए गए। पुलिस ने इस मामले में मिथिलेश कुमार निवासी नूरपुर पारास थाना सैनी, सुन्ती उर्फ किरन निवासिनी नूरपुर पारास, दीवान सिंह निवासी सोनारन का पुरवा, किरन यादव निवासी धुरी थानाखागा फतेहपुर, रामू मौर्य निवासी हसनपुर थाना सुल्तानपुर घोष जनपद फतेहपुर के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना उपरांत आरोप पत्र अदालत में प्रस्तुत किया। न्यायाधीश शीरीन जैदी ने आज सुनवाई के बाद आरोपी सभी पांचों अभियुक्तों को पिता पुत्री की हत्या का दोषी पाया और उन्हें आजीवन कठोर कारावास की सजा के साथ 50-50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

बेटे की हत्या की साजिश रचने में मां व उसका प्रेमी गिरफ्तार

संवाददाता कुशीनगर

- 13 वर्षीय बेटे को अगवा कर पुलिस को दी थी लापता होने की सूचना, किशोर सकुशल बरामद

अमृत विचार: जिले के तमकुहीराज थाना में दो दिनों पूर्व मीरा देवी पत्नी उमेश प्रसाद निवासी सरया खुर्द ने तहरीर दी थी। जिसमें महिला ने बताया कि उसका 13 वर्षीय पुत्र बिना बताये घर से चला गया है। पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर बच्चे की खोजबीन शुरू कर दी। बुधवार को पुलिस ने अपहृत बालक को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि अपहृत बालक की मां व उसके प्रेमी ने ही उसके अपहरण और हत्या की साजिश रची थी। मीरा देवी अपने प्रेमी मुकेश चौहान के साथ मिलकर अपने पुत्र की हत्या करने की नीयत से उसे गायब किया था। मीरा ने पुलिस को गुमराह करने उद्देश्य से गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना तमकुहीराज पुलिस ने दोनों अभियुक्तों मीरा देवी व मुकेश चौहान को गिरफ्तार कर लिया। उत्तर्कसंगत धाराओं में मामला पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

नीमा की शाखा को मिली प्रदेश स्तर पर मान्यता

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। राष्ट्रीय स्तर पर चलने वाली नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन की जनपद शाखा को प्रदेश अध्यक्ष डॉ अतुल कुमार सिंह और महासचिव डॉ. राजेश कुमार श्रीवास्तव की ओर से मान्यता दिए जाने पर जनपद के तमाम नीमा डॉक्टरों ने उन्हें धन्यवाद दिया है। बताते चलें की राष्ट्रीय स्तर पर चलने वाली नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन की शाखाएं हर राज्य और जिले स्तर पर गठित हैं। आयुष डॉक्टरों की यह संस्था हर स्तर पर आयुष चिकित्सकों के सकारात्मक कार्य के लिए प्रयास रहती है।

पढ़ाई के साथ खेल भी हैं आवश्यक : डीएम

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते डीएम शिवशरणप्पा जीएन।

अमृत विचार। विकास खंड स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का ब्लाक संसाधन केंद्र खेल परिसर बर्डपुर में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व अन्य जन प्रतिनिधियों ने मशाल जला व झंडा फहराकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेल भी खेलना चाहिए। खेल को टीम भावना के साथ खेलना चाहिए। खेल से शरीर भी स्वस्थ रहता है। पूरे जनपद के समस्त विकास खण्डों में सांसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। सांसद खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर खिलाड़ियों ने कबड्डी, खो-खो एवं वॉलीवाल का बेहतर प्रदर्शन किया। ब्लाक में आयोजित खेल प्रतियोगिता में मंडल अध्यक्ष अमित उपाध्याय ने कहा कि खेल महोत्सव से युवाओं में छिपी प्रतिभा निखरती है। गांवों में छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए विकास खंड स्तरीय खेल का आयोजन किया गया।इऐसे आयोजनों से गांवो में छिपी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी लाल बाबा ने कहा इस तरह के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र के युववाओ को बेहतर मंच मिल रहा हैं। खिलाड़ी अपने क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। सांसद प्रतिनिधि रिंकू पाल ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अच्छी सोच का नतीजा हैं। बेसिक के क्षेत्रों ने योग किया। छात्राओ ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसकी सभी ने सरहाना किया। डीएम व अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों के मार्च को सलामी दिया। तो एनसीसी के छात्रों ने बेंड बजाकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ।

डीएम ने संविधान दिवस पर दिलाई शपथ

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अधिकारियों व कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाते डीएम।

अमृत विचार। संविधान दिवस के अवसर पर लोक भवन लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बर्चुवल संविधान शपथ को पढ़ा गया। जिसको कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव व अन्य अधिकारियों द्वारा दोहराया गया। इस दौरान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखा गया। अन्त में सामूहिक राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेन्द्र कुमार मौर्य तथा कलेक्ट्रेट के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। इसके अलावा कृष्णा दीनबन्धु संस्थान देवरा बाजार के द्वारा संविधान दिवस बुधवार को बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय में संविधान के मूल्यों समता, न्याय, स्वतन्त्रता और बन्धुत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व प्रधानाध्यापक रामदेव लाल द्वारा भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धांजलि देकर की गई। रमाकान्त परियोजना समन्वयक द्वारा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर उपस्थित पीरामल फाउण्डेशन के प्रोग्राम मैनेजर योगेन्द्र मोहन ने बताया कि संविधान दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि हर नागरिक के अधिकार और कर्तव्य समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

संविधान दिवस पर दिलाई गई शपथ

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक कार्यालय परिसर में बुधवार को संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। महाप्रबन्धक ने नेतृत्व रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल, वरिष्ठ रेल अधिकारी तथा प्रबन्ध, सतर्कता, जनसम्पर्क एवं रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर रेलवे की टीम को मिली जीत

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्वावधान में 69वां अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) वॉलीबाल चैम्पियनशिप-2025 का आयोजन सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में शुरू हो गया। बुधवार को अपराह्न 3 बजे प्रतियोगिता का शुभारम्भ पूर्वोत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक विनोद कुमार शुक्ल ने किया। 2 दिसंबर तक आयोजित होने वाली चैम्पियनशिप में भारतीय रेल की 18 टीमें हिस्सा लेंगी। पहले दिन मेहमान टीमों के साथ मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे की टीमों के खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। अपर महाप्रबन्धक एवं उपस्थित प्रमुख विभागाध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने खिलाड़ियों ने परिचय प्राप्त किया। प्रतियोगिता के आरम्भ में मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे एवं पूर्व तटीय रेलवे तथा उत्तर रेलवे एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मध्य मैच खेला गया, जिसमें पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने पूर्व तटीय रेलवे को 3-0 से

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते अतिथि।

हराया। इसके पहले मैच में 25-23, दूसरे मैच में 25-13 तथा तीसरे मैच में 25-23 का स्कोर रहा। इसी प्रकार उत्तर रेलवे एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बीच खेले गये गये मैच में उत्तर रेलवे ने 3-0 से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को परास्त किया, जिसके पहले मैच में 25-18, दूसरे मैच में 25-13 तथा तीसरे मैच में 25-12 का स्कोर रहा।

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर निकाली प्रभात फेरी

जिला मुख्यालय पर प्रभात फेरी निकालते सिख समाज के लोग।

खलीलाबाद में 7 से 9 दिसम्बर तक शहीदी दिवस पर आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

संतकबीरनगर, अमृत विचार। हिन्द की चादर, धर्म एवं मानवता की रक्षा के लिए अपना शीश समर्पित करने वाले गुरु तेग बहादुर साहिब की अमर शहादत की स्मृति में खलीलाबाद स्थित गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में आगामी 7, 8 एवं 9 दिसम्बर को तीन दिवसीय शहीदी दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में बुधवार को सुबह प्रभात फेरियों के साथ की गई। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अनुसार शहीदी दिवस कार्यक्रमों का शुभारंभ 25 नवम्बर से प्रभात फेरी के साथ किया गया है, जो प्रतिदिन प्रातः 5 बजे नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकलेगी। बुधवार की प्रभात फेरी गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा से प्रारंभ होकर बैंक चौराहा, मोती चौराहा होते हुए पुनः गुरुद्वारा परिसर पहुंची। समापन पर मुंडेरवा निवासी परमजीत सिंह और सतनाम सिंह के सपरिवार द्वारा संगत के लिए चाय-नाश्ते का लंगर लगाया गया।

बढ़ जाएगा भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क

नई, दिल्ली अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बुधवार को रेल मंत्रालय की दो परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिनकी कुल अनुमानित लागत लगभग 2,781 करोड़ है। ये परियोजनाएं भारतीय रेलवे के नेटवर्क का विस्तार करने और क्षमता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन परियोजनाओं में शामिल हैं। देवभूमि द्वारका (ओखा) – कानालूस दोहरीकरण – 141 किलोमीटर बदलापुर – कर्जत तीसरी और चौथी लाइन – 32 किलोमीटर बढ़ी हुई लाइन क्षमता भारतीय रेलवे के लिए मोबिलिटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी।

न्यूज ब्रीफ

10 प्लाटिंग पर चला एलडीए का बुलडोजर

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विकास प्राधिकरण ने बुधवार को गोसाईंगंज, माल व दुबग्गा में 42 बीघा में की जा रही 10 अवैध प्लाटिंग बुलडोजर से ध्वस्त कर दी। कार्रवाई बिना मानचित्र स्वीकृत कराए निर्माण करने पर की गई है। प्रवर्तन जोन-1 में हरगोविंद, सुधांशु सिंह, सजीव तिवारी, नादिर व मेसर्स अवध सिटी द्वारा गोसाईंगंज के मुअज्जम नगर, दुलारमऊ, बाजूपुर व महमूदपुर में लगभग 18 बीघा में प्लाटिंग करते हुए अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। एलडीए से ले-आउट स्वीकृत कराए बिना प्लाटिंग करने पर टीम ने ध्वस्त कर दी। इसी तरह प्रवर्तन जोन-7 अंतर्गत माल व दुबग्गा में मोहम्मद रफी सिद्दीकी, मोहम्मद शकील, गुड्डू सैनी, तोताराम, महेन्द्र सिंह व अन्य द्वारा अलग स्थानों पर लगभग 24 बीघा में की जा रही छह प्लाटिंग ध्वस्त की गईं।

हादसे में घायल चाय विक्रेता ने तोड़ा दम

अमृत विचार विचार, गोसाईंगंज: सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में चाय की दुकान बंद कर घर वापस जा रहे पवन पाल (39) को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। घायल ने उपचार के दौरान मंगलवार देर रात ट्रामा सेंटर में दम तोड़ दिया। मूल रूप से मेरठ स्थित सैफपुर निवासी पवन पाल (39) सुशांत गोल्फ सिटी में प्रधानमंत्री आवास योजना में रहकर चाय की दुकान करता था। बहनोई कपिल ने बताया कि रविवार को पवन दुकान बंद करके घर वापस लौटते समय सड़क हादसे में घायल हो गया था।

महिला की संदिग्ध हालात में मौत

अमृत विचार, गोसाईंगंज: थाना क्षेत्र के तरियापुर गांव में रहने वाली सीतू वर्मा (28) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। भाई ने बहन की मौत को हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने चार के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। गांव में रहने वाले कमलेश वर्मा की पत्नी सीतू वर्मा (28) की मंगलवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। भाई रंजीत निवासी नेवाजपुर कुर्सी रोड ने बताया कि बहन ने मंगलवार की दोपहर फोन किया था। बहन ने ससुर राम स्वरूप पर छेड़छाड़ की बात कही थी। भाई रंजीत ने घर आने की बात कही थी। शाम को वह ससुराल पहुंचा तो बहन का शव जमीन पर था। पति कमलेश ने बताया कि सीतू ने फंदा लगाकर आत्महत्या की है। बड़े भाई सुजीत की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ऑटो में छूटा पर्स, आधे घंटे में हुआ बरामद

अमृत विचार, सरोजनीनगर: स्थानीय पुलिस ने बुधवार को त्रिमूर्तिनगर निवासी हेमा देवी का ऑटो में छूटा पर्स महज आधे घंटे में सकुशल बरामद कर लौटा दिया। पर्स में करीब डेढ़ लाख रुपये के गहने, नगदी व महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे। शांतिनगर चौकी प्रभारी शिवराज सिंह के मुताबिक क्षेत्र के त्रिमूर्ति नगर निवासी हेमा देवी बुधवार शाम करीब 6 बजे तेलीबाग से ऑटो रिक्शा से घर लौट रही थीं। शांति नगर के पास 6 :30 बजे ऑटो से उतरते समय उनका पर्स वाहन में ही छूट गया। सूचना पर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर ऑटो का नंबर ट्रेस किया। उसके बाद चालक को ढूंढ निकाला और मात्र 30 मिनट के भीतर पर्स बरामद कर लिया। हेमा देवी ने पुलिस की तत्परता की सराहना की।

सड़क हादसे में छात्र की मौत, शव रखकर प्रदर्शन

रहीमाबाद पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर कराया शांत, इटौंजा में बोलेरो ने बाइकों में मारी टक्कर, एक की जान गई, चार घायल

संवाददाता, मलिहाबाद/बीकेटी/माल

- माल में डाले की टक्कर से मजदूर की गई जान

मृतक अंश।

मृतक राकेश।

अमृत विचार: रहीमाबाद में बुधवार को कोचिंग जा रहे हाईस्कूल छात्र अंश को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। हादसे में छात्र की मौत हो गयी। घटना से गुस्साए परिजनों ने हाईवे जाम करके प्रदर्शन किया। पुलिस ने मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। वहीं, इटौंजा में बेकाबू बोलेरो ने दो बाइकों में टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गयी, जबकि दपंति समेत चार घायल हो गए। उधर, माल में डाले की टक्कर से मजदूर की मौत हो गयी।

रहीमाबाद के ग्राम अहमदाबाद निवासी हजारी लाल का बेटा अंश (15) हाईस्कूल छात्र था। परिवार में मां मनोज कुमारी, बड़ा भाई प्रिंस और बहन प्रियंका हैं। बुधवार सुबह अंश साइकिल से कोचिंग करने चांदपुर जा रहा था। रास्ते में अज्ञात वाहन ने साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में प्रिंस की मौत हो गयी। हादसे की सूचना परिजन व पुलिस पहुंची। नाराज परिजन ने आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। वहीं, बीकेटी थाना के लोहारन पुरवा गांव निवासी प्रकाश, भाई पप्पू के साथ बुधवार शाम को बाइक से इटौंजा से घर जा रहे थे। लखनऊ सीतापुर हाईवे पर इटौंजा स्थित यादव ढाबा के निकट बेकाबू बोलेरो कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में पहिए के नीचे आने से प्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भाई पप्पू घायल हो गए। इसके बाद बोलेरो कार की चपेट में दूसरी बाइक आ गई। जिससे कल्याणपुर निवासी अजय, पत्नी अनीता और पिता स्नेही घायल हो गए। हादसे के चालक बोलेरो गाड़ी लेकर भाग गया। इटौंजा पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस से रामसागर मिश्र सौ शैय्या अस्पताल बीकेटी भेज दिया।

उधर, माल के रामपुर निवासी मजदूर राकेश (40) मलिहाबाद क्षेत्र में स्थित प्राथमिक विद्यालय से मजदूरी कर बुधवार शाम घर लौट रहा था। रास्ते में माल-मलिहाबाद सीमा पर अज्ञात डाले ने राकेश को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने ने राकेश को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक के परिवार में पत्नी टीनू और दो बेटे अरुण व आयुष हैं।

माल में हुए हादसे के बाद रोते बिलखते मृतक के परिवार के लोग।

इटौंजा हादसे में क्षतिग्रस्त बाइक।

ई-रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल

अमृत विचार, बख्शी का तालाब: थाना क्षेत्र बाइक सवार दंपति विपरीत दिशा से आ रहे ई-रिक्शा से टकरा गए। हादसे में दंपति हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराकर ई-रिक्शा को कब्जे में ले लिया है। इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि सीतापुर सदर के मिर्जापुर निवासी रामदयाल पत्नी गोमती के साथ बाइक से सीतापुर जा रहे थे। रास्ते में गलत दिशा से आ रहे ई-रिक्शा से बाइक टकरा गई। हादसे में दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना देख राहगीर दौड़े तो चालक ई-रिक्शा छोड़कर भाग निकला।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

अमृत विचार, लखनऊ: काकोरी के कुसमौरा गांव के बाहर आम के बाग में बुधवार सुबह युवक का शव फंदे पर लटका मिला। मां ने गांव की एक महिला मित्र पर हत्या कराने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुसमौरा निवासी रामप्यारी ने बताया कि बेटा जितेंद्र रावत उर्फ बाबू (25) कारपेंटर का काम करता था। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने आम के बाग में अंगोछे से बने फंदे पर जितेंद्र का शव लटका होने की सूचना दी। इस पर रामप्यारी व घरवाले मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रामप्यारी ने बताया कि गांव की एक महिला से जितेंद्र का प्रेम प्रसंग था। मंगलवार रात वह बेटे से मिलने के लिए आई थी। विवाद होने पर महिला और बेटा वहां से निकल गया। सुबह बेटे का शव फंदे पर लटका मिला। आरोप है कि उसी महिला ने बेटे की हत्या कराई है।

व्यापारी के मकान का ताला तोड़कर 28 लाख की चोरी

संवाददाता, सरोजनीनगर

- बंथरा में शिक्षामित्र के घर से दस लाख का माल साफ

अमृत विचार : बंथरा के शिवपुरा में चोरों ने दिनदहाड़े सरसों तेल व्यापारी के मकान का ताला तोड़कर करीब 28 लाख के जेवर पर हाथ साफ कर दिया।

बंथरा-उमेदखेड़ा रोड स्थित शिवपुरा गांव के बाहर अशोक कुमार गुप्ता के मकान में सरसों तेल व्यापारी प्रदीप कुमार गुप्ता परिवार संग किराए पर रहते हैं। सोमवार को वे दुकान पर थे, पत्नी बच्चे जुनाबगंज एक पारिवारिक कार्यक्रम में गए थे। इसी बीच चोर छत के रास्ते घर में घुसे और अलमारी व संदूक तोड़कर जेवरात समेट ले गए। चोरी गए गहनों में बेटे ऋषभ गुप्ता की शादी के लिए खरीदे गए आभूषण भी थे। शाम करीब 7:30 बजे जब परिवार लौटा तो टूटा ताला और सामान बिखरा मिला। पीड़ित ने बताया कि चोरों ने करीब 28 लाख का माल चोरी किया है।

बचानखेड़ा निवासी शिक्षामित्र बृजभान सिंह ने बताया कि 20 नवंबर को परिवार सहित रिश्तेदारी में गए थे। 25 नवंबर को लौटने पर उन्हें मुख्य दरवाजे की कुंडी अंदर से बंद मिली। चोर करीब 9 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने और 1 लाख रुपये नकद चोरी कर ले गए। पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना दी।

स्टेशनरी व्यापारी के परिवार को सड़क पर दौड़ाकर पीटा, की फायरिंग

संवाददाता, काकोरी

- धारदार हथियार के हमले से व्यापारी का फटा सिर, मौके पर मिला कारतूस
- पिटाई के दौरान महिलाओं ने मेडिकल स्टोर में छिपकर बचायी जान
- पारा के पिंक सिटी गंगा विहार कॉलोनी की घटना

अमृत विचार: पारा के पिंक सिटी गंगा विहार कॉलोनी में बुधवार सुबह स्टेशनरी दुकान संचालक के बेटे के साथ हुई मारपीट की शिकायत करने पर हमलावरों ने पीड़ित परिवार को सड़क पर दौड़ाकर डंडों से पीटा। विरोध करने पर दुकान संचालक के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। महिलाओं को भी मारा, जिससे उनके कपड़े फट गए। हमलावरों ने दहशत फैलाने के लिए पांच राउंड हवाई फायरिंग भी की। छानबीन के दौरान एक कारतूस मौके पर मिला है।

गंगा विहार कॉलोनी निवासी रेनू मिश्रा ने बताया कि पति दीपक मिश्रा घर से थोड़ी दूर स्टेशनरी की दुकान है। बुधवार सुबह बेटा वैभव मिश्रा दुकान पर दादी को चाय देने गया था। इसी बीच बाइक तेज चलाने को लेकर बाइक सवार समीर खान व एक अन्य ने रोका और पीट दिया। घर पहुंचकर बेटे ने आपबीती मां को बतायी। रात करीब आठ बजे पिता के घर आने पर बेटे ने सारी बताई। जिसके बाद दीपक, भाई अमरदीप, आशीष मिश्रा, आशीष दुबे एवं महिलाओं के साथ घटनास्थल पर पता करने जाने लगे। एक हमलावर को देख बेटे ने पहचान लिया। इसी दौरान आरोपी ने आवाज देकर अपने साथियों को बुला लिया। आरोपियों ने परिवार पर डंडे व बांके से हमला कर दिया। सिर पर बांका लगने से दीपक घायल हो गए। आरोपियों ने सड़क पर दौड़ाकर परिवार को पीटा। यही नहीं हमलावरों ने दहशत फैलाने के लिए पांच राउंड फायरिंग की। महिलाओं को दौड़ाकर पीटा, जिससे उनके कपड़े फट गए। महिलाओं ने भागकर मेडिकल स्टोर में छिपकर जान बचाई। घटना पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गयी। छानबीन के दौरान घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस भी मिला है।

इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि सुबह बाइक टक्कर पर दोनों में विवाद हो गया। शाम को दोनों पक्षों में मारपीट हुई। फायरिंग का आरोप गलत है। जिंदा कारतूस को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की जा रही है। पीड़िता रेनू ने हमलावरों समीर, नूरा पहलवान, वसीम बदर, शाहरुख, मुश्ताक, सद्दाम साबू, मोईन, नल्लू व अन्य के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मारपीट में घायल व्यापारी। अमृत विचार

फायरिंग के बाद मिला कारतूस का खोखा।

अग्निकांड से दो दिन बैंक में ठप रहेगा कार्य

संवाददाता, काकोरी

- काउंटर लगाकर बैंककर्मियों ने दी ग्राहकों को जानकारी
- शकुंतला मिश्रा विवि परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में आग लगने का मामला

अमृत विचार: पारा के मोहान रोड शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय के परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में मंगलवार देर रात हुए अग्निकांड में करीब 12 लाख रुपये के नुकसान की आशंका शाखा प्रबंधक ने जतायी है। बैंक में अभी दो दिन तक काम ठप रहेगा। बुधवार को बैंक प्रबंधक ने दस्तावेजों के मिलान और उनकी जांच शुरू कराई। उधर, कर्मचारियों ने दो काउंटर लगाकर वहां आने वाले ग्राहकों को आवश्यक जानकारियां दी। साथ ही दमकल की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर दोबारा छानबीन की।बताया जा रहा है कि आग लगने से बैंक का सारा फर्नीचर सहित कंप्यूटर और अहम दस्तावेज जल गए थे। शाखा प्रबंधक हिमांशु कुकरेती ने बताया की मंगलवार रात विवि के सुरक्षा कर्मियों से बैंक में आग लगने की सूचना पर बैंक कर्मचारी पहुंच गए थे। आग से बैंक में रखे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कंप्यूटर सहित सारा फर्नीचर जल गया था। बैंक में लगभग 12 लाख का नुकसान हुआ है।

दूध व्यवसायी की तीन भैंस चोरी

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर थाना क्षेत्र के नटकुर गांव में चोरों ने मंगलवार रात दूध व्यवसायी जयप्रकाश गौतम की तीन कीमती भैंस चोरी कर ली। बुधवार सुबह जब किसान भैंसों को चारा देने गया, तब उसे घटना की जानकारी हुई। पुलिस तहरीर लेकर सीसीटीवी कैमरों के सहारे जांच कर रही है है।

जमीन के लिए भाइयों ने की थी अमित की हत्या

संवाददाता, निगोहां

- पूछताछ में खुदकुशी और डरकर शव को फेंकने की कही बात
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुई हत्या की पुष्टि, दो सगे भाई व मौसेरा भाई गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में अमित की हत्या के आरोपी।

अमृत विचार: मोहनलालगंज के राधाकृष्ण खेड़ा गांव में मजदूर अमित (34) की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या थी। हत्या के बाद आरोपी दो सगे भाइयों ने मौसेरे भाई के साथ मिलकर शव को दो गिट्टी भरी बोरियों के सहारे बांधकर नाले में फेंक दिया था। साजिश के तहत आरोपी हत्या को आत्महत्या और डरकर शव फेंकने की बात कहते रहे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सच्चाई सामने आने के बाद पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो तीनों ने भूमि विवाद में हत्या की बात कबूल कर लिया। पुलिस ने मां जगदेई की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय ने बताया कि मृतक के बड़े भाई राधाकृष्णखेड़ा निवासी बेचालाल, छोटे भाई प्रेम और मौसेरा भाई बंथरा के दाराबनगर बरकोटा निवासी मुकेश को गिरफ्तार किया गया है। शव मिलने के बाद आशंका के आधार पर मृतक के दो भाई प्रेम व बेचालाल और मौसेरे भाई मुकेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उन्होंने आत्महत्या की कहानी बताई। इसी बीच पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई। एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि पीएम रिपोर्ट में स्पष्ट हो गया कि अमित की मौत सिर पर भारी वस्तु से वार और गला कसने से हुई। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो तीनों आरोपियों ने गुनाह कबूल कर लिया। बताया कि जमीन विवाद में कहासुनी के बाद तीनों ने मिलकर अमित के सिर पर हमला कर दिया था।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Sandeep Kumar Karia से बदलकर Sandeep Karia रख लिया है। भविष्य में मुझे Sandeep Karia के नाम से जाना व पहचाना जाए। **संदीप करिया पुत्र अनिल करिया, ओमेक्स रेजीडेंसी-2, अर्जुनगंज, लखनऊ, 226002**

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना-NER-LJN-2025-186 & 187

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है- **ई निविदा संख्या:** NER-LJN-2025-186, **कार्य का नाम:** सहायक मण्डल इंजीनियर सीतापुर के अनुभाग में खैराबाद अवध स्टेशन पर माल के संचालन के लिये इंफरास्ट्रक्चर निर्माण के कार्य के साथ सिधौली एवं अटरिया स्टेशनों पर यात्रियों के आवश्यकता के अनुसार यात्री सुविधाओं का प्रावधान। **अनुमानित लागत (रु):** 132377963.89, **अग्रिम धन (रू):** 811900.00, **समापन अवधि:** 12 माह, **ई निविदा संख्या:** NER-LJN-2025-187, **कार्य का नाम:** सहायक मण्डल इंजीनियर बहराइच के अनुभाग में चिलवरिया स्टेशन पर माल के संचालन के लिये इंफरास्ट्रक्चर निर्माण का कार्य। **अनुमानित लागत (रु):** 117733801.59, **अग्रिम धन (रू):** 738700.00, **समापन अवधि:** 12 माह, 1. उपरोक्त ई-निविदा संख्या NER-LJN-2025-186 & 187 के लिये ई-निविदा दिनांक 16/12/2025 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। 2. उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/डबलू-349 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD EHTISHAM से बदलकर EHAT RAM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-FARAHA, ADD-GRAM TIRGAWAN, POST-RAHIMABAD, DIST-LUCKNOW-227117 (U.P.)

सूचना

मैं अर्जुन कश्यप पुत्र समली, निवासी आसायस, उन्नाव, उ0प्र0, मेरे आधार कार्ड व पैनकार्ड पर मेरा नाम अर्जुन कश्यप अंकित है जबकि पासपोर्ट पर मेरा नाम अर्जुन अंकित हो गया है। अत: पासपोर्ट में मेरा नाम अर्जुन के स्थान पर अर्जुन कश्यप अंकित किया जाय।

बेदखली सूचना

मेरे बड़े पुत्र आशिफ खान का चाल- चलन ठीक नही है और वह मेरे कहने सुनने में नही है। आशिफ खान के गलत कार्यो एवं व्यवहार के कारण मैंने उसे अपनी समस्त चल- अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आशिफ खान के किसी कार्य से मेरा सम्बन्ध नहीं है। **अबूशाद खान पुत्र मो.इदरीश खान निवासी ग्राम सुरौली, थाना गोसाईगंज जिला सुलतानपुर**

सूचना

मैं **बबीता सिंह पत्नी ईश्वर सिंह, निवासिनी- ग्राम देवलसा, पोस्ट-जिवधारा थाना बखिरा जनपद संत कबीर नगर,** मेरा हाईस्कूल अंकपत्र अनुक्रमांक-2721749 वर्ष 2014 वास्तव में खो गया है।

सूचना

यह कि मैरे पुत्र शिवम व पुत्र वधू मोहनी पत्नी शिवम का चाल चलन सही न होने कारण उनसे संबध विच्छेद करके अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया। अब उनके कार्यो की वह दोनो जिम्मेदार होंगे। मेरा कोई ताल्लूक वास्ता नही रहेगा। **शिवसिंह ऊर्फ शिवकुमार पुत्र मेवाराम निवासी सिखवापुर मौजा जैनपुर थाना ठठिया, जनपद कन्नौज**

सूचना

सर्व विदित हो कि मैं **रिहाना, फैजान अंसारी, मो. सूफियान पत्नी व पुत्र स्व. मो.अली 193/19 गौस गंज अमीनाबाद लखनऊ** ने अपने पुत्र/भाई मो.रिजवान से पूर्ण संबंध विच्छेद कर लिया है उनके द्वारा करे गये किसी कार्य से हम सबका कोई सरोकार नहीं होगा।

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ASHIF से बदलकर MD ASHIF रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-HAKIMUDDIN ADD-RAHIMABAD KAUDUHAR] PO-BAMHRAULI, DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ-211012 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ILYAS से बदलकर MOHD ILYAS BEG रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-LATE MOHD ISHAQ ADD-HOUSE No-6 MARWA APPERTEMENT, SARAI AAGHA MEER NADAN MEHAL ROAD DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

उपचार

कंबाइन मशीन से कटे पैर में पहली बार चिड़ियाघर में डाली गई बोन प्लेट

नील गाय के बच्चे को कानपुर जू ने दी नई जिंदगी

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

- अमृत विचार के प्रयास पर वन मुख्यालय ने दिए थे निर्देश
- धान कटाई के समय कंबाइन की चपेट में आया था बच्चा

कानपुर चिड़ियाघर में पैर में बोन प्लेट पड़ने के बाद खड़ा नील गाय का बच्चा।

अमृत विचार : कानपुर चिड़ियाघर के चिकित्सकों ने 10 दिन के नील गाय के बच्चे के कटे पैर की सर्जरी करके एक तरफ उसे नया जीवनदान दिया है तो दूसरी तरफ नील गाय के केस में पहली बार बोन प्लेट डालकर प्रदेश में एक मिसाल कायम की है।

दरअसल, उन्नाव के हसनगंज में धान कटाई के दौरान कंबाइन मशीन से नील गाय के दो बच्चे चपेट में आए। एक की मौके पर मौत हो गई। दूसरे का आगे का एक पैर कटकर लटकने लगा। वहां की संस्था हनुमंत जीव आश्रय ने बच्चे का रेस्क्यू किया और चिकित्सकों को दिखाया। किसी ने पैर काटने की तो किसी ने सर्जरी से बोन प्लेट डालने की सलाह दी। जो वन के नियमों के अनुसार अपराध की श्रेणी में आता है। ऐसे में जीव आश्रय ने वन विभाग को सूचित किया, लेकिन जिले स्तर पर ऐसे केस में वन और पशुपालन विभाग के पास सर्जरी की कोई व्यवस्था नहीं है।

जब यह मामला अमृत विचार के संज्ञान में आया तो वन मुख्यालय लखनऊ के उच्च अधिकारियों को अवगत कराया तो उनके निर्देश पर 20 नवंबर को डीएफओ उन्नाव आरुषी ने बच्चे का रेस्क्यू कराकर कानपुर चिड़िया घर भेजा, जहां चिकित्सकों के दल ने बोन प्लेट डालकर उसका पैर कटने से बचाते हुए नया जीवनदान दिया है। चिकित्सकों की निगरानी में वह पूरी तरह से स्वस्थ भी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार प्रदेश के चिड़ियाघर में नील गाय के केस में पहली बार बोन प्लेटिंग सर्जरी की है।

ऐसे मामलों की वन विभाग को देनी होती है सूचना

- जंगली जीव बीमार या घायल मिलने पर वन विभाग को सूचित किया जाता है। संबंधित विभाग द्वारा रेस्क्यू करके पशुपालन के चिकित्सकों से रेंज पर रखकर उपचार कराया जाता है। एनजीओ या फिर निजी चिकित्सक इन्हें लेने और उपचार के लिए अधिकृत नहीं है। गंभीर स्थिति में रेंज में उपचार की व्यवस्था न होने मुख्यालय के निर्देश पर चिड़ियाघर भेजा जाता है।

पूर्वोत्तर रेलवे

अधिसूचना संख्या : 217/2025

रेल यात्री बंधुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को सुविधा प्रदान करने हेतु गाड़ी संख्या - 15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत-गोरखपुर एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक निम्नानुसार विस्तार किया जा रहा है-

15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत-गोरखपुर एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक विस्तार का नियमित संचलन

15009 गोरखपुर-इज्जतनगर दिनांक 27.11.2025 से		↓ स्टेशन ↑	15010 इज्जतनगर-गोरखपुर दिनांक 28.11.2025 से	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22.15	गोरखपुर	07.00	--
05.06	05.08	बाराबंकी	23.51	23.53
05.44	05.47	गोमती नगर	23.11	23.14
05.55	05.58	बादशाहनगर	22.58	23.01
06.10	06.45	डालीगंज	21.55	22.30
06.53	06.55	मोहिबुल्लापुर	20.55	20.57
07.25	07.27	सिधौली	20.22	20.24
07.56	08.01	सीतापुर जं.	19.47	19.52
08.22	08.24	हरगांव	19.20	19.22
08.45	08.50	लखीमपुर	18.58	19.03
09.15	09.17	गोला गोकरननाथ	18.28	18.30
09.55	10.00	मैलानी	18.00	18.05
10.28	10.31	पूरनपुर	17.07	17.10
11.40	11.45	पीलीभीत	16.05	16.10
12.15	12.17	भोजीपुरा	15.25	15.27
12.45	--	इज्जतनगर	--	15.10

नोट : 1. इज्जतनगर तक विस्तार होने के पश्चात गाड़ी सं. 15009/15010 डालीगंज से लखनऊ जं. के बीच निरस्त रहेगी।
2. गोरखपुर-बाराबंकी के मध्य के स्टेशनों के समय में कोई परिवर्तन नहीं है।
मुजाधि/टी-79 मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम MOHAMMAD JAFAR था से बदलकर MO JAFAR रख लिया है। अब मुझे MO JAFAR के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MO JAMAL ADD-99 JODHEPUR POST-ATHEHA DIST- PRATAPGARH-230125 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD YOUSUF से बदलकर MOHD YUSUF रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0- MOHD AFAQ ADD-214 MUZAFFAR KHEDA SAROSA BHAROSA DIST-LUCKNOW-226008 (U.P.)

सार्वजनिक सूचना

मैं घोषणाकर्ता वसी अहमद आयु लगभग 65 वर्ष पुत्र स्वर्गीय नबी अहमद निवासी ग्राम साहिलामऊ, रहमान खेड़ा, मलिहाबाद पोस्ट-काकोरी तहसील व थाना मलिहाबाद जिला लखनऊ का निवासी हूं। मैं शपथ पूर्वक घोषणा करता हूं कि मैंने अपने पुत्र मुईद अहमद व उसकी पत्नी जेबा खान के बुरे बर्ताव वह आचार- व्यवहार से तंग आकर अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति एवं गृहस्थी के समान से पूर्ण रूप से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है। भविष्य में अपने पुत्र मुईद अहमद व उसकी पत्नी जेबा खान द्वारा किए गए किसी भी अच्छे या बुरे क्रिया कलापों व लेन-देन से मेरा वह मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं है। यह निर्णय मेरा है, जो मैंने बिना किसी जोर दबाव के भली-भांति सोच समझ कर लिया है। **घोषणाकर्ता - वसी अहमद, ग्राम साहिलामऊ रहमान खेड़ा, मलिहाबाद लखनऊ ऊ.प्र.**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरोज दुबे पुत्री श्री बाबूलाल दुबे निवासी गोरा बाजार पीएसी गेट के सामने का स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (एसआर नं.-7262) त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि के कारण निरस्त कर दिया गया तथा नये संशोधित स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र को विद्यालय से प्राप्त कर ले। यदि त्रुटिपूर्ण स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र आपके द्वारा या किसी अन्य के द्वारा प्रयोग में लाया जाता है तो इसकी स्वयं उसकी जिम्मेदारी होगी।

प्रधानाचार्य
संत कंवर राम इंटर कालेज
रायबरेली

सिटी ब्रीफ

ऐपवा ने महिलाओं की सुरक्षा पर जताई चिंता

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन (ऐपवा) की राज्य कार्यकारिणी बैठक बुधवार को लालकुआं कार्यालय में आयोजित हुई।इसमें प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा अधिकारी ने कहा कि प्रदेश में गरीबों को बड़े पैमाने पर उजाड़ा जा रहा है और संविधान की जगह बुलडोजर शासन चल रहा है। प्रदेश सचिव कुसुम वर्मा ने महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता जताते हुए कहा कि सरकारी आंकड़े इस बात की पुष्टि कर रहे हैं। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष आरती राय, ट्रेड यूनियन लीडर कमला गौतम, प्रदेश नेता माला, सरोजिनी बिष्ट, मुन्नी गोंड, चंद्रावती और कमलेश सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

छत से गिरकर युवक की मौत

मिश्रिख, सीतापुर, अमृत विचार : शिवथान में रामकुमार (40) पुत्र रामकिशुन का शव पड़ोस के बंद घर में मिला। परिवार के लोगों के मुताबिक, रामकुमार छत के पास लगे पेड़ से लकड़ी तोड़ रहा था, तभी अचानक पैर फिसलने से वह नीचे गिर पड़ा और सिर के बल गिरने से उसकी मौत हो गई। परिजन बताते हैं कि वह नशे का आदी भी था। सुबह पड़ोसियों ने छत से देखा तो बंद घर के भीतर रामकुमार का शव पड़ा मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

11 मिलियन फॉलोवर्स मिलने पर नैन सम्मानित

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : बीएनएसडी पब्लिक स्कूल राजाडीह में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुंवर दिनकर प्रताप सिंह और विशिष्ट अतिथि जगत सिंह ने दीप जलाकर किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षा के साथ सांस्कृतिक गतिविधियां बच्चों की प्रतिभा निखारने में सहायक होती हैं। कार्यक्रम में बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कक्षा चार की छात्रा नैन वर्मा को यूट्यूब पर 11 मिलियन फॉलोअर्स मिलने पर सम्मानित किया गया। प्रबंधक अमर मेहरोत्रा व नमन मेहरोत्रा ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रधानाचार्य देवेंद्र वर्मा ने विद्यालय की उपलब्धियां साझा कीं।

पहली को होगा श्री शतचंडी महायज्ञ

हरगांव, सीतापुर, अमृत विचार : हरगांव क्षेत्र की ग्राम पंचायत कटेसर स्थित श्री सिद्धेश्वरी माता मंदिर कटेसर चौराहा में श्री शत चंडी महायज्ञ पहली दिसम्बर को आयोजित होगा। महायज्ञ में कथावाचक पंडित रामजी बाजपेई, पहला आश्रम नैमिष, यज्ञाचार्य परिक्रमा दीन दीक्षित कटेसर ने बताया कि यह आयोजन कैलाश सिंह कटेसर द्वारा किया जा रहा है।

अधिवक्ताओं ने सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

महोली, सीतापुर, अमृत विचार : अधिवक्ता विभिन्न मांगों को लेकर मुखर हुए और ज्ञापन सौंपा। उपजिलाधिकारी महोली को दिया गया ज्ञापन डीएम को संबोधित था। बार एसोसिएशन महोली के अध्यक्ष रामबाबू मिश्रा ने कहा कि तहसील की जारी की गई मूल्यांकन सूची में पूर्व की आपत्तियां सम्मिलित नहीं की गईं। ये नियम विरुद्ध हैं। उप निबंधक कार्यालय क्षेत्र महोली में शासन के निर्देशों के विपरीत कार्य किया गया है। कई अन्य विषयों को उठाया गया। इस दौरान अधिवक्ता अभय मिश्रा, रामासरे अवस्थी, दीपक यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद थे।

खून की जांच को 27 दिनों से चक्कर लगा रही मरीज

केजीएमयू के गठिया विभाग में परिजनों ने किया हंगामा, रिपोर्ट न मिलने से इलाज में हो रही देरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के गठिया रोग विभाग में सात प्रकार की खून की जांच कराने के लिए युवती 27 दिनों से चक्कर लगा रही है। उसने दो बार खून का नमूना दिया, लेकिन कभी नमूना खराब होने तो कभी नमूना कम होने की बात कहकर मरीज को लौटा दिया गया। रिपोर्ट न मिलने से मरीज का इलाज नहीं हो पा रहा है। परेशान मरीज व उसके तीमारदारों ने बुधवार को हंगामा कर दिया।

सीतापुर निवासी शालिनी अवस्थी (यूएचआईडी-20250548025) 30 अक्टूबर को जोड़ों के दर्द की शिकायत लेकर केजीएमयू के गठिया रोग विभाग में पहुंची थी। डॉक्टर ने सात प्रकार की खून की जांचें लिखी थी। कतार में लगकर

6170 रुपये फीस जमा की, फिर खून का नमूना देने के लिए कतार में लगी। नमूना देने के दो दिन बाद जब रिपोर्ट लेने पहुंची, तो टेक्नीशियन ने नमूना खराब बताकर दोबारा खून का नमूना देने के लिए कहा। युवती ने खून का नमूना जांच के लिए दिया। बुधवार को परिवारीजन रिपोर्ट लेने पहुंचे, टेक्नीशियन ने कहा कि जांच के लिए खून का नमूना पर्याप्त नहीं था। लिहाजा जांच नहीं हो सकी। इस पर परिवारीजनों ने नाराजगी जता।आपत्ति जाहिर की। इस पर कर्मचारियों ने उन्हें विभाग से बाहर जाने को कहा। परिवारीजनों ने विभाग के बाहर हंगामा किया। तीमारदारों का कहना है कि विभाग में मरीजों की फरियाद सुनने वाला कोई नहीं है। हेल्प डेस्क या पीआरओ भी नहीं है। नतीजतन मरीज भटक रहे हैं। उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। प्रवक्ता डॉ. केके सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जाएगी। कर्मचारी की लापरवाही मिलती है तो नियमानुसार कार्रवाई होगी।

गेट पर अटक रहे स्ट्रेचर-व्हीलचेयर

अमृत विचार, लखनऊ : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के गठिया रोग विभाग में इलाज के लिए आने वाले चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों को प्रवेश द्वार पर भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विभाग के मुख्य गेट पर रैंप तो बना है, लेकिन रैंप चढ़ने के बाद गेट की ऊंचाई अधिक होने के कारण स्ट्रेचर और व्हीलचेयर को भीतर ले जाना संभव नहीं हो पाता। मजबूरी में तीमारदारों को स्ट्रेचर या व्हीलचेयर उठाकर अंदर ले जाना पड़ता है, जो मरीजों और उनके साथ आए लोगों, दोनों के लिए बेहद जोखिमभरा व थकाने वाला साबित हो रहा है। सबसे अधिक परेशानी उन मरीजों को आती है जो कम तीमारदारों के साथ अस्पताल पहुंचते हैं। तीमारदारों का आरोप है कि कर्मचारियों द्वारा किसी भी तरह की मदद नहीं की जाती, जिसके चलते उन्हें अन्य लोगों की सहायता लेनी पड़ती है। दर्द से कराहते मरीजों के लिए यह स्थिति और भी कष्टदायक हो जाती है। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह का कहना है कि प्रवेश व्यवस्था में खामियों को दूर कराया जाएगा, ताकि मरीजों को इस तरह की असुविधा से राहत मिल सके।

नशे में धुत वॉर्ड ब्वॉय ने तीमारदारों से की अभद्रता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल में भर्ती सीतापुर के मरीज ने वार्ड ब्वॉय पर नशे में धुत होकर अभद्रता करने की शिकायत की है। पीड़ित ने अस्पताल अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र दियाा है। उन्होंने जांच के आदेश दिए हैं। अभद्रता का वीडियो भी वायरल हुआ है।

सीतापुर तालगांव भूसैला निवासी शम्शे आलम ने शिकायती पत्र में बताया कि सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के कमरा नंबर 207 में वार्ड ब्वॉय तैनात है। मंगलवार रात वार्ड में भर्ती मरीजों ने बेड की चादर बदलने के लिए वार्ड ब्वॉय से बोला। आरोप है कि वार्ड ब्वॉय नशे में धुत था। उसने चादर बदलने के बजाय मरीजों, तीमारदारों से अभद्रता शुरू कर दी। आचरण विरुद्ध व्यवहार करते हुए चादरें नहीं दीं, बल्कि गाली गालौज, धमकियां देनी शुरू कर दी। किसी तरह से तीमारदारों व दूसरे कर्मचारियों ने सुरक्षा गार्ड को बुलाकर उसे वहां से हटवाया। बलरामपुर के एमएस डॉ. देवाशीष शुक्ल का कहना है कि शिकायत मिली है। मामले की जांच करवाई जाएगी। वार्ड ब्वॉय आउटसोर्स कंपनी का है।

बलरामपुर अस्पताल में तीमारदारों से अभद्रता करता हुआ वार्ड ब्वॉय।

दरोगा ने थाने से भगाया, पीड़िता ने की एसीपी से शिकायत

अमृत विचार, लखनऊ : इटौंजा के अकड़रिया गांव निवासी प्रेमावती ने स्थानीय थाने पर तैनात दरोगा पर अभद्रता करने व लात मारकर थाने से भगाने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए एसीपी बीकेटी ज्ञानेंद्र सिंह से लिखित शिकायत की है।

एसीपी ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पीड़िता प्रेमावती ने बताया कि 27 सितंबर को वह अपने खेत में पानी लगा रही थी। तभी गांव के ही रतिभान व अमन ने वहां गाली देते हुए धमकाया। जमीनी विवाद को लेकर हुई घटना की शिकायत पीड़िता ने पुलिस से की, लेकिन कोई भी कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता बुधवार को कार्रवाई की जानकारी लेने थाने पर गई थी। आरोप है कि थाने पर दरोगा संजय गुप्ता ने अभद्रता की और कहा कि थाने से निकल जाओ नहीं तो लात मारकर बाहर कर दूंगा।

हादसे को न्यौता

शाहाबाद में बीच सड़क पर बल्लियों का सहारा देकर पलटने से रोका गया ओवरलोड ट्रक।

अमृत विचार, हरदोई : जिले के शाहाबाद क्षेत्र में बुधवार को शाहजहांपुर-हरदोई हाईवे पर अल्लाहपुर में गन्ना लदा ओवरलोड ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया। डिवाइडर पर चढ़कर ट्रक पलटने लगा तो तुरंत लोगों ने बल्लियों का सहारा देकर ट्रक को रोक दिया, दोपहर से देर शाम तक बीच सड़क पर एक तरफ को झुका ओवरलोड ट्रक बल्लियों की टेक पर रुका रहा। लेकिन किसी भी समय उसके पलटने और बड़े हादसे का अंदेशा बना रहा। हादसा तो बच गया लेकिन खबर लिखे जाने तक ट्रक को हटवाया नहीं गया था।

नहीं मिल रहा जननी सुरक्षा योजना का लाभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जिले में हजारों प्रसूताओं का तीन माह से भुगतान अटका

अमृत विचार : जिले की हजारों प्रसूताओं को जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि नहीं मिल पा रही है। प्रसूताएं अस्पताल और सीएमओ कार्यालय के चक्कर काट रही हैं। आशा कार्यकर्ताओं से भी सही जवाब नहीं मिल रहा। इससे प्रसूताओं में नाराजगी है। अफसर इसका कारण पोर्टल के सॉफ्टवेयर में बदलाव की बात कह रहे हैं, जबकि सूत्रों के अनुसार एनएचएम की ओर से जेएसवाई का बजट ही सीएमओ कार्यालय को नहीं भेजा गया है।

मातृ स्वास्थ्य सुधार के उद्देश्य से संचालित जननी सुरक्षा योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र की प्रसूताओं को 1400 रुपये और शहरी प्रसूताओं को 1000 रुपये का भुगतान किया जाता है। यह धनराशि प्रसव के बाद पोषण, दवाओं और आवश्यक जरूरतों के लिए दी जाती है। इस लाभ को लेने के लिए गर्भवतियों को प्रसव सरकारी या मान्यता प्राप्त अस्पताल में कराना होता है।

सीएमओ कार्यालय के मुताबिक तीन माह से जेएसवाई का भुगतान पूरे जिले में नहीं हो सका है। महिलाएं अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय के चक्कर काट रही हैं। आशा कार्यकर्ताओं से भी लगातार पूछा जा रहा है कि भुगतान कब तक आएगा, लेकिन उनसे भी जानकारी नहीं मिल पा रही है। सीएमओ कार्यालय से प्रसूताओं की सही संख्या नहीं दी जा सकी है।

डफरिन में बैंक खाता सत्यापन न होने से 1600 भुगतान अटके

वीरांगना अवंतीबाई महिला अस्पताल (डफरिन) में करीब 1600 प्रसूताओं का जेएसवाई का भुगतान नहीं हो सका है। डफरिन की प्रमुख अधीक्षिका डॉ. ज्योति मेहरोत्रा ने बताया कि प्रसूताओं के बैंक की सही जानकारी न होने और भुगतान न होने की वजह से 1600 प्रसूताओं का जेएसवाई का भुगतान नहीं किया जा सका है।

> जननी सुरक्षा योजना के तहत प्रसूताओं को जिले में तीन माह से भुगतान नहीं हो सका है। पहले भुगतान पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (पीएफएमएस) के माध्यम से किया जाता था। अब सिंगल नोडल अकाउंट (एसएनए) स्पर्श पोर्टल से भुगतान प्रक्रिया शुरू की गई है। पोर्टल परिवर्तन के कारण कुछ तकनीकी समस्याएं आई हैं। इस वजह से देरी हो रही है।
>
> -डॉ. एमएच सिद्दीकी, नोडल जेएसवाई व एसीएमओ

केजीएमयू के एचआरएफ से मिलेंगी 10 हजार प्रकार की दवाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नए टेंडर में बढ़ाई गईं दवाएं मरीजों को मिलेगी राहत

अमृत विचार : केजीएमयू में हॉस्पिटल रिवॉल्विंग फंड (एचआरएफ) के काउंटर पर दवाओं की संख्या दोगुनी होगी। इससे मरीजों को सस्ती दवाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगी। नए टेंडर में 10 हजार प्रकार की दवाएं मिलेंगी।

केजीएमयू की ओपीडी में प्रतिदिन सात से आठ हजार मरीज आ रहे हैं। 4000 बेड हैं। ज्यादातर बेड हमेशा भरे रहते हैं। मरीजों को सस्ती दवा और इम्प्लांट मुहैया कराने के लिए 22 काउंटर बनाए गए हैं। इनमें अभी पांच हजार प्रकार की दवा और इम्प्लांट उपलब्ध हैं। इनमें 60 से

70 प्रतिशत कम कीमत पर मरीजों को दवा मिल रही है।

सुपर स्पेशियालिटी विभागों में बहुत से दवाएं मरीजों को नहीं मिल पा रही हैं। मरीजों की दुश्वारियों को कम करने के लिए एचआरएफ प्रशासन ने दवा व इम्प्लांट की संख्या दोगुने करने का फैसला किया है। इस तरह से अब एचआरएफ के स्टोर में पांच हजार प्रकार की दवाएं बढ़ाई जाएंगी। कुल 10 हजार प्रकार की दवाएं स्टोर पर जरूरत के हिसाब से उपलब्ध रहेंगी। दवा आपूर्ति के लिए 500 कंपनियों का चयन टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। अगले माह तक प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एचआरएफ प्रमुख डॉ. कुमार शांतनु ने बताया कि नए टेंडर में इस बार पहले से अधिक कंपनियां शामिल होंगी। ताकि दवाओं की उपलब्धता बेहतर होगी। विकल्प भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि अस्पताल के हर विभाग ने अपनी जरूरत के अनुसार दवाओं की अद्यतन सूची भेज दी है, जिन्हें टेंडर में शामिल किया गया है।

बिना शटडाउन ट्रांसफार्मर पर चढ़ाया, युवक की मौत

संवाददाता, लहरपुर, सीतापुर

अमृत विचार: इलाके के चंदेसुवा मजरा बेलसुआ गांव में युवक की संदिग्ध हालातों में मौत हो गई। परिवार के लोगों का आरोप है कि तीस वर्षीय युवक को जबरन ट्रांसफार्मर पर बिजली की मरम्मत के लिए चढ़ाया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही है।

ग्राम चंदेसुवा के मजरा वेलसुआ निवासी दिव्यांग जयपाल उर्फ पिटारी का शव मिलने की सूचना पर प्रभारी कोतवाली अरविंद सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। पूछताछ के बीच जयपाल के पिता शांति ने आरोप लगाया है कि जयपाल को गांव के ही दिनेश व पंकज चक्की में लाइट न आने पर ठीक कराने के लिए रात को बुला ले गए थे और बिना शट डाउन लिए उसे ट्रांसफार्मर पर चढ़ा दिया, जिससे उसकी करंट लगने से मृत्यु हो गई है। बढ़ते विवाद के बीच पुलिस क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार ने फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर भेजा।

इस संबंध में कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि मृत युवक के पिता शांति की तहरीर पर इस मामले की प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा के 14 जिलाध्यक्ष घोषित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- छह नेता पिछड़े वर्ग के, बृज क्षेत्र से पांच, कानपुर से चार और अवध क्षेत्र से एक व काशी क्षेत्र से दो जिलाध्यक्ष बनाए गए

अमृत विचार: उप्र. में भाजपा ने कई जिलों में नये जिलाध्यक्षों के नाम की घोषणा की है। प्रदेश चुनाव अधिकारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने बुधवार को 14 निर्वाचित जिलाध्यक्षों के नाम घोषित किये। चौदह जिला अध्यक्षों में छह नेता पिछड़े वर्ग के हैं।

इसमें पश्चिम क्षेत्र के मेरठ से हरवीर पाल को जिलाध्यक्ष बनाया है। पश्चिम क्षेत्र के हापुड़ जिले से अनुसूचित वर्ग से कविता माधरे को हापुड़ का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। बृज क्षेत्र से पांच, कानपुर से चार और अवध क्षेत्र से एक एवं काशी क्षेत्र से दो जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई।

क्षेत्रवार देखें तो पश्चिम क्षेत्र में मेरठ से पिछड़ा वर्ग के हरवीर सिंह पाल, हापुड़ से अनुसूचित वर्ग से कविता माधरे, बृज क्षेत्र के फिरोजाबाद से सामान्य वर्ग के उदय प्रताप सिंह, हाथरस से प्रेमसिंह कुशवाहा पिछड़ा, अलीगढ़ महानगर से सामान्य वर्ग से राजीव शर्मा और अलीगढ़ जिला से सामान्य वर्ग के ही कृष्णपाल सिंह लाल एवं एटा से सामान्य वर्ग से प्रमोद गुप्ता को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। कानपुर क्षेत्र के जालौन से पार्टी ने सामान्य वर्ग से आने वाली उर्विजा दीक्षित पर और झांसी महानगर से सुधीर सिंह एवं हमीरपुर से पिछड़ा वर्ग से आने वाली शकुंतला निषाद को भी मौका दिया है। वाली शकुंतला निषाद एवं फतेहपुर से सामान्य वर्ग से अन्नू श्रीवास्तव के नाम की घोषणा की है।

अवध क्षेत्र के बाराबंकी जिले में पिछड़ा वर्ग से आने वाले रामसिंह वर्मा को पार्टी ने नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। इसी तरह काशी क्षेत्र के जौनपुर से अजीत प्रजापति पिछड़ा वर्ग और कौशांबी से धर्मराज मौर्या, जो पिछड़ा वर्ग से आते हैं, उनका नाम शामिल किया है। भाजपा ने जिन 14 जिलाध्यक्षों की सूची जारी की है। इसमें दो महिलाएं भी हैं। हापुड़ से अनुसूचित वर्ग से आने वाली कविता माधरे का नाम शामिल है। वहीं कानपुर क्षेत्र के जालौन से उर्विजा दीक्षित और हमीरपुर से पिछड़ा वर्ग से आने वाली शकुंतला निषाद को भी मौका दिया है।

पक्षी अभ्यारण्य में मिलेगा जंगल का वर्चुअल अनुभव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2.81 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होंगी पर्यटन सुविधाएं

अमृत विचार : उन्नाव स्थित अंतरराष्ट्रीय महत्व के शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी अभ्यारण्य में अब पर्यटकों को जंगल का वर्चुअल अनुभव मिलेगा। इसके लिए अत्याधुनिक एआर-वीआर डोम की सुविधा विकसित की जा रही है।

यह जानकारी देते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उप्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा यहां लगभग 2.81 करोड़ रुपये की लागत से कई आकर्षक पर्यटन सुविधाएं तैयार की जा रही हैं। पहली बार किसी ईको-टूरिज्म डेस्टिनेशन पर आगंतुकों को वर्चुअल जंगल का अनुभव मिलेगा।

पर्यटन मंत्री ने बुधवार को बताया कि कानपुर हाईवे पर लखनऊ से लगभग 43 किलोमीटर दूर स्थित यह अभ्यारण्य एक प्रमुख साइट है, जो पक्षी प्रेमियों और प्रकृति का सुकून तलाशने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। एआर-वीआर डोम की खासियत यह है कि इसके माध्यम से जंगल में सुबह, शाम या रात के किसी भी समय का प्राकृतिक दृश्य सजीव रूप से प्रदर्शित किया जा सकता है। आगंतुक डोम के अंदर बैठकर चारों दिशाओं का दृश्य, और कुछ परिस्थितियों में ऊपर-नीचे तक के प्राकृतिक परिदृश्य भी देख सकेंगे।

करंट की चपेट में आकर युवक की मौत

हरदोई, बिलग्राम, अमृत विचार : मोबाइल का चार्जर लगा रहा युवक करंट की चपेट में आकर झुलस गया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए

उसका पोस्टमार्टम कराया है। बिलग्राम कोतवाली के हैबतपुर निवासी शेर मोहम्मद (40) मेहनत-मज़दूरी करता था, परिवार में पत्नी शबनम के अलावा उसके बेटे सुफियान व अलियान है। पिता मजीद ने बताया कि मंगलवार की रात शेर मोहम्मद ने खाना खाया और सोने के लिए कमरे में गया। वहां मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जर लगा रहा था, उसी बीच वह करंट की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई।

पावरग्रिड POWERGRID

सूचना

1. विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 79 (1) (डी) के साथ धारा 62 के तहत और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (व्यवसाय का संचालन) विनियम, 2023 के विनियमन 15 (1) (ए) और विनियमन 23 के तहत 2019–24 के लिए ट्रांसमिशन टैरिफ के ट्रूइंग–अप और 2024–29 टैरिफ ब्लॉक **"उत्तरी क्षेत्र में सुदृढ़ीकरण योजना के लिए संयुक्त परिसंपत्ति"** के लिए सीईआरसी (व्यवसाय का संचालन) विनियम 1999 और सीईआरसी (टैरिफ के नियम और शर्तें) विनियम 2019 के विनियमन–86 के तहत अनुमोदन, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ के नियम और शर्तें) विनियम, 2014, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ के नियम और शर्तें) विनियम, 2019 और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ के नियम और शर्तें) विनियम, 2024 के साथ
2. उपरोक्त ट्रांसमिशन प्रणाली के संयुक्त परिसंपत्तियों के निम्न हिताधिकारी हैं : (क) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ख) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ग) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (घ) पंजाब स्टेट पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड (ङ) हरियाणा पॉवर परचेज सेंटर (च) जम्मू एवं कश्मीर पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड (छ) उत्तर प्रदेश पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड (ज) बीएसईएस यमुना पॉवर लिमिटेड (झ) बीएसईएस राजधानी पॉवर लिमिटेड (ञ) टाटा पॉवर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (ट) चंडीगढ़ इलेक्ट्रिसिटी विभाग (ठ) उत्तरांचल पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड (ड) नार्थ सेंट्रल रेलवे (ढ़) नई दिल्ली म्युनिसिपल कॉऊन्सिल (ण) हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड।
3. टैरिफ विवरण :

क) 2019-24 ब्लॉक — ₹ लाख में

सम्पत्ति विवरण	31.03.2024 को पूर्णता लागत		2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
संयुक्त परिसम्पत्ति	9359.58	एफसी द्वारा स्वीकृत	1675.08	1668.85	1686.35	1695.36	1664.10
		ट्रूइंग–अप के आधार पर संशोधित एफसी	1672.36	1656.29	1639.91	1647.31	1654.87

ख) 2024-29 ब्लॉक — ₹ लाख में

सम्पत्ति विवरण	31.03.2024 को पूर्णता लागत		2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
संयुक्त परिसम्पत्ति	9359.58	एफसी का दावा	1590.01	1553.61	1531.61	1510.87	1492.20

4. टैरिफ सुनियोजित करने हेतु आवेदन की एक प्रति को आवेदक की वेबसाइट **www.powergridindia.com** पर लगाया गया है।
5. किसी भी व्यक्ति को, हितकारी सहित टैरिफ सुनिश्चित करने के प्रस्ताव पर सलाह तथा आपत्तियाँ, अगर हो, तो कमीशन के ई–फॉइलिंग पोर्टल द्वारा अथवा लिखित रूप में सचिव, सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेटरी कमीसन, छठां, सातवां, आठवां तल, टॉवर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029 (या अन्य पता जहां कमीशन का कार्यालय स्थित है) के समक्ष, आवेदन के लिए एक प्रति के साथ उसके निगमित कार्यालय में इस सूचना के प्रकाशित होने के 30 दिनों के भीतर दर्ज किया जा सकता है।

स्थान : गुरुग्राम
दिनांक : 27.11.2025
हस्ता/–
महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
निगमित कार्या. : "सौदामिनी", प्लॉट सं.–2, सैक्टर–29, गुड़गांव, हरियाणा–122001. फोन : 0124-2571700-719
पंजीकृत कार्यालय : बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016. फोन : 011-26560112, 26560121
वेबसाइट : www.powergrid.in, सीआईएन : L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू

PG/CC/Notice-64/Advt.-79/2025-26 Chiranjiv

अनदेखी

गोसाईंगंज ब्लॉक क्षेत्र बना मधुमक्खी पालन का बेल्ट

बढ़ा शहद उत्पादन पर निर्यात धीमा

गोसाईंगंज में मौन पालन की किट दिखाते किसान ब्रजेश।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- निर्यात करने पर दो साल से नहीं मिल रहे उचित दाम

अमृत विचार : जिले का गोसाईगंज ब्लॉक मौन पालन यानी मधुमक्खी पालन की बेल्ट बन चुका है। क्षेत्र से 70 फीसदी तक शहद निर्यात होता है। लेकिन, दो साल से निर्यात के उचित दाम न मिलने की वजह से धीमा है और किसान स्थानीय बाजार तलाश रहे हैं। मोहलालगंज क्षेत्र में भी मौन पालन की तरफ बढ़ रहा है।

गोसाईंगंज ब्लॉक में 400 से अधिक किसान मधुमक्खी पालन से जुड़े हैं। कई ने उद्यान विभाग की योजना का लाभ लिया है तो कई निजी स्तर पर मौन पालन करके शहद उत्पादन करके बिक्री करते हैं। इनके द्वारा तैयार शहद में ग्लूकोज और फ्रक्टोस अधिक मात्रा में होता है। जमा शहद होने की वजह से विदेश में बहुत मांग है। जबकि स्थानीय बाजार में जमा शहद मिलावटी बताकर कम खरीदा जाता है। किसानों का उत्पादन निर्यात पर ही टिका है। लेकिन, दो साल से निर्यात के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं। इससे मौन पालन धीमा हो गया है। इन हालातों में शहद की बिक्री मोम, जैली आदि सामान व खाद्य पदार्थ बनाने वाली कंपनियों पर ही टिकी है।

साल में दो बार करते उत्पादन

मधुमक्खी पालक ब्रजेश बताते हैं कि सर्दियों में मधुमक्खी पालन नवंबर से मार्च तक और गर्मियों में जून-जुलाई से करते हैं। एक बाक्स में मधुमक्खियों को रखते हैं और अंडों से इनकी संख्या बढ़ती है। इनका पालन आसपास सरसों, सूरजमुखी, यूकेलिप्टिस, लीची, सहजन आदि फूलों की खेती वाले क्षेत्र में करते हैं। इन पेड़-पौधों के फूलों से इन्हें भोजन मिलता है। इनकी रेंज ढाई किमी तक होती है। इस बीच में दूसरा कोई मौन पालन नहीं करता है। हर 10 से 15 दिन में एक बाक्स से चार से पांच किलो शहद निकाला जाता है। निर्यात करने पर एक बाक्स में लागत व खर्च निकालकर दो हजार रुपये तक बचते हैं। लेकिन, अब कारोबार धीमा पड़ गया है।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

चोर ने काटी मोबाइल टावर की केबल

कोठी, बाराबंकी, अमृत विचार : क्षेत्र में एक गांव स्थित मोबाइल टावर की पावर केबल चोरों ने काट दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे टेक्नीशियन ने केबल जोड़ कर सर्वर को चालू किया। जियो कंपनी में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत सुशील कुमार जैदपुर में तैनात हैं। सुशील ने पुलिस को बताया कि पांच नवंबर को आधी रात के बाद करीब 2:30 बजे मोबाइल का अलार्म बजने पर वह सतर्क हुए। लगभग 3:30 बजे जब वह मौके पर पहुंचे, तो देखा कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने टावर की पावर केबिल काट दी थी। तत्परता दिखाते हुए उन्होंने केबल जोड़कर सर्वर को पुनः चालू कर दिया। घटना की सूचना तत्काल 112 नंबर पर डायल कर पुलिस को दी गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

छापेमारी में नष्ट कराया दो सौ किलो लहन

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : आबकारी व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी के दौरान विभिन्न स्थानों से 40 लीटर कच्ची शराब बरामद की और बड़ी मात्रा में लहन नष्ट करवाया। आबकारी तथा पुलिस की टीम के साथ थाना रामनगर के ग्राम बड़नपुर फिरोजपुर खुरदा सहित 20 स्थानों पर छापेमारी कर लगभग 40 लीटर कच्ची शराब बरामद की और 2 सौ किलो लहन मौके पर नष्ट कराया गया। आबकारी अधिनियम के तहत चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत दर्ज कराया गया है।

सोलर पैनल, बैट्रा चुराते धरे गए दो चोर

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : दरियाबाद के गंगौली में चोरों ने खेत में लगा सोलर पैनल और बैट्रा चोरी कर लिया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दो चोरों को मौके से पकड़ लिया, जबकि उनके दो साथी फरार हो गए। संजू रावत के खेत से सोलर पैनल और बैट्रा चोरी हो गए थे। ग्रामीणों की मदद से रामकुमार रावत तथा रोहित निवासी बिरौली थाना सफदरगंज को पकड़ा गया, जबकि शंकर और अशोक मौके से भाग निकले। आरोपियों ने चोरी किए गए सामान को पास की झाड़ी में छिपाने की बात कबूल की। ग्रामीणों और पीड़ित ने मौके पर जाकर झाड़ी से सोलर पैनल और बैट्रा बरामद कर लिए। दोनों चोरों को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

सराहनीय कार्य पर मिला सम्मान

बाराबंकी, अमृत विचार : नगर क्षेत्र में सुदृढ़ यातायात व्यवस्था बनाये रखने के साथ ही पल्हरी चौराहे पर टप्पेबाज महिला की गिरफ्तारी व उसके पास से चोरी किए गये जेवर नगदी आदि की बरामदगी कराने पर सराहनीय कार्य पर उत्साहवर्धन के लिए पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा यातायात प्रभारी रामयतन यादव को प्रशस्ति पत्र व नकद पुरुष्कार देकर सम्मानित किया गया।

ओवरब्रिज से रेलवे लाइन पर गिरा डंपर

चपेट में आने से बाल-बाल बची गरीब रथ एक्सप्रेस, दो घंटे तक रुकी रही ट्रेन, राहत कार्य जारी

टला हादसा

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

अमृत विचार : रामनगर-फतेहपुर मार्ग पर बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बुढ़वल जंक्शन के पास स्थित पुल पर डंपर रेलिंग तोड़ते हुए रेलवे लाइन पर जा गिरा। उसी समय अमृतसर से सहरसा जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12204) अगानपुर के पास पहुंची ही थी कि दूसरे ट्रैक पर गिरे डंपर से टकराए बिजली के तार टूट गए और ट्रेन अचानक रुक गई।

गनीमत रही कि डंपर ट्रेन पर नहीं गिरा। ओवरब्रिज की रेलिंग के पत्थर ट्रेन की बोगियों पर जाकर गिरे, जिससे कुछ बोगियां क्षतिग्रस्त हो गईं। सूचना मिलते ही रेलवे, रामनगर पुलिस, फायर ब्रिगेड और आसपास के थानों की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस और फायर टीमों ने काफी प्रयास किए, फिर भी ड्राइवर को बाहर निकालने में दो घंटे से अधिक का समय लग गया। ड्राइवर को सीएससी पर भेजा गया। डंपर चालक की पहचान पंकज कुमार (38) पुत्र राम सेवक निवासी मनिहारी पांडेय चौराहा थाना करनैलगंज गोंडा के रूप में हुई है। वहीं ट्रेन में सवार सहरसा निवासी सोनी कुमारी को करंट लगा। ट्रेन भी दो घंटे से अधिक समय तक रुकी रही। चौका घाट और बिंदौरा रेलवे स्टेशन पर भी कई गाड़ियां रोकी गईं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय मौके पर पहुंचे, लेकिन सीमित संसाधनों के चलते रेस्क्यू में और देर होती रही। पुलिस बल राहत-बचाव कार्य में जुटा रहा। सूचना पाकर रेलवे की सेफ्टी अधिकारी शिल्पी कनौजिया भी मौके पर पहुंच गयी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बिजली का तार या डंपर ट्रेन पर गिर जाता तो बड़ी त्रासदी हो सकती थी।

रेलवे ट्रैक पर पुल से गिरा डंपर और बगल वाली लाइन में खड़ी गरीब रथ एक्सप्रेस। ● अमृत विचार

दुर्घटनाओं में एक की मौत दंपति समेत पांच घायल

देवा, रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : बुधवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दंपत्ति समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पहला हादसा देवा क्षेत्र में बुधवार दोपहर करीब 2 बजे मित्तई के पास हुआ। ग्राम पलका थाना गुडम्बा लखनऊ निवासी सतीश (25) पत्नी के साथ बाइक से देवा की ओर जा रहा था। ई-रिक्शा और ऑटो को ओवरटेक करते समय उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सतीश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि पत्नी घायल है। दूसरा हादसा रामनगर क्षेत्र में रिलायंस पेट्रोल पंप के पास हुआ। मनीष निवासी गोंडा की कार बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हो गई। बाइक सवार वेदप्रकाश को ओवरटेक करते समय कार ने टक्कर मार दी और पोल से जा भिड़ी। हादसे में दोनों घायल हो गए। रामसनेहीघाट क्षेत्र गोड़ियनपुरवा मजरे सूरजपुर निवासी लक्ष्मण पत्नी के साथ एक कार्यक्रम से लौट रहे थे। तभी वाहन ने उनकी बाइक में ज़ोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही लक्ष्मण की पत्नी दूर जा गिरी, जबकि लक्ष्मण प्रसाद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

एमडीएम में 11 करोड़ का महाघोटाला

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार। मध्यान्ह भोजन योजना में करोड़ों रुपये के घोटाले ने पूरे जिले में सनसनी मचा दी है। बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के एमडीएम प्रकोष्ठ में 11 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी का खुलासा हुआ है।

जांच में सामने आया कि कन्वर्जन लागत (खाना बनाने की राशि) के भुगतान में कूटरचित अभिलेख, जाली भुगतान सलाह और फर्जी आंकड़ों का इस्तेमाल कर वर्षों तक धनराशि डकार ली गई।

इस पूरे खेल का मुख्य केंद्र 17 वर्षों से पद पर जमे मध्यान्ह भोजन जिला समन्वयक फिरोज अहमद खान को माना जा रहा है। उनके साथ मदरसों और परिषदीय विद्यालयों के कई प्रधानाध्यापकों तथा कुछ ग्राम प्रधानों की मिलीभगत सामने आई है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ला की तहरीर पर नगर कोतवाली में 44 व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि यह जाल बहुत बड़ा है और आगे और नाम सामने आ सकते हैं।

सार्वजनिक धन प्रबंधन प्रणाली ने उगला सच

कई विद्यालयों ने लगातार शिकायत की थी कि विद्यालयों को भेजी जा रही कन्वर्जन लागत वास्तविक संख्या से कम है। इस पर एमडीएम प्रकोष्ठ की पत्रावलियों की पड़ताल हुई। डीसी फिरोज ने ई-मेल से जो भुगतान सलाहें भेजीं, वे संदिग्ध लगीं। जब सार्वजनिक धन प्रबंधन प्रणाली से मूल अभिलेख निकाले गए, तो सच सामने आया। प्रस्तुत भुगतान सलाहें जाली और कूटरचित थीं। विद्यालयों को भेजी गई वास्तविक धनराशि को कम दिखाया गया। अतिरिक्त धनराशि को प्रधानों–प्रधानाध्यापकों की मदद से गैरकानूनी रूप से बाहर निकाला गया। फिरोज अहमद ने पिछले 5-6 वर्षों में कन्वर्जन लागत में अनुपातहीन बढ़ोतरी दिखाकर लाखों रुपये हड़प लिए। लाखों रुपये गबन के इस खेल में देखना है की आगे क्या कार्रवाई होती है।

जनहित सर्वोपरि, देरी बर्दाश्त नहीं: याचिका समिति

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधान परिषद की याचिका समिति ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिले से जुड़े 27 जनहित प्रकरणों की समीक्षा की।

समिति के सभापति अशोक अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में सदस्य उमेश द्विवेदी, अंगद कुमार सिंह और अनूप कुमार गुप्ता मौजूद रहे। बैठक में जन समस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। सभापति अशोक अग्रवाल ने कहा कि समिति के समक्ष प्रस्तुत सभी प्रकरण महत्वपूर्ण हैं और इनके समाधान में किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। जनहित सर्वोपरि है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर लंबित मामले की बिंदुवार प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। कई मामलों का समाधान बैठक में ही कर दिया गया। डीएम शशांक त्रिपाठी, सीडीओ अन्ना सुदन, एसपी अर्पित विजयवर्गीय और एडीएम निरंकार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। पंचायती राज, नगर विकास, सिंचाई, ऊर्जा, परिवहन, लोक निर्माण, ग्राम्य विकास और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से संबंधित प्रकरणों पर चर्चा की गई। समिति ने बिरौली नाली निर्माण, कोटवाधाम-गिदरापुर मार्ग मरम्मत, दशरथपुर-सलेमपुर सड़क निर्माण, बरौली रजबहा पुलिया, कनभरिया बारातघर, मालिनपुर सड़क चौड़ीकरण, बंदीपुरवा मार्ग विस्तार, टिकैतनगर-जलालपुर मार्ग, पूरनपुर सड़क, भुहेरा मंदिर मार्ग, हंडोहरी नाली-सड़क, धौकलपुरवा सीसी रोड सहित कई प्रोजेक्ट की स्थिति की समीक्षा की। शांतिपुरम नाली-इंटरलॉकिंग, सुबेहा बस स्टॉप, गेरावां दिव्यांग विद्यालय और बाबा मानदास कुटी सड़क की स्थिति भी रखी गई। कुछ प्रकरणों में कार्य पूर्ण पाए गए, जबकि कुछ में याचिकाकर्ताओं के अनुमोदन पत्र लंबित मिले।

दिशा निर्देश देते याचिका समिति के सभापति व सदस्य। ● अमृत विचार

खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दम

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज में परिषदीय विद्यालयों की एक दिवसीय ब्लॉकस्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों बीडीओ संदीप कुमार श्रीवास्तव व बीईओ जैनेंद्र कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप जलाकर किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार देव पांडेय ने मेडल व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय ज्योरी के बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। विभिन्न स्पर्धाओं के परिणाम के अनुसार प्राथमिक बालिका 100 मीटर दौड़ में महेक (प्रथम), रोहनी (द्वितीय), सौम्या (तृतीय), प्राथमिक बालक 100 मीटर दौड़ में सौर्य प्रताप (प्रथम), सूफियान (द्वितीय), हिमांशू (तृतीय), प्राथमिक 50 मीटर दौड़ में सौर्य प्रताप (प्रथम), हिमांशू (द्वितीय), शुभ (तृतीय), बालिका 50 मीटर दौड़ में महेक (प्रथम), जोया बानो (द्वितीय), रोहिनी (तृतीय), उच्च प्राथमिक 100 मीटर बालक में मो. जैद (प्रथम), अभिषेक (द्वितीय), असलम (तृतीय), उच्च प्राथमिक बालिका 100 मीटर में संजना (प्रथम), अंशिका (द्वितीय), नैनसी वर्मा (तृतीय), प्राथमिक बालक 200 मीटर में विपिन (प्रथम), हिमांशू (द्वितीय), प्राथमिक बालिका 200 मीटर में महेक (प्रथम), सौम्या (द्वितीय), यूपीएस 200 मीटर में मो. जैद (प्रथम), अंशिका (बालिका वर्ग द्वितीय), 400 मीटर बालक में मनोज (प्रथम) व 400 मीटर बालिका में संजना प्रथम स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम में रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य विजय बहादुर, एआरपी राजेश यादव, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक बलराज वर्मा आदि उपस्थित रहे।

पुरस्कृत छात्र-छात्राओं के साथ अधिकारी व अन्य लोग। ● अमृत विचार

राममंदिर के वीडियोज ने बदल दी दिशा और दशा

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय में अवध क्रिएटर्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जिले के 50 क्रिएटर्स ने अपने अनुभव, संघर्ष तथा डिजिटल मंच पर सफलता की यात्रा को साझा किया। बताया कि कैसे राम मंदिर पर बनाए उनके कंटेंट ने उनके जीवन की दिशा और दशा को बदल दिया। विवि के जन संपर्क अधिकारी शिवम् यादव ने बताया कि महर्षि महेश योगी जी ने दशकों पहले अयोध्या में एक भव्य विश्वविद्यालय बनाने का स्वप्न देखा था। आज वह सपना साकार हो चुका है। रामायण विश्वविद्यालय न केवल भारत बल्कि विश्व में अनूठा शिक्षा केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा अयोध्या में रामायण विश्वविद्यालय की सभी इमारतों एवं भवनों का निर्माण भगवान राम और रामायण के पात्रों के नाम पर किया जा रहा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संपर्क अधिकारी कमल यादव, सहायक अमन श्रीवास्तव, लवकुश शुक्ला, आकाश यादव आदि मौजूद रहे।

सिटी डायरी

न्यायमूर्ति का स्वागत करते वन क्षेत्राधिकारी। अमृत विचार

सूफी संत की मजार पर पहुंचे न्यायमूर्ति

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : बुधवार को राष्ट्रीय हरित अधिकरण के न्यायमूर्ति अफ़रोज़ अहमद ने कस्बा स्थित सूफ़ी संत हाजी वारिस अली शाह की ऐतिहासिक दरगाह पर पहुंचकर जियारत की। उन्होंने मजार पर चादर पेश की और मुल्क में अमन, सौहार्द और खुशहाली की दुआ मांगी। जियारत के दौरान न्यायमूर्ति अफ़रोज़ अहमद ने कहा कि हाजी वारिस अली शाह ने जीवन भर कौमी एकता, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम दिया। वन क्षेत्राधिकारी देवा मयंक सिंह ने न्यायमूर्ति का बुके भेंट कर स्वागत किया उनके आगमन के मद्देनज़र प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए थे। उपनिरीक्षक सुमित वर्मा के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

प्रतियोगिता में सम्मानित किये गये छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

प्रिंस व संस्तुति ने मारी बाजी

बाराबंकी : अमृत विचार : संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल सेवा समिति एवं पार्क-स्मारक अनुरक्षण समिति द्वारा आनंद विहार कॉन्वेंट इंटर कॉलेज में संविधान की प्रस्तावना की व्याख्या विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में एक दर्जन से अधिक विद्यालयों के लगभग 75 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। जूनियर वर्ग में चाइल्ड फ्रेंडली स्कूल के कक्षा 5 के छात्र प्रिंस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आनंद विहार कॉन्वेंट कॉलेज के कक्षा 7 के छात्र पुनीत सिंह व विनोबा आवासीय बालिका विद्यालय की कक्षा 6 की छात्रा अंकिता संयुक्त रूप से द्वितीय तथा जमीलुर्रहमान किदवई गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा शयाना सिद्दीकी तृतीय स्थान पर रहीं।

टीकाकरण अभियान का जायजा लेते डीपीओ।

टीकाकरण अभियान का लिया जायजा

मसौली, बाराबंकी। अमृत विचार : बुधवार को जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं नवागत सीएचसी अधीक्षक ने ग्राम पंचायत बड़ागांव मे चल रहे टीकाकरण अभियान व पंचायत भवन मे संचालित लाइब्रेरी का जायजा लिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा, सीएचसी अधीक्षक डा0 राधेश्याम गौड़, नवागत सीडीपीओ पारुल शुक्ला ने बुधवार को ग्राम पंचायत में संचालित सभी प्राथमिक विद्यालय, आगनबाड़ी केंद्रों एवं पंचायत भवन मे संचालित लाइब्रेरी के साथ ही टीकाकरण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने टीकाकरण कर्मियों से बातचीत की और उन्हें टीकाकरण के महत्व के बारे में बताया।

आगरा, अयोध्या, कानपुर व लखनऊ फाइनल में

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: उप्र खेल निदेशालय के तत्वावधान में डाभासेमर के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में चल रही प्रदेशीय सीनियर टेबल टेनिस प्रतियोगिता के दूसरे दिन बुधवार को युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल मुकाबले हुए। इसमें आगरा हॉस्टल व अयोध्या मंडल ने पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में जीत दर्ज कर फाइनल में स्थान सुरक्षित कर लिया। कानपुर व लखनऊ मंडल ने महिला युगल सेमीफाइनल में जीत हासिल कर खिताबी दौर में स्थान सुनिश्चित कर लिया। एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में लखनऊ व कानपुर मंडल ने महिला वर्ग में और अयोध्या मंडल व अयोध्या हॉटल टीमों ने पुरुष वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

पुरुष युगल स्पर्धा के पहले सेमीफाइनल में अयोध्या के जतिन व शिवम ने आगरा हॉस्टल के रितेश व शिवम को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल में आगरा हॉस्टल के वंश व वेद ने लखनऊ के लक्ष्य व अर्पित को 3-1 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया।

महिला युगल के पहले सेमीफाइनल में कानपुर की तारिनी व तान्या ने अयोध्या की श्रेया व शालिनी को 3-0 से और दूसरे सेमीफाइनल

महिला एकल सेमीफाइनल के खिताबी दौर में पहुंचने की होड़ में खिलाड़ी।

प्रदेशीय सीनियर टेबल टेनिस प्रतियोगिता

में लखनऊ की गुनगुन व एलिना ने अयोध्या हॉस्टल की सानिया व अनुष्का को 3-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं एकल महिला सेमीफाइनल में लखनऊ मंडल ने अयोध्या हॉस्टल को 5-0 से और कानपुर मंडल ने अयोध्या मंडल को 5-1 से हरा कर फाइनल में स्थान बनाया। पुरुष एकल सेमीफाइनल में अयोध्या हॉस्टल ने लखनऊ मंडल को 3-1 से और अयोध्या मंडल ने देवीपाटन को 3-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। इस अवसर पर आरएसओ अनिमेष सक्सेना, उपक्रीड़ा अधिकारी प्रशिक्षक व खिलाड़ी मौजूद रहे।

हत्या के दो दोषियों को आजीवन कारावास

बाराबंकी, अमृत विचार : दस वर्ष पूर्व गोली मारकर हत्या करने के प्रकरण में न्यायालय ने दो अभियुक्तों को आजीवन कारावास व दस हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है। 22 फरवरी 2015 को मोहम्मदपुर खाला के गड़ेरियनपुरवा के रहने वाले रामसहारे ने पुलिस को सूचना दी कि उसके भाई को गोली मार दी गई जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी कृपाराम व रामजीत के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया और दोनों को जेल भेज दिया। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-4 ने कृपाराम व रामजीत को आजीवन कारावास व 10 हजार के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

आस्था

सरयू जल से अभिषेक के बाद रामलला ने पहने रत्नजड़ित हरे रंग के वस्त्र, सिर पर धारण किया सोने का मुकुट

धर्म ध्वजारोहण के बाद उमड़े श्रद्धालु, रामनगरी राममय

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : राम मंदिर के शिखर पर मंगलवार को धर्म ध्वजा फहराए जाने के बाद से रामनगरी पूरी तरह राममय हो गई। बंदिशें हटी तो रामलला के दर्शन के लिए बुधवार सुबह से ही श्रद्धालु उमड़ पड़े। राम मंदिर में विराजमान श्री रामलला का सुबह विशेष श्रृंगार किया गया। सरयू जल से अभिषेक के बाद उन्हें रत्न जड़ित हरे रंग का पोषाक पहनाया गया व सिर पर सोने का मुकुट धारण कराया गया।

श्रीराम मंदिर में बुधवार सुबह छह बजे विशेष आरती पूजन के बाद श्रद्धालुओं के लिए कपाट खुल गए। ठिठुरन के बाद भी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। उन्होंने धैर्य के साथ कतारबद्ध होकर रामलला का दर्शन-पूजन किया। मंदिर की भव्य सजावट और वास्तुकला को देखकर मंत्र मुग्ध हो गए। मंदिर के शिखर पर लहरा रही धर्म ध्वजा को देखने का विशेष उत्साह दिखा। रामपथ और भक्ति पथ पर फूलों की सजावट और रंग-बिरंगी लाइटें अभी भी लगी हुई हैं। जगह-जगह लोग सेल्फी और फोटो खींच कर इस दृश्य को कैमरे में कैद करते दिखे। हनुमानगढ़ी मंदिर में भी सुबह से ही भारी भीड़ रही। कनक भवन, रंग महल और दशरथ महल जैसे अन्य मंदिरों में भी यही हाल रहा।

श्रीराम जन्मभूमि पथ पर लगी श्रद्धालुओं की कतार। ● अमृत विचार

डीएम के साथ सम्मानित किये गए बीएलओ। अमृत विचार

28 बेस्ट बीएलओ को डीएम ने किया सम्मानित

बाराबंकी, अमृत विचार : डीएम शशांक त्रिपाठी द्वारा अपने बूथ के सभी मतदाताओं के गणना प्रपत्र को शत प्रतिशत वितरित, एकत्रित एवं डिजिटाइज करने में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 28 बीएलओ को कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) निरंकार सिंह उपस्थित रहे।

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

वीरेंद्र कुमार सिंह : बरेली की योग्यतम संतान को मुख्यधारा में लाए

बरेली शहर अपने अस्तित्व के साथ ही वाणिज्य का प्रमुख केंद्र बना रहा। सल्तनत काल के बाद मुगल आए, उन्होंने भी बड़ा व्यापारिक केंद्र होने के नाते बरेली पर फोकस रखा। अंग्रेजों ने तो प्रशासनिक व्यवस्था के संचालन के लिए बरेली को ही केंद्र बना लिया। यहां तैनात रहे तमाम अधिकारियों ने शहर के विकास पर ज्यादा जोर दिया। इन सबके बीच जिले में तैनात रहे कुछ अफसरों ने लीक से हटकर काम किया और उनकी यादें लोगों के दिलो-दिमाग पर कायम हो गईं। ऐसे अफसरों की कार्यशैली की प्रशंसा करते हैं और नजीर के तौर पर पेश भी करते हैं। बरेलियंस के दिलो-दिमाग पर छाए अफसरों की फेहरिस्त लंबी है। इनमें जिन अफसरों की यादें लोगों के जेहन में लंबे समय से पैबस्त हैं, उनमें आईएएस अफसरों में दीपक सिंघल, रमारमण, नितीश कुमार, देशदीपक वर्मा, टी. वेंकटेश, वीरेंद्र कुमार सिंह, केबी अग्रवाल, संजय भूस रेड्डी, सीताराम मीणा, अनिल गर्ग, पुलिस अफसरों में सीडी कैंथ, उदयन परमार, वीके मौर्य, आनंद स्वरूप, गुरु वचन लाल, पीसीएस अफसरों में बाबा हरदेव सिंह,मंजुल जोशी, दिनेश कुमार सिंह शामिल हैं। कलेक्ट्रेट के प्रशासनिक अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हो चुके बनवारी लाल अरोड़ा बताते हैं कि बरेली में तैनात रहे सभी पुलिस और प्रशासनिक अफसर अपनी काबिलियत में बेमिसाल थे, लेकिन कई अफसरों ने अपनी कार्यशैली के जरिये लोगों को अपना मुरीद बना लिया। यही कारण है कि लोग आज भी उन्हें बड़े ही प्यार और अदब से याद करते हैं। अमृत विचार की मेरा शहर -मेरी प्रेरणा सीरीज में कुछ खास अफसरों के बारे में सुनील सिंह की विशेष रिपोर्ट ...

राधेश्याम कथावाचक के जरिये बना दिया साहित्यिक माहौल

रिटायर्ड आईएएस अफसर वीरेंद्र कुमार सिंह वर्ष 2018-19 में बरेली के कलेक्टर रहे। प्रशासनिक कार्यों के बीच बरेली में साहित्यिक माहौल बनाने में उन्होंने बड़ा योगदान किया, जो कि एक प्रशासनिक अफसर की भूमिका के रूप में बेहद अलग था। वह बताते हैं कि जब इस शहर में आए और उन्होंने लोगों से बात शुरू की तब पता चला कि बरेली शहर की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को लोग विस्मृत कर रहे हैं। राधेश्याम रामायण देश के तमाम हिस्सों में आज भी प्रचलित है। अवधी रामलीला का मुख्य आधार ही राधेश्याम रामायण है। इसके अलावा पंजाब से लेकर लाहौर तक उनकी रामायण पढ़ी और मंचित की जाती थी। यही नहीं अपनी विशिष्ट शैली के कारण उनके लिखे नाटकों का उत्तर भारत में जबरदस्त आकर्षण था। वह कहते हैं कि इस बात से उन्हें बहुत आघात लगा कि बरेली शहर के ही लोग राधेश्याम कथावाचक को भूलते जा रहे हैं।

वह कहते हैं कि इसके बाद तय किया कि बरेली की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को एक बार फिर जनमानस के बीच में स्थापित करेंगे। इसके लिए शहर के प्रमुख रंगकर्मियों और साहित्यकारों को जोड़ा। शहर के प्रबुध लोगों को योजना पसंद आई और पहली संजय कम्युनिटी हाल में उनके जन्मदिन 25 नवंबर पर सप्ताह भर का पंडित राधेश्याम कथावाचक नाट्य उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें पंडित जी के नाटकों का मंचन किया गया। शहर के गणमान्य लोग, प्रबुद्ध जन और आम लोग पहुंचे। कार्यक्रम के बाद से पंडित जी के लेखन को लेकर शहर में सकारात्मक माहौल बना। वह बताते हैं कि उनके कार्यकाल में दो बार आयोजन हुआ। उनके जाने के बाद शहर के लोगों इस आयोजन की कमान संभाल ली। तीसरा आयोजन फ्यूचर यूनिवर्सिटी में किया गया। इस आयोजन में वह लखनऊ से आकर शामिल हुए थे। शहर के वरिष्ठ पत्रकार रणजीत पांचाले समेत अन्य लोग आयोजन की कमान संभाले हुए हैं। रणजीत पांचाले बताते हैं कि पिछले दो सालों से इस आयोजन का स्वरूप थोड़ा बदल गया है। अब उनके नाटकों के मंचन से ज्यादा बौद्धिक पक्ष पर चर्चा पर फोकस किया जाता है। हालांकि उनके नाटकों का मंचन भी जारी है। अभी कुछ समय पहले उनकी पुण्यतिथि पर शहर में आयोजित नाट्य महोत्सव में राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का मंचन किया गया है। उन्होंने प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित नाट्य उत्सव का आयोजन कराया था।

जिला लाइब्रेरी में स्थानीय रचनाकारों की बनवाई दीर्घा

बकौल वीरेंद्र कुमार सिंह राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का आकर्षण महान उपान्यासकार प्रेमचंद के उपन्यास गबन को पढ़कर समझा जा सकता है। गबन उपन्यास का नायक गबन करने के बाद पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए कलकत्ता में जाकर छिप जाता है। अपनी फरारी के दौरान उसे पता चलता है कि कलकत्ता शहर में राधेश्याम कथावाचक के नाटक का मंचन होने जा रहा है। यह जानते हुए कि पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है, लेकिन उपन्यास का नायक अपने छिपे हुए स्थान से बाहर निकल कर नाटक देखने के लिए पहुंच जाता है। रणजीत पांचाले कहते हैं कि वीरेंद्र कुमार सिंह का योगदान यहीं नहीं रुक जाता है। उन्होंने इस शहर के प्रमुख साहित्यकारों प्रख्यात शायर वसीम बरेलवी से लेकर प्रबुद्ध आलोचक मधुरेश तक की रचनाओं को संकलित कराकर राजकीय पुस्तकाल में अलग दीर्घा बनवाई थी। इस दीर्घा में बरेली के सभी साहित्यकारों की रचनाओं को स्थान दिया गया था। जिला जेल में प्रेमचंद का साहित्य रखवाया गया था।

एलेक्जेंडर इज्जत : पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाकर इज्जत नगर के रूप में शहर का हिस्सा हो गए

अंग्रेजी शासनकाल में बरेली व्यापार के साथ ही शासन प्रशासन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया था। अंग्रेजों ने आसपास के क्षेत्रों पर अपना आधिपत्य बरकरार रखने के साथ कारोबार के लिए द्रुतगामी यातायात के साधनों का विकास शुरू किया। अंग्रेजों ने 1857 में पहाड़ों को मैदानी हिस्से से जोड़ने की परियोजना पर काम शुरू हुआ। ब्रिटिश रेलवे अफसर एलेक्जैंडर इज्जत ने 1883 में परियोजना की कमान संभाली। उन्होंने बरेली-काठगोदाम रेलवे ट्रैक काम शुरू किया। इसके साथ ही बरेली से लखनऊ के लिए रेलवे लाइन बिछा दी।

एलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने 31 साल की रेलवे की सेवा

अलेक्जेंडर इज्जत के नाम पर वाराणसी-प्रयागराज रेलवे लाइन पर प्रयागराज में गंगा नदी पर बने पुराने पुल को भी इज्जत पुल कहा जाता था। इस पुल के पहले कमांडर अलेक्जेंडर इज्जत थे। उन्होंने 1883 से 1904 तक बीएनडब्ल्यूआर के दूसरे एजेंट के रूप में कार्य किया। इसी दौरान सोनपुर से चोपन, सीवान, गोरखपुर होते हुए लखनऊ तक बीएनडब्ल्यूआर की मुख्य लाइन बिछाई गई थी। एलेक्जेंडर इज्जत के पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डब्ल्यू. आर. 1920 से लेकर 1927 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट नियुक्त रहे। उनके पुत्र सर जे. रेनी इज्जत 1941 से 1944 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट रहे। पिता-पुत्र-पौत्र की इस तिकड़ी ने 31 वर्षों तक इस रेलवे के भविष्य को आकार दिया, जो पूर्वोत्तर रेलवे के गठन के महत्वपूर्ण वर्ष थे।

इज्जत स्टेशन से रेलवे डिवीजन बनने की कहानी

बरेली स्थित इज्जत नगर रेलवे स्टेशन की स्थापना 1875 में की गई थी। नार्दर्न रेलवे मेंस यूनियन से जुड़े बसंत चतुर्वेदी कहते हैं कि अलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाने के लिए कार्य किया। अलेक्जेंडर इज्जत के काम के सम्मान में, स्टेशन का नाम इज्जत रेलवे स्टेशन रखा गया था। लोगों ने धीरे-धीरे इसे इज्जत नगर कहना शुरू कर दिया और यही नाम रेलवे रिकॉर्ड में भी दर्ज हो गया है। आजादी के बाद 14 अप्रैल 1952 को इज्जत नगर को पूर्वोत्तर रेलवे का डिवीजन बना दिया गया।

बाबा हरदेव सिंह : रसूख के आगे कभी नहीं थमा निगम का बुलडोजर

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के बुलडोजर बाबा के रूप में प्रसिद्ध होने से करीब 23 साल पहले यूपी सरकार के पीसीएस अफसर हरदेव सिंह बुलडोजर वाला अफसर के नाम से प्रसिद्धि पा चुके हैं। बाद में तो उनके नाम के बाबा शब्द जुड़ गया और वह आज भी बाबा हरदेव सिंह के नाम से ही जाने-पहचाने जाते हैं। बरेली शहर में 30 साल पहले मात्र छह महीने के कार्यकाल में ही उन्होंने नगर निगम जैसी राजनैतिक संस्था को प्रशासनिक संस्था के रूप में बदल दिया था।

पीसीएस अफसर हरदेव सिंह को 27 सितंबर 1995 को बरेली के नगर आयुक्त पद पर तैनाती मिली थी। यहां पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले नगर निगम कार्यालय के कर्मचारियों पर अंकुश लगाया। उनकी लेटलतीफी, बिना बताये कार्यालय से गायब होने पर अंकुश लगा दिया। इसके बाद उन्होंने सफाई कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरू किया। बरेली के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनुपम मार्कंडेय बताते हैं कि हरदेव सिंह सुबह छह बजे ही सड़कों पर निकल पड़ते थे। सड़कों और नालियों की सफाई को बेहद संजीदगी से चेक करते थे। कई बार तो वह स्वयं नाली में हाथ डालकर चेक करते थे कि सिल्ट पूरी तरह से निकाली गई है या नहीं। सफाई मनमाफिक न मिलने पर दुबारा अपने सामने सफाई कराते थे।

वह कहते हैं कि हरदेव सिंह का असली रूप तो अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दिखा। हरदेव सिंह ने इस शहर को पहली बार बताया कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। उस दौर में शहर के बड़े-बड़े शूरमाओं के अतिक्रमण देखते-देखते ध्वस्त करा दिए। धीर-धीरे उनके खिलाफ माहौल बनने लगा। रसूख वालों ने हरदेव सिंह से परेशान नगर निगम कर्मचारियों से उनके खिलाफ मोर्चा खुलवा दिया। सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। नगर निगम के गेट पर मरा हुआ कुत्ता रस्सी से बांध कर लटका दिया गया और कूड़े के ढेर लगा दिए गए। इसके बाद शासन ने 31 मार्च 1996 को उनका तबादला कर दिया।

मंजुल जोशी : बवालियों को नाम से बुलाकर कर देते थे शर्मशार

सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील हो चले बरेली शहर में लंबे समय तक या यूं कहें कि रिकॉर्ड समय तक एडीएम सिटी रहने वाले मंजुल कुमार जोशी शहर के लोगों के दिलों में आज भी बसते हैं। सिटी मजिस्ट्रेट फिर एडीएम सिटी के दो कार्यकाल पूरे करने वाले मंजुल कुमार जोशी उत्तराखंड राज्य बनने पर वहां भेज दिए गए थे। उत्तराखंड में आईएएस कैडर से सेवानिवृत्त होने वाले मंजुल कुमार जोशी इन दिनों हल्द्वानी में रहते हैं, लेकिन बरेली लगातार उनके दिलों में बसता है। मंजुल कुमार जोशी की खासियत यह रही है कि वह बरेली शहर के चप्पे-चप्पे से ही वाकिफ नहीं थे, बल्कि यहां रहने वाले लोगों को भी व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए थे। बरेली शुरू से ही संवेदनशील शहर था और आए दिन दोनों समुदायों के लोग आमने-सामने आ जाते थे, लेकिन जब मंजुल जोशी उनके बीच में आ जाते तो दो दोनों पक्ष शांत हो जाते थे, क्योंकि आमने-सामने खड़े अधिकांश लोग उनके अजीज हुआ करते थे। ऐसे में उन लोगों की तनी हुई हुईं भौंहें अपने आप झुक जाया करती थीं। मंजुल जोशी बरेली में 1982 से 1984 तक एसडीएम, फिर 1990 से 1995 तक सिटी मजिस्ट्रेट और एडीएम सिटी के रूप में तैनात रहे। बाद में दो साल के लिए नैनीताल स्थित प्रशासनिक अकादमी में तैनात रहे और वर्ष 1997 में फिर एडीएम सिटी के पद पर नियुक्त किए गए। बाद में कुछ समय के लिए अपर आयुक्त के पद भी तैनात रहें। वर्ष 2001 में अलग उत्तराखंड राज्य बनने पर उन्हें वहां भेज दिया गया।

बरेली में तैनाती के दिनों को लेकर जब उनसे बात शुरू हुई तो जैसे उनके अंदर से 10 साल से ज्यादा समय तक बरेली में गुजारे गए समय की बहुत सी यादों की गांठें खुलती चली जा रही हों। वह कहने लगे कि

> मैंने काफी समय पहले एक फिल्म देखी थी, फिल्म का नाम तो नहीं याद आ रहा है, लेकिन उसके विलेन का एक बहुत चर्चित डॉयलाग था, वह आज भी याद है। फिल्म में डायलाग था कि इस शहर की ऐसी कोई हूर नहीं जिसे वह जानता नहीं, उसी तरह बरेली शहर के बारे में मेरा अनुभव है। बरेली शहर की ऐसी कोई गली नहीं और वहां रहने वाला चाहे नोटोरियस हो या फिर प्रबुध नागरिक, सभी को वह जानते हैं। इनमें से बहुत सारे लोगों से आज भी संपर्क है और त्योहारों तथा खास मौकों पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान भी होता है।

बरेली बहुत हसीन जगह थी और यहां का सहजीवन लाजवाब था। जैसे पूरे देश का सहजीवन बिखर रहा है, उसी तरह बरेली में भी दरारें खिंचती जा रही हैं। पहले ऐसा नहीं था। सत्ता में भागीदारी और आर्थिक साधनों को लेकर टकराव तो अवश्य होते थे, लेकिन दिलों की दूरियां कम नहीं होती थीं। बरेली में पहली बार बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय जो बवाल हुआ उसमें कई लोगों की जानें गईं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन के हाथ से निकल गए और शासन के निर्देश पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलानी पड़ी। धीरे-धीरे माहौल शांत हुआ, जीवन पटरी पर लौटने लगा, लेकिन दिलों में खाई चौड़ी हो गई। बाद में वर्ष 1995 में बिहारी पुर मोहल्ले से एक जुलूस निकाला गया और सिविल लाइन्स में हनुमान मंदिर के सामने नमाज अता किए जाने से बवाल भड़क उठा। उन लोगों ने संभालने के लिए बहुत प्रयास किए। अगले दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती का बरेली दौरा प्रस्तावित था। यह माहौल खराब करने की जान-बूझकर कोशिश की गई थी। हालात नियंत्रित न होते देखकर शहर में कर्फ्यू लगाना पड़ा और पूरे प्रशासनिक अमले का ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि दो साल बाद पुनः एडीएम सिटी के पद पर तैनाती मिल गई, लेकिन शहर की फिजां काफी बदल चुकी थी। लोग उनकी बात तब भी सुनते थे, लेकिन अदब-लिहाज तो कम हुआ था।

वह कहते हैं कि बरेली की बसावट ऐसी है कि बिना सहजीवन के अस्तित्व ही नहीं बचेगा। प्रशासनिक अफसरों को इसे समझना होगा। इसके लिए उन्हें बरेली की गलियों में जाकर देखना होगा। सामाजिक ताने-बाने को समझना होगा। वहां के लोगों से राब्ता कामय करना होगा। उनके सुख-दुख में शरीक होना होगा। वह कहते हैं कि उम्मीद अभी कायम है। शहर में कई इंस्टीट्यूशन ऐसे हैं जो अभी भी समाज को जोड़े रखने की कोशिशों में जुड़े हुए हैं। वह कमजोर अवश्य हुए हैं, लेकिन पूरी तरह से खारिज नहीं हुए हैं, इससे एक उम्मीद अवश्य जगती है। अंत में वह कहते हैं कि ...

भरोसे पर किसी के जब भी ठोकर खाई होती है,
तो सारी जिंदगी उस जख्म की तुरपाई होती है।

पीटर क्लटर बक : कलक्टरबक गंज आज भी गाता जिसकी गौरव गाथा

यूनाइटेड प्रॉविंस के चीफ कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट सर पीटर क्लटर बक तत्कालीन संयुक्त प्रांत में अपनी तैनाती के दौरान वनों को संरक्षित करने के लिए उन्हें आर्थिकी के साथ जोड़ने का प्रयास किया। उनका मानना था कि जब तक वनोपज धनोपार्जन का जरिया नहीं बनेगी तब तक वनों को संरक्षित नहीं किया जा सकेगा। स्थानीय लोगों को वनों को आर्थिक रूप से मददगार या उनके रोजगार का जरिया बनाना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने बरेली जनपद में 1918 में एक यूटिलाइजेशन सर्किल बनाया था। पहले इस इलाक़े को महेशपुर अटरिया के नाम से जाना जाता था। बाद में इसे सर पीटर के सम्मान में क्लटर बक गंज कहा जाने लगा। स्थानीय लोगों की जुबान पर अंग्रेजी नाम चढ़ने में दिक्कत दे रहा था, इसलिए धीरे-धीरे इसका नाम कलक्टरबक गंज प्रचलित हो गया। यह आज भी बरेली के औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित है।

पीटर क्लटर बक के प्रयास रंग लाए और यहां पर वनोपज पर आधारित उद्योग स्थापित हुए। इससे जंगली क्षेत्र और इसके आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया हुए। यहां पर 1926 में भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) की स्थापना हुई। वनों से निकलने वाला लीसा इसका मुख्य कच्चा माल था।

एफआरआई देहरादून में क्लटर बक के नाम पर सड़क

बरेली के वरिष्ठ पत्रकार प्रभात सिंह बताते हैं कि वनों के संरक्षण और उनके आर्थिक दोहन के लिए लिए सर पीटर क्लटर बक की ओर से किए गए उल्लेखनीय कार्यों को सम्मान देने के लिए देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंटीट्यूट में एक सड़क का नाम क्लटरबक रोड रखा गया है। वह आगे जोड़ते हैं कि जंगलों के संरक्षण और उन्हें विस्तार देने के लिए किए गए प्रयासों के लिए क्लटर बक इससे ज्यादा सम्मान के पात्र थे, लेकिन कलक्टरबक गंज के रूप में वह हमेशा हमारे बीच जीवित रहेंगे।

अंग्रेजी कंपनी के ठेकेदार भारतीय मजदूरों से जंगल से लीजा इकट्ठा कराते थे और कंपनी को आपूर्ति करते थे। इसके कुछ समय बाद 1937 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (WIMCO) स्थापित हुई। यहां पर कैंफर फैक्ट्री की भी स्थापना की गई। इन उद्योगों के जरिये क्लटर बक गंज की पहचान प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में होने लगी। बड़े उद्योग धंधे स्थापित हुए तो आवागमन बढ़ा, इसलिए क्लटर बक गंज के नाम पर मुरादाबाद-लखनऊ रेल रूट पर रेलवे स्टेशन स्थापित किया गया। आजादी के बाद 1958 में यूपी राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) ने क्लटर बक गंज में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना की। इसके बाद कई स्थानीय उद्यमियों ने अपने उद्योग स्थापित किए। हालांकि औद्योगिक नीतियों में बदलाव और अन्य स्थानीय कारणों से भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) कारखाने ने अप्रैल 1998 में उत्पादन बंद कर दिया और कभी देश भर में माचिस की आपूर्ति करने वाली विमको फैक्ट्री 2014 में बंद हो गई। हालांकि क्लटर बक गंज से ही सटे परसाखेड़ा में कई नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं।

अमृत विचार

गुरुवार, 27 नवंबर 2025

आलोचना और स्वतंत्र सोच, क्रांतिकारी के दो अनिवार्य गुण हैं।
–शहीदे आजम भगत सिंह

हवा की दवा करें

धरती पर सबसे जहरीली हवा हमारी राजधानी की है। यह न केवल देश की, बल्कि वायु प्रदूषण की वैश्विक राजधानी बन गई है। इसका वायु प्रदूषण स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से 20 गुना होना दर्शाता है कि स्थिति बेलगाम है। हर साल अक्तूबर से फरवरी तक राजधानी की जहरीली हवा पर खबरों का तकरीबन रोज़ाना रिपीट होना इस बात का प्रमाण है कि इस स्थिति के प्रति हम महज़ बयानबाज़ी और खानापूरी तक सीमित हैं। समस्या के समूल समाधान के प्रति हमारी व्यवस्था में व्यापक अकर्मण्यता और पर्याप्त उदासीनता व्याप्त है। इसका सबूत है कि डब्ल्यूएचओ ने जब 2016 में दुनिया के सबसे 15 प्रदूषित शहरों की सूची जारी की, तो दिल्ली अव्वल थी। आज 2025 में भी हालात कमोबेश वही हैं।

आज सर्वाधिक वायु प्रदूषण वाले 183 देशों में हमारा स्थान 177वां है। यह धारणा बलवती है कि दिल्ली या बड़े औद्योगिक शहरों की हवा ही ज़हरीली है और बाकी जगहें अपेक्षाकृत दुरुस्त हैं, पर ऐसा नहीं है। बरेली, मुरादाबाद, लखनऊ, अयोध्या जैसे तमाम शहरों के लोग वायु गुणवत्ता सूचकांक के 200 के आसपास की हवा में जी रहे हैं, जो बहुत अस्वास्थ्यकर है। वे यह सोच भी नहीं सकते कि कभी वायु प्रदूषण से ग्रस्त नार्वे के ओस्लो का औसत एक्यूआई 1–2 तक, ऑटो इंडस्ट्री के चलते कभी कुख्यात डेट्रॉइट का 8 और भारी वाहन यातायात व औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाने वाला अल्जीयर्स का 11 भी हो सकता है। सरकार हो या समाज, यह लापरवाही आत्मघाती है। इससे पहले कि वातावरण दमघोंटू हो जाए और सवा दशक पहले के बीजिंग, हेबेई और तिआनजिन जैसे शहरों की तरह अस्पतालों के बेड वायु प्रदूषण प्रभावितों से भर जाएं, लोग कैन या पाउच में अपनी साफ हवा लेकर चलें और खास तरह के मास्क व पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन जैसे उत्पादों वाला 'प्रदूषण बाज़ार' लोगों को बेज़ार करे, हमें इस समस्या का स्थायी हल खोजना होगा। तय है कि पानी का छिड़काव, कृत्रिम बारिश या कुछ समय के लिए वाहनों पर रोक जैसे अस्थायी समाधान इस जहरीली हवा की अकसीर दवा नहीं बन सकते। हमें दीर्घकालिक, संरचनात्मक उपाय करने होंगे।

बहुत से देशों और शहरों ने अपने वायु गुणवत्ता सूचकांक को सैकड़ों से सतत प्रयासों के जरिए दहाई तक ला दिया। क्या हमें उनसे सीख लेकर वैसे ही उपाय अपनाने चाहिए, या अपनी व्यवस्था, समाज और मिज़ाज के अनुरूप समाधान तलाशने होंगे? यूरोपीय देशों या शहरों की बजाय हमारे लिए चीन एक अधिक उपयुक्त मॉडल लगता है, क्योंकि दोनों के लिए विकास और शहरीकरण वायु प्रदूषण के समान कारक हैं। उसने दीर्घ अवधि की नीतियों और त्वरित क्रियाओं का संयोजन लागू किया है। चीन ने इस बाबत सहयोग की पेशकश भी रखी है। संभव है सरकार सीमा विवाद को परे रख इस मामले में सहयोग की पहल करे। कुछ भी हो वर्तमान में जब सांस दर सांस भारी होती जा रही है, ऐसे में ऐसी भयावह स्थिति में सबसे ज़रूरी है कि साफ हवा के लिए जन-जागरूकता बढ़े और सरकार वोट का मुद्दा न होने के बावजूद इससे निबटने का पूरी ईमानदारी से स्थायी प्रयास करे।

प्रसंगवश

यूपी-बिहार से लौट रहे श्रमिकों का संकट

दिवाली, छठ पूजा और बिहार चुनाव हो जाने के बाद यूपी–बिहार के लाखों प्रवासी श्रमिक अब सूरत, मुंबई, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और देश के अन्य औद्योगिक शहरों की ओर लौट रहे हैं, लेकिन वापसी की यह यात्रा उनके लिए पहले से अधिक कष्टदायक, महंगी और जोखिम भरी साबित हो रही है। रेल प्रशासन द्वारा पर्याप्त विशेष ट्रेनों की व्यवस्था न किए जाने, बस ऑपरेटरों द्वारा मनमाना किराया वसूलने और जनरल कोचों में भयावह भीड़ जैसी समस्याओं ने मजदूरों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। यह स्थिति केवल यात्रियों की परेशानी नहीं, बल्कि उन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी गंभीर चुनौती है, जिनकी अर्थव्यवस्था यूपी–बिहार के श्रमिकों पर निर्भर है। खासकर सूरत का टेक्सटाइल सेक्टर।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

उत्सव की उमंग के बाद लौटने का संघर्ष है। दिवाली और छठ बिहार-यूपी के लिए सबसे बड़े सामाजिक, धार्मिक पर्व माने जाते हैं। इन दिनों प्रवासी श्रमिक अपने परिवारों के बीच रहना चाहते हैं, इसलिए लाखों की संख्या में लोग वापस अपने गांव, कस्बों की ओर जाते हैं। त्योहार और चुनाव खत्म होते ही जब वे रोज़गार के लिए लौटना चाहते हैं, तो उन्हें सबसे पहले जिस समस्या का सामना करना पड़ता है, वह है कन्फर्म टिकट का संकट। सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, राजस्थान सहित देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों से यूपी–बिहार आने वाली लगभग सभी ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी है।

इधर से जाने वाली तकरीबन सभी ट्रेनों में एक भी कन्फर्म सीट मिलना लगभग नामुमकिन हो चुका है। स्थिति यह है कि त्योहार वाले सप्ताह में भर गई वेटिंग अब भी कम होने का नाम नहीं ले रही। कन्फर्म टिकट न मिलने के कारण लाखों यात्री मजबूरी में जनरल कोचों में सफर कर रहे हैं। इन डिब्बों की स्थिति इतनी दयनीय है कि लोग इसे दहनिय कोच कहने लगे हैं। भीड़, घुटन, गर्मी और जान जोखिम में डालने वाली यात्रा हो गई है। एक कोच की क्षमता 100-120 यात्रियों की होती है, लेकिन इसमें 400-500 लोग ठूंसे जा रहे हैं। शौचालय तक पहुंचना असंभव है। खड़े रहने की जगह तक नहीं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। रेल प्रशासन इस भीड़ को नियंत्रित करने में असमर्थ दिखाई देता है। सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिहाज से यह स्थिति बेहद खतरनाक है।

बस ऑपरेटरों की मनमानी की वजह से किराया ढाई से तीन गुना बढ़ा दिया गया है। जब ट्रेन में जगह नहीं मिलती, तो श्रमिकों के पास बस का विकल्प बचता है, लेकिन बस ऑपरेटर स्थिति का फायदा उठाकर यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। बिहार–यूपी से सूरत का किराया सामान्य दिनों में 1800–2200 रुपये होता है। मौजूदा स्थिति में वसूला जा रहा किराया 5000 रुपये तक है। किराए में न भोजन मिलता है न आराम और कई बार तो असुरक्षित व अवैध बसों में यात्रा करनी पड़ती है। दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह खर्च बहुत भारी पड़ता है। जो लोग त्योहार के दौरान अपनी जमा-पूंजी खर्च कर चुके होते हैं, वे लौटते समय कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं।

बाधित यात्रा का सबसे बड़ा असर सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर पड़ा है। सूरत, जो देश का सबसे बड़ा सिंथेटिक टेक्सटाइल हब है, उसकी रीढ़ यूपी–बिहार के ही श्रमिक हैं। पावरलूम, डाइंग, प्रिंटिंग, एम्ब्रॉयडरी और फिनिशिंग यूनिट्स में काम करने वाले 60–70% मजदूर इन्हीं राज्यों से आते हैं। त्योहार के बाद आधी मशीनें बंद पड़ी हैं। मजदूर नहीं लौटने से उत्पादन घट रहा है।

भारतीयों की सभ्यता और सोच के संदर्भ

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

यूरोप व अमेरिका से जब नस्लीय भेदभाव और हिंसा की खबरें आती हैं, तो हम हिंदुस्तानी जाहिर करते हैं, जैसे इन देशों ने आर्थिक तरक्की भले कर ली हो, लेकिन वास्तव में उनका सभ्य होना अभी बाकी है। इस तरह की धारणाएं हमारे अतीत या भविष्य में 'वसुधैव कुटुंबकम्' का उद्घोष करने वाला विश्वगुरु होने के दावे को वैधता भी देती हैं। हमारे समाज की सचाई अचानक सामने आ गई, जब कोलकाता में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और विकेट कीपर ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहकर संबोधित किया। बुमराह ने एक बहुप्रचलित देसी गाली भी दी। याद आना स्वाभाविक है कि इसके पहले हरभजन सिंह ने एंड्रू साइमंड को 'मंकी' कहा था, जिसे एक नस्लीय टिप्पणी मानकर उन्हें दंडित भी किया गया था।

भारत जब अंग्रेजों के अधीन था, यह नस्लवाद दो स्तरों पर दिखाई देता था। अंग्रेज खुद को श्रेष्ठ मानते थे। भारतीयों को काला और असभ्य कहते थे। वे घमंड से भरकर सोचते थे कि श्रेष्ठ होने के कारण असभ्य और गंदे भारतीयों को सभ्य बनाना उनका दायित्व है। इस सिद्धांत को 'वाइट मैंस बर्डेन' के नाम से जाना जाता है। यानी बलपूर्वक कायम किए गए अपने औपनिवेशिक वर्चस्व को सभ्यता का दायित्व बताया जाता था। दूसरे स्तर पर कुछ शास्त्र सम्मत घोषित ऊंची जातियों के भारतीय दूसरे अनार्य, द्रविड़ और आदिवासी भारतीयों को अपने से नीचा ही नहीं मानते थे, बल्कि उनको छूने से भी बचते थे। स्पर्श हो जाए तो उन्हें दंडित करने के बहुत से क्रूर तरीके प्रचलन में थे।

नस्ली सोच के इन दो स्तरों का एक अच्छा उदाहरण आजादी से पहले बांबे जिमखाना क्लब की क्रिकेट टीम हुआ करती थी, जिसमें गोरे और भारतीय दोनों तरह के खिलाड़ी शामिल थे। इस टीम के इकलौते मीडियम पेसर गेंदबाज का नाम था, पावलंकर बालू, जिसे अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में जाने की मनाही थी। दलित होने के कारण उसके लंच की व्यवस्था भी बाकी खिलाड़ियों से अलग की जाती थी। बंगाल की जैसोर रियासत के राजा ने यह भेदभाव देखा तो पी बालू को अपने यहां ले गए। पी बालू पहले डॉ. भीमराव आंबेडकर के समर्थक रहे, फिर कई साल बाद उनके खिलाफ चुनाव भी लड़े।

इस नस्लीय श्रेष्ठता का एक तीसरा स्तर पर भी है, जिसके तहत भारतीय अफ्रीकी लोगों को अपने से नीचा मानते रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत का ईडन गार्डेन मैदान पर पहले टेस्ट मैच के दौरान दक्षिणी अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहना इस सोच का एक और नमूना भर है। अपने यहां काला, नाटा, काना, लूला-लंगड़ा यानी हर तरह की भिन्नता के आधार पर अपमानजनक शुभ-अशुभ विचार और कर्मकांडों की परंपरा रही है। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि भारत दशकों तक गोरे करने वाली एक खतरनाक क्रीम का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश क्यों रहा है! काला होना सामाजिक अभिशाप है! यह आज भी वैवाहिक विज्ञापनों पर एक नजर डालने से समझ में आ जाएगा।

जब दुनिया में अपने ही जैसा काला या भूरा समझा जाने वाला कोई भारतीय नस्ली आधार पर अफ्रीकियों का उपहास करता है, तो उन्हें दोहरी चोट लगती है। अफ्रीका के लोग भारतीयों की ही तरह गोरों के नस्लवाद के शिकार रहे हैं। वहां के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक जीवन पर गोरों का लंबे समय तक वर्चस्व रहा है। नेल्सन मंडेला ने चौथाई सदी से लंबी जेल काटी और लंबा संघर्ष चला, तब जाकर रंगभेदी शासन का अंत हुआ। याद आना स्वाभाविक है कि 1948 में गोरों ने एक ऐसा कानून बनाया था, जिसके तहत कोई भी अश्वेत दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम में शामिल नहीं हो सकता था। अभी सिर्फ नौ साल पहले 2016 में 11 में से छह अश्वेत खिलाड़ियों को अफ्रीकी क्रिकेट टीम में शामिल करना अनिवार्य किया गया। इन छह में से भी कम से कम दो खिलाड़ी 'अफ्रीकी ब्लैक' होने चाहिए, यह व्यवस्था की गई।

यह आरक्षण है जिसके तहत दो स्थान अफ्रीका के मूल निवासियों के लिए निश्चित हैं। इस नई व्यवस्था के समय कहा गया था कि इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम से बाहर हो जाएंगे और अफ्रीका क्रिकेट में फिसड्डी हो जाएगा। ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि अफ्रीकी ब्लैक खिलाड़ी इस टीम की रीढ़ बन गए। इसके एक उदाहरण अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंब बेवुमा भी हैं। उन्होंने अफ्रीकी टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब आस्ट्रेलिया को हरा कर दिलाया।

भारतीयों का यह नस्लीय श्रेष्ठता बोध बहुत प्राचीन है और यह सिर्फ अफ्रीकी लोगों तक सीमित नहीं है। हिंदी पट्टी के गेंहुए रंग के लोग खुद को दक्षिण भारत के और हिंदीभाषी प्रांतों के भी काले रंग के लोगों की तुलना में श्रेष्ठ मानते हैं। हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल का। आज भी देखते हैं। इस बोध के सबसे बुरे शिकार पूर्वोत्तर के आदिवासी होते आए हैं जिन्हें अपमानजनक 'चिंकी' नाम से पुकारा जाता रहा है। अन्य हिस्सों के आदिवासियों को भी इसका दंश झेलना पड़ता है।

इन दोनों प्रसिद्ध खिलाड़ियों को अपने शर्मनाक व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि क्रिकेट का खेल नस्ली संघर्ष नहीं, सद्भावना का प्रतीक बने। पहले ही उसे एशिया के धार्मिक कट्टरपंथियों ने लगभग युद्ध का रूप दे दिया है। खेलों ने इतिहास में मनुष्यों के सर्वश्रेष्ठ गुणों को सामने लाने में अहम भूमिका निभाई है, उन्हें घृणा और युद्ध की जगह बनाने वालों के हवाले नहीं किया जाना चाहिए।

हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल के रूप में देखते रहे हैं और आज भी देखते हैं।

आमने

एसआईआर के नाम पर लोगों को डराया जा रहा है। बीजेपी इसके जरिए वोटर लिस्ट फिक्स कर रही है। भाजपा मेरे खेल में मुझे हरा नहीं सकती। बीजेपी ने बंगाल में उन पर हमला करने की कोशिश की, तो वो पूरे भारत में बीजेपी की नींव हिला दूंगी।
–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

सामने

अब पश्चिम बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनेगी। वो अब डरी हुई हैं। ममता बनर्जी अब पश्चिम बंगाल को नहीं बचा पाएंगी। वहां पर भी कमल खिलने जा रहा है। ये उनकी घबराहट का नतीजा है।
–केशव प्रसाद मौर्य
डिप्टी सीएम,
उत्तर प्रदेश

मनरेगा: 27 लाख श्रमिक हटे, सवालों में प्रक्रिया

शिवालिक अवस्थी
लेखक

मेहनत करके कमाने वाला हर श्रमिक यह सोचता है कि वह रोजगार प्राप्त करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर सके। विशेषकर अकुशल श्रमिक का यह सपना होता है कि उसे सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले रोजगार के दृष्टिकोण से सीधा लाभ प्राप्त हो सके, जिसके लिए वह सदैव प्रयासरत भी रहता है और जिस कारण वह पलायन करने से भी नहीं घबराता। किसी श्रमिक को काम यदि घर के आस-पास ही मिल जाए तो वह उसी काम को और भी लगन के साथ करता है।

आज के दौर में श्रमिकों को अपने घर-परिवार छोड़ कर कहीं दूसरी जगह जाकर काम करना पड़ता है। या यूं कहें तो एक राज्य से दूसरे राज्य में जाकर काम की तलाश करनी पड़ती है। एक जगह से दूसरी जगह पलायन करने के कारण श्रमिकों को कई तरह की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। निश्चित ही अपना घर छोड़कर कहीं ओर जाकर काम करना भला किसको अच्छा लगता है? लेकिन परिवार की जिम्मेदारी श्रीमिकों को पलायन करने से रोक नहीं पाती। हालांकि सरकारें चाहती हैं कि श्रमिकों को उनके घर द्वार पर ही रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए जाएं लेकिन यह कहना जितना सरल है वास्तविकता में उतना ही कठिन भी है।

इसी कड़ी में वर्ष 2005 को भारत की केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए रोजगार गारंटी योजना शुरू की गई। इस योजना का नाम राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रखा गया। हालांकि बाद में यानी वर्ष 2009 में इसका नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रख दिया गया। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों के सदस्यों को न्यूनतम मजदूरी भत्ते पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया गया। इसके परिणामस्वरूप किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य इस योजना का हिस्सा बन सकते थे।

इसके तहत अकुशल वयस्क सदस्यों को भी कार्य करने के प्रति प्रोत्साहन दिया गया। यह मुख्यतः काम का अधिकार पर आधारित है। काम का अधिकार मतलब समाज में रह रहे हर व्यक्ति को अपनी रोजी-रोटी कमाने अथवा अपना परिवार चलाने के लिए काम का अधिकार उपलब्ध करवाना है। सामाजिक सुधार, महिलाओं का सशक्तिकरण, सुरक्षित आय व गांव का विकास इसके संचालन के मुख्य कारण माने जाते हैं।

हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के तहत बड़े चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। दरअसल, 10 अक्टूबर 2025 से 14 नवंबर 2025 के बीच लगभग 27 लाख मनरेगा श्रमिकों को हटा दिया गया है। इतने बड़े स्तर पर श्रमिकों को हटाना निश्चित ही चौंकाने वाला है। करीब 10.50 लाख नए श्रमिकों को इस योजना के तहत जोड़ा गया है। गत पहली नवंबर 2025 से इस योजना के तहत ई-केवाईसी को भी अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा करीब 15.2 लाख श्रमिकों को अप्रैल से सितंबर 2025 के मध्य मनरेगा योजना से हटाया जा चुका है और 98.8 लाख श्रमिकों को इस योजना के अंतर्गत जोड़ा भी गया है, जो कुल मिलाकर 83.6 लाख की वृद्धि आंकी गई है। श्रीमिकों को योजना से हटाए जाने वाला आंकड़ा जो करीब इन छह महीनों में सामने आया, उससे कहीं अधिक आंकड़ा तकरीबन एक महीने में सामने आ गया।

रिपोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि लगभग छह लाख के करीब सक्रिय श्रमिकों की कमी भी सामने आई है। यह ऐसे श्रमिक हैं, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक दिन का रोजगार प्राप्त किया है। यह सब तब सामने आया है जब मंत्रालय द्वारा ई-केवाईसी को आवश्यक कर दिया गया है, ताकि अमान्य अथवा अपात्र श्रमिकों को इस योजना से हटाया जा सके। शीर्ष तीन राज्यों में जहां ई-केवाईसी का कार्य संपन्न हो चुका है, उनमें सबसे ज्यादा अपात्र श्रमिकों को हटाए जाने वाला राज्य आंध्र प्रदेश है। आंध्र प्रदेश में तकरीबन 78.4 प्रतिशत श्रमिकों को मनरेगा योजना से हटाया गया है, जबकि तमिलनाडु में यह आंकड़ा 67.6 प्रतिशत और छतीसगढ़ में यह आंकड़ा 66.6 प्रतिशत सामने आया है।

एक तरफ देखा जाए तो ई-केवाईसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे अपनाना अति आवश्यक भी है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके, हालांकि सरकार के अनुसार गड़बड़ियों का निपटारा करने के लिए ही ई-केवाईसी प्रणाली को लागू किया गया है। ई-केवाईसी प्रणाली से मनरेगा के कार्यों पर पारदर्शिता लाई जा सकेगी, लेकिन ई-केवाईसी के दौरान विलोपन में भारी वृद्धि देखना कहीं न कहीं अव्यवस्था को जरूर दर्शाता है। या तो अभी तक अपात्र लोग श्रमिकों का स्थान लिए बैठे थे या ई-केवाईसी के दौरान श्रमिकों के पास उचित दस्तावेज ही उपलब्ध नहीं थे, जिसकी वजह से विलोपन का आंकड़ा इतना ज्यादा बढ़ गया।

यानी किसी न किसी किनारे में चूक तो अवश्य हुई है। ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण रूप से अभी संपन्न भी नहीं हुआ है और आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। सरकारी योजना चाहे कोई भी हो, यदि पात्र लोग वंचित रह जाएं और अपात्र लोगों तक इसका सीधा फायदा पहुंचे तो यह उस योजना पर निश्चित तौर पर सवालिया निशान खड़ा कर देता है।

एक महीने में लगभग 27 लाख श्रमिक मनरेगा से हटा दिए गए हैं। कई लाख जोड़े भी गए हैं। यह आंकड़े प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं।

सोशल फोरम

द हीरो हू लिव्ड

भारत के इतिहास में शोले शायद इकलौती फ़िल्म होगी, जिसका हर किरदार, हर डायलॉग, उसके रिलीज के 50 साल बाद भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। गब्बर सिंह के रूप में अमजद खान तो आईकॉनिक हैं ही। जया, हेमा, अमिताभ, धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, जगदीप, असरानी, मैक मोहन, लीला मिश्रा, जलाल आगा, हेलन, एके हंगल जैसे मिनट भर की प्रेजेंस वाले रोल भी हमारी स्मृतियों में ताजा हैं। इनमें हीरो कौन था? कुछ नियमों को फॉलो करें- मेन हीरोइन किसे मिलती है, अंत में विलेन किससे पिटता है- इस आधार पर धर्मेंद्र हीरो हैं, ट्रेजेडी यही है। हीरो होकर भी, वे पूरी फिल्म में, डोमिनेटिंग हीरो बनकर जेहन में छप नहीं पाते। मर जाने वाले अमिताभ सारी सहानुभूति लूट जाते हैं। जी जाने वाले धर्मेंद्र पीछे रह जाते हैं। फ़िल्म इंड्रस्टी में 50 साल से अधिक साल तक छाए रहने के बावजूद, वे सुपरस्टार नही गिने गए। कभी राजेश खन्ना, कभी अमिताभ ने वह दर्जा रखा, लेकिन धर्मेंद्र का औरा कायम रहा। अनपढ़ और बंदिनी जैसी फिल्मों से फूल और पत्थर, हकीकत, सत्यकाम, खामोशी से सफर यमला पगला दीवाना तक पहुंचता है, लेकिन मौजूदा दौर में ज्यादातर लोगों के जेहन में उनकी छवि, 80-90 के दशक के हीमैन की है।

रिबोर्न मनीष
ब्लॉगर

यही उनके साथ अन्याय है। उनका असली कद उनकी अभिनय रेंज में छिपा है। छह दशक के कॅरियर और तीन सौ से अधिक फिल्मों में उन्होंने हर छोर को छुआ। सत्यकाम में सत्यनिष्ठ शख्स, अनुपमा में टूटे पिता का अपराधबोध, जीवन मृत्यु में एक ही फिल्म में क्रूर ठाकुर से शांत डॉक्टर तक का सफर और चुपके-चुपके में का वो प्रोफेसर, जिसके हालात से हंसी फूटती थी। गंवई जट से शहरी बुद्धिजीवी तक, एक्शन हीरो से हास्य कलाकार तक, वे फिट रहे। हृषिकेश मुखर्जी, ऋत्विक घटक और रमेश सिप्पी, तीन अलग ध्रुवों के निर्देशकों के सबसे भरोसेमंद अभिनेता थे। उनकी रेंज यह नहीं कि वे कितने रोल कर सकते थे, बल्कि मिलने वाले हर रोल में वह कितना असली लगते हैं। धर्मेंद्र उस श्रेणी के अभिनेता रहे। हिंदी सिनेमा में इतनी लंबी पारी और ऐसी रेंज के अभिनेता कम हैं।

निजी जीवन में भी उनकी रेंज दिलचस्प है। आजकल ज्यादा बात उनके दिलावर खान बनकर, हेमा मालिनी से विवाह की होती है, पर एक सेलिब्रिटी होकर, स्टार और पब्लिक की आलोचना की तमाम संभावनाओं के बावजूद, उन्होंने प्रेम को निबाहा- सबके सामने अंगीकार किया। ये साहस और जिद की बात है। नों लड़के स्टार हुए। धन, यश, प्रेम, आनंद और कंट्रोवर्सी से भरपूर, एक जीने योग्य जीवन के बाद, धर्मेंद्र गए हैं। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

नारी सुरक्षा पर चुप्पी नहीं बदलाव की जरूरत

आधी आबादी के सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर हर दिन गहरा आघात पहुंच रहा है। महिलाओं पर बढ़ती हिंसा न केवल मानवाधिकारों का सबसे गंभीर उल्लंघन है, बल्कि सामाजिक प्रगति, न्याय, समानता और सतत विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा भी है। आज स्थिति यह है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा मानव जाति के इतिहास में सबसे व्यापक, सबसे स्थायी और सबसे कम दंडित अपराधों में से एक है। वैश्विक स्तर पर हर तीन में से एक महिला अपने जीवनकाल में किसी न किसी प्रकार की शारीरिक, मानसिक या यौन हिंसा का शिकार होती है। वर्ष 2024 और 2025 की संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन) की रिपोर्टें बताती है कि दुनियाभर में 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग की लगभग डेढ़ करोड़ किशोरियां कभी न कभी यौन उत्पीड़न या हिंसा झेलती हैं। मानव तस्करी के शिकार लोगों में आधे से अधिक व्यस्क महिलाएं शामिल हैं।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

चौंकाने वाली बात यह है कि हिंसा का बड़ा हिस्सा कभी रिपोर्ट ही नहीं होता। नई वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार, 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं किसी भी प्रकार की हिंसा की शिकायत दर्ज कराने से कतराती हैं। कभी समाज के डर से, कभी परिवार की दबाव नीति के कारण, तो कभी इसलिए कि उन्हें पुलिस की संवेदनशीलता और न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा नहीं होता। यही कारण है कि असंख्य पीड़िताएं अपने घाव छिपाकर जीने को मजबूर हैं और अपराधी निर्भीक होकर समाज में घूमते रहते हैं। डिजिटल युग ने हिंसा के रूपों को और जटिल बना दिया है। आज साइबर स्टॉकिंग, डॉक्सिंग, मॉर्फिंग, ट्रोलिंग, बदनाम करने वाले अभियान और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की निजी जानकारी का दुरुपयोग, बदनाम करने वाले वीडियो, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और 'डीपफेक' तकनीक के इस्तेमाल से उत्पन्न यौनिक हिंसा ने एक नया संकट खड़ा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2024-25 की रिपोर्ट में डिजिटल हिंसा को 'नई वैश्विक महामारी' तक कह दिया है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार, महिलाओं पर हिंसा के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रतिवर्ष खरबों डॉलर का नुकसान होता है क्योंकि इससे महिलाओं की उत्पादकता घटती है, स्वास्थ्य खर्च बढ़ता है, सामाजिक असमानता गहराती है और विकास की गति प्रभावित होती है। भारत में भी स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। निर्भया कांड के बाद उम्मीद जगी थी कि समाज में संवेदनशीलता बढ़ेगी, कानून कठोर होंगे और अपराधियों में भय पैदा होगा। वास्तव में कानून तो कठोर हुए, फास्ट-ट्रैक कोर्ट बने, महिला सुरक्षा के लिए नई पहलें की गईं, लेकिन धरातल पर तस्वीर बदली नहीं। आज भी कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता, जब देश के किसी न किसी हिस्से से बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज हत्या, घरेलू अत्याचार, अपहरण या क्रूरता की घटनाएं सामने न आती हों।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की सुरक्षा भी आज की सबसे बड़ी जरूरत है। सरकारों और तकनीकी कंपनियों को मिलकर मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे, एआई-आधारित मॉनिटरिंग, अभद्र व्यवहार की त्वरित रिपोर्टिंग और डिजिटल अपराधियों को कड़ी सजा देने वाली प्रणाली तैयार करनी होगी। महिलाओं के प्रति हिंसा रोकना केवल शासन का काम नहीं बल्कि सरकार, समाज, डिजिटल प्लेटफॉर्म, शिक्षा प्रणाली, मीडिया और नागरिकों की संयुक्त जिम्मेदारी है। जब तक समाज स्त्री को बराबरी के सम्मान योग्य मनुष्य के रूप में नहीं स्वीकार करेगा, तब तक कानून अकेले कोई बदलाव नहीं ला पाएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

मानद उपाधियां
घटता सम्मान-बढ़ता व्यापार

शिक्षा के पवित्र क्षेत्र में पिछले कुछ समय में एक विचित्र प्रवृत्ति उभर आई है। देश-विदेश की तमाम तथाकथित संस्थाएं रुपये लेकर लोगों को 'डॉ.' बना रही हैं, जो उपाधि कभी उपलब्धि का प्रतीक थी, अब दिखावे और प्रचार का माध्यम बन गई हैं। ऑनरेरी (मानद) डॉक्टरेट, जिसका उद्देश्य असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना था, अब पैसों के लेन-देन का औजार बन गई है। इंटरनेट पर ऐसे प्रमाणपत्र आसानी से उपलब्ध हैं- बस भुगतान कीजिए, एक 'ग्लोबल समिट' में मंच पर फोटो खिंचवाइए और नाम के आगे 'डॉ. (Dr.)' जोड़ लीजिए, जो कभी उपलब्धि का प्रतीक था, अब प्रदर्शन का औजार बन गया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

ऑनरेरी डॉक्टरेट या मानद उपाधि का मूल विचार बहुत ही गरिमामय था। इसका उद्देश्य उन व्यक्तियों को सम्मानित करना था, जिन्होंने समाज, विज्ञान, साहित्य, कला या मानवता के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो। पश्चिम में ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड या कैंब्रिज जैसे विश्वविद्यालय जब ऐसी उपाधियां देते हैं, तो यह स्पष्ट कर देते हैं कि यह शैक्षणिक डिग्री नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सम्मान है। भारत में भी कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय यह परंपरा निभाते हैं। उद्देश्य केवल सम्मान देना है, न कि 'डॉक्टर' कहलाने का अधिकार प्रदान करना।

क्या कहता है कानून

कानून भी इस भेद को स्पष्ट करता है। यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 22 के अनुसार, 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' या 'डॉक्टर ऑफ साइंस' जैसी उपाधियां केवल वही विश्वविद्यालय प्रदान कर सकते हैं, जिन्हें विधिवत मान्यता प्राप्त है। कोई भी निजी संस्था या पंजीकृत सोसायटी ऐसा करने का अधिकार नहीं रखती। इसके बावजूद, सोशल मीडिया पर सैकड़ों 'इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीज' और 'ग्लोबल काउंसिल्स' सक्रिय हैं, जो विदेशी नामों और सुनहरी मोहरों वाले आकर्षक प्रमाणपत्र थमा रही हैं। इन प्रमाणपत्रों का कोई शैक्षणिक मूल्य नहीं होता, फिर भी इन्हें लेने वाले अपने विजिटिंग कार्ड, सोशल मीडिया प्रोफाइल और नामपट्ट पर 'Dr' जोड़ लेते हैं। यह सब इतना गंभीर क्यों है? इसलिए कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षा की नैतिकता पर सीधा प्रहार है। जो व्यक्ति वर्षों की मेहनत, शोध और मार्गदर्शन के बाद डॉक्टरेट की उपाधि अर्जित करता है, उसका श्रम उस समय बेमानी हो जाता है, जब कोई व्यक्ति कुछ हज़ार रुपये देकर वही उपाधि 'सम्मान' के नाम पर हासिल कर लेता है। असली डॉक्टरेट के पीछे कठोर अनुसंधान, थीसिस, समीक्षाएं और प्रकाशन की प्रक्रिया होती है, जबकि इन 'ऑनरेरी उपाधियों' के पीछे सिर्फ़ एक पेमेंट लिंक होता है।

भ्रामक प्रतिष्ठा

यह प्रवृत्ति केवल शिक्षा की साख नहीं गिरा रही, बल्कि समाज में ज्ञान की विश्वसनीयता भी तोड़ रही है। जब कोई व्यक्ति अपनी सोशल मीडिया बायो में 'Dr.' जोड़ लेता है, तो लोग उसे विशेषज्ञ मान लेते हैं चाहे वह असल में किसी विषय का प्राथमिक ज्ञान भी न रखता हो। ऐसे लोग अक्सर 'लाइफ कोच', 'मोटिवेशनल स्पीकर' या 'ग्लोबल एंबेसडर' के रूप में सामने आते हैं और 'ऑनरेरी डॉक्टरेट' को अपनी योग्यता का प्रमाण बना लेते हैं। यह समाज में भ्रामक प्रतिष्ठा और झूठे अधिकार का भ्रम पैदा करता है। यह आचरण केवल भ्रामक नहीं, बल्कि यदि जानबूझकर किसी को भ्रमित करने या व्यक्तिगत लाभ के लिए किया जाए, तो कानूनन धोखाधड़ी की श्रेणी में भी आ सकता है। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि यह सच्चे शोधकर्ताओं और विद्वानों की मेहनत का अनादर है, शिक्षा की गरिमा और ईमानदारी दोनों पर धब्बा है। यह भी सच है कि दोष केवल इन संस्थाओं का नहीं। उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी उस मौन स्वीकृति की है, जो समाज देता है। मंचों पर ऐसे लोगों को 'डॉ.' कहकर बुलाया जाता है, उन्हें सम्मानित किया जाता है, मीडिया में उनके 'अंतर्राष्ट्रीय सम्मान' की खबरें छपती हैं। तालियों की वह गूंज नकली उपाधियों को वैधता दे देती है। धीरे-धीरे असली और नकली के बीच की रेखा मिटने लगती है।

इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी

यूजीसी समय-समय पर फर्जी विश्वविद्यालयों और अवैध उपाधियां बांटने वाली संस्थाओं की सूची जारी करता है, परंतु फिर भी बड़ी संख्या में लोग इनके जाल में फंस रहे हैं। विदेशी नामों, अंग्रेजी आभा और तथाकथित 'ग्लोबल' पहचान का आकर्षण हमारे समाज की उस मानसिकता को भी उजागर करता है, जहां दिखावे को सार से अधिक महत्व दिया जाता है। यह शिक्षा नहीं, प्रतिष्ठा का सौदा है। जब सम्मान बिकने लगता है, तो वह सम्मान नहीं रहता- वह विज्ञापन बन जाता है। इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी है। यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय को ऐसे संस्थानों और उनसे उपाधि लेने वालों के विरुद्ध निरंतर और ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही समाज को भी अपनी सोच में परिपक्वता लानी होगी। ऑनरेरी डॉक्टरेट का असली अर्थ सम्मान में निहित है, व्यापार में नहीं। जब यह खरीदी जाती है, तो 'सम्मान' शब्द अपनी गरिमा खो देता है और शिक्षा, जो समाज की आत्मा है- सिर्फ दिखावे का मुखौटा बन जाती है। शिक्षा का सार ज्ञान है और ज्ञान का सार ईमानदारी, जब उपाधियां बिकने लगती हैं, तो शिक्षा का अर्थ ही खो जाता है। मानद डॉक्टरेट का वास्तविक सौंदर्य उसकी विनम्रता में है। सम्मान देने और पाने, दोनों की मर्यादा में। यह परंपरा तभी जीवित रह सकती है, जब इसे दिखावे, प्रचार और पैसों की पहुंच से बचाया जाए। डॉक्टरेट की उपाधि का मूल्य उसकी कठिनाई और श्रम में है। उसे खरीदा नहीं जा सकता, केवल अर्जित किया जा सकता है। इसलिए किसी नाम के आगे "डॉ." देखकर अंधविश्वास न करें, बल्कि यह जानें कि उपाधि कहां से और किस आधार पर प्राप्त की गई है। यही समझ जब समाज में फिर से स्थापित होगी, तब 'सम्मान' अपनी खोई हुई ऊंचाई पर लौट आएगा।

जॉब अलर्ट

राइट्स लिमिटेड (RITES Ltd.)

- पद का नाम : सहायक प्रबंधक
- पदों की संख्या : 400 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : प्रासंगिक इंजीनियरिंग में स्नातक और 2 वर्ष का अनुभव
- आयु सीमा : 40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 25-12-2025
- वेबसाइट : www.rites.com

इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB)

- पद का नाम : मल्टी-टास्किंग स्टाफ
- पदों की संख्या : 362 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : 10 th या समकक्ष
- आयु सीमा : 18-25 वर्ष
- अंतिम तिथि : 14-12-2025
- वेबसाइट : www.mha.gov.in

दूरदर्शन केंद्र हैदराबाद

- पद का नाम : प्रसारण सहायक, कॉपी एडिटर
- वेतन : 1500-2400 रुपये प्रतिदिन
- योग्यता : स्नातक या डिप्लोमा
- आयु सीमा : 21-50 वर्ष
- अंतिम तिथि : 15-12-2025
- वेबसाइट : prasarbharati.gov.in

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम : फैकल्टी
- वेतन : 30,000 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : पदानुसार स्नातक/ स्नाकोत्तर
- आयु सीमा : 22-40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 10-12-2025
- वेबसाइट : www.centralbankofindia.co.in

कैंपस में पहला दिन
आईए एक-दूसरे को जानने की शुरुआत करें...

स्कूल के दिनों से ही हम सब कॉलेज लाइफ की चमकदार कहानियां सुनते आते हैं। कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा, वहां असली आजादी मिलेगी, यूनिफॉर्म नहीं, नए दोस्त, नए सपने, नए अनुभवइन्हीं ख्वाबों को अपने दिल में सजाए, मैं 16 अगस्त 2019 की सुबह इनवर्टिस के गेट के सामने खड़ी थी। थोड़ी देर से एडमिशन लेने की वजह से यह दिन और भी खास था, जैसे मेरी खुद की कहानी अब शुरू हो रही हो। कॉलेज के पहले दृश्य ने दिल जीत लिया। जब मेरी नजर उस बड़े, खूबसूरत कैंपस पर पड़ी, तो आंखें खुद-ब-खुद बड़ी हो गईं। वो चौड़ा गेट, ऊंची-ऊंची इमारतें, चारों ओर हरियाली, छात्रों की भीड़, हंसी की आवाजें, लॉन में बैठे स्टूडेंट्स, हर तरफ नई ऊर्जा की गूंज थी। सब कुछ फिल्मी था, जैसे किसी फिल्म का सेट हो और मैं उस कहानी की नई किरदार। पर इतना असली कि उस पल मेरी धड़कनें तेज हो गईं। दिल में अचानक एक उम्मीद जग गई कि हां! यही है, वो जगह जहां मेरा सपना जी उठेगा।

क्लासरूम में कदम रखते ही एक अलग माहौल महसूस हुआ। सभी स्टूडेंट्स casual कपड़ों में, हंसी से भरा माहौल, थोड़ी-सी घबराहट, पर उससे कहीं ज्यादा उत्साह में बैठे थे। हर चेहरा जैसे एक नई कहानी लेकर आया था। कोई नए जूते दिखा रहा था, कोई अपनी जगह ढूंढ रहा था, कोई किसी से बस यूं ही बात शुरू कर रहा था और फिर मेरी नज़र सामने खड़े एक व्यक्ति पर पड़ी, पहले तो लगा कोई सीनियर होंगे, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद पता चला कि वो हमारे HOD हैं। HOD होकर भी इतने कूल कि लगा जैसे कॉलेज की किताबें नहीं, जिंदगी खुद हमें पढ़ाने आई हो।

पहले ही दिन HOD सर ने कहा, "Books later Let's start by knowing each other." फिर शुरू हुई एक-एक करके introductions की बारिश, किसी ने कहा उसे singing पसंद है, किसी ने बताया कि वो शहर पहली बार छोड़कर आया है, किसी ने अपने भविष्य के सपने सुनाए और इन छोटी-छोटी बातों ने हम सबको एक-दूसरे के करीब ला दिया। उनका पढ़ाने का तरीका सबसे अलग, दिन की शुरुआत ice-breaking session से करते थे, कहानियों के जरिये पढ़ाते, practicals से समझाते और अपने अनुभवों के सहारे हमारे सपनों में नई उड़ान भर देते। हमेशा सुनती थी कि कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा।

पहले दिन ही समझ आ गया कि वो ऐसा क्यों कहते हैं। यहां कोई सख्त अनुशासन नहीं, कोई यूनिफॉर्म नहीं, कोई डर नहीं क्योंकि कॉलेज में सिर्फ मिली सब कुछ सीखने और खुद को पहचानने की पूरी आजादी। कॉलेज की पहली हवा ही अलग थी, खुली, आजादी और उम्मीदों से भरी। क्लास के बीच-बीच में हम सभी एक-दूसरे को जानने लगे। कौन कहां से आया है, किसके क्या सपने हैं, हर बातचीत से एक नया रिश्ता बनता चला गया। कब मैं अपने पहले ग्रुप का हिस्सा बन गई, ये मुझे खुद भी नहीं पता चला। कॉलेज का जादू यही है। यहां हर कोई एक-दूसरे से बात करता है, रिश्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं, और अजनबी दोस्त बन जाते हैं। उस दिन की हंसी, वो नए चेहरे, वो अनजाना सा अपनापन, सबने मिलकर मेरे पहले दिन को "यादगार" और "दिल के करीब" बना दिया।

-निकिता चौधरी, बरेली

नोटिस बोर्ड

- लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए विप्रो, हाइक एजुकेशन और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जा रही है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बीसीए, बीबीए, बीकॉम, बीए, बीएचएम व बीएससी के छात्र कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव पद पर 3.08 लाख रुपये वार्षिक पैकेज हेतु आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टॉक, एचआर स्क्रीनिंग तथा वॉयस एवं एक्सेंट राउंड शामिल हैं। तीनों कंपनियों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है।
- आईआईटी कानपुर में अगले सप्ताह अर्थात 1 दिसंबर से प्लेसमेंट अभियान शुरू होने जा रहा है। यह अभियान 15 दिसंबर तक चलेगा। इस बार के अभियान में देश-विदेश की लगभग 250 कंपनियां शामिल हो सकती हैं।

फ्रीलांसिंग से बनाएं मजबूत करियर

आज के डिजिटल दौर में फ्रीलांसिंग से घर बैठे करियर बनाने का सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका बनकर उभरा है। अगर आप ग्रेजुएट हैं और पारंपरिक नौकरी के दबाव से दूर अपनी सुविधा के अनुसार काम करना चाहते हैं, तो यह आपके लिए बेहतरीन मौका हो सकता है। खासकर उन लोगों के लिए जो किसी वजह से घर से बाहर काम नहीं कर पाते, जैसे महिलाएं, स्टूडेंट्स या होममेकर फ्रीलांसिंग कम समय में स्थिर और अच्छी कमाई का जरिया बन सकती है। सिर्फ एक लैपटॉप, इंटरनेट और थोड़ी-सी स्किल के साथ आप अपनी प्रतिभा को आय में बदल सकते हैं और एक स्वतंत्र व सफल करियर की शुरुआत कर सकते हैं। आइए आज आपको बताते हैं, फ्रीलांसिंग के बेस्ट करियर विकल्प : *– फीचर डेस्क*

डाटा एंट्री

आज के कंप्यूटर युग में डाटा एंट्री का काम काफी लोकप्रिय हो गया है। इस काम में आपको सिर्फ एक निर्धारित डाटा को कंप्यूटर की मदद से किसी सॉफ्टवेयर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भरना होता है। अगर आपके पास कंप्यूटर, इंटरनेट और अच्छी टाइपिंग स्पीड है, तो यह काम आपके लिए सबसे आसान विकल्पों में से एक है। यहां आपको आमतौर पर प्रति घंटे के हिसाब से पेमेंट मिलता है। डाटा एंट्री में प्रति घंटे 1,500 से 3,000 रुपये तक की कमाई संभव है।

ट्रांसलेटर

घर बैठे ट्रांसलेटर के रूप में काम करना भी एक बढ़िया विकल्प है। इस काम के लिए आपकी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है। यदि आपको अंग्रेजी या कोई अन्य विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच आदि आती है, तो आप आसानी से यह काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में पेमेंट प्रोजेक्ट के आधार पर मिलता है।

यूट्यूबर

अगर कैमरे के सामने आने में आप सहज हैं और आपके पास कोई जानकारी या स्किल है, जिसे आप दूसरों के साथ साझा करना चाहते हैं, तो आपके लिए यूट्यूब एक शानदार मंच बन सकता है। आप बिल्कुल बेसिक सेटअप के साथ घर बैठे अपना चैनल शुरू कर सकते हैं। कमाई मुख्य रूप से आपके वीडियो के व्यूज और क्लिक्स पर निर्भर करती है।

कॉन्टेंट राइटिंग

यदि आपको लिखना पसंद है, तो यह क्षेत्र आपके लिए ideal साबित हो सकता है। फ्रीलांसिंग में कॉन्टेंट राइटिंग को सबसे बेहतरीन करियर विकल्प माना जाता है। आज हर छोटे-बड़े ब्रांड की अपनी वेबसाइट होती है, जिन पर नियमित रूप से कंटेंट की जरूरत पड़ती है। घर बैठे आप इस पेशे के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं और समय के साथ आय में भी वृद्धि होती है।

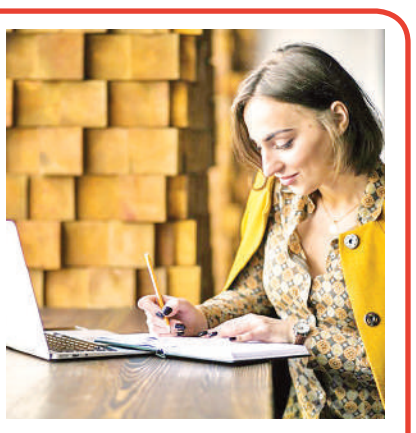

वेब डेवलपमेंट

अगर आप वेब डिजाइनिंग या कोडिंग में माहिर हैं, तो घर बैठे ही वेब डेवलपमेंट का काम शुरू कर सकते हैं। लिंक्डइन और अन्य जॉब ऐप्स के माध्यम से आप आसानी से कंपनियों व क्लाइंट्स से जुड़ सकते हैं। इस क्षेत्र में कमाई काफी अच्छी होती है और अनुभव बढ़ने के साथ आय लाखों में पहुंच सकती है।

ब्लॉगिंग

ब्लॉगिंग उन लोगों के लिए बढ़िया विकल्प है, जिन्हें लिखना पसंद है। आपको अपना ब्लॉग गूगल एडसेंस से जोड़ना होता है, जिसके बाद विज्ञापन के माध्यम से कमाई शुरू होती है। शुरुआत में आय कम होती है, लेकिन जैसे-जैसे आपके ब्लॉग की ट्रैफिक, लोकप्रियता और पहुंच बढ़ती है, आपकी कमाई भी बढ़ने लगती है। ब्लॉगिंग से होने वाली आय आपकी रीडरशिप व लोकेशन पर निर्भर करती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,609 .51	26,205 .30
बढ़त	1,022 .50	320 .50
प्रतिशत में	1.21	1.24

सोना 1,30,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,63,100 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

डीवीसी को मिलीं तीन कोयला खानें

नई दिल्ली। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) वाणिज्यिक खानों की नीलामी के 13वें दौर में तीन कोयला खानों के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाली बनी है। इन खानों से प्रतिवर्ष 4,621 करोड़ का राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। डीवीसी झारखंड में दो नॉन-कोकिंग कोयला खानों और ओडिशा में नॉन-कोकिंग कोयला खदान के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी। नॉन-कोकिंग कोयले का मुख्य उपयोग बिजली उत्पादन और सीमेंट तथा उर्वरक जैसे औद्योगिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है। कोयला मंत्रालय के अनुसार, ये तीनों खदानें प्रतिवर्ष 4,620 .69 करोड़ का राजस्व उत्पन्न करने, 7,350 करोड़ के पूंजी निवेश को आकर्षित करने और 66,248 रोजगार सृजन करने की क्षमता रखती हैं।

आईएलएंडएफएस ने दिए 48,463 करोड़ ऋण

नई दिल्ली। कर्ज में डूबे आईएलएंडएफएस समूह ने सितंबर, 2025 तक अपने लेनदारों को 48,463 करोड़ का भुगतान कर दिया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष दायर नवीनतम स्थिति रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। यह भुगतान मार्च, 2025 तक चुकाए गए 45,281 करोड़ की तुलना में 7 .02% अधिक है। आईएलएंडएफएस द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया कि 30 सितंबर 2025 तक आईएलएंडएफएस द्वारा अपने ऋणदाताओं को 48,463 करोड़ का कर्ज चुकाया गया है। आईएलएंडएफएस ने 99,355 करोड़ के ऋण में से 61,000 करोड़ चुकाने का लक्ष्य रखा है। 48,463 करोड़ के भुगतान के साथ, लक्षित 61,000 करोड़ रुपये के ऋण समाधान का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो चुका है।

एनआईएम लक्ष्य पाने का भरोसा : एसबीआई

नई दिल्ली। एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक अगले सप्ताह नीतिगत ब्याज दर में 0 .25% की कटौती की स्थिति में भी अपना 3% शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) हासिल करने को लेकर आश्वस्त है। शेट्टी ने कहा कि रिजर्व बैंक नीतिगत रेपो दर पर अगले सप्ताह एक मुश्किल फैसला लेगा, लेकिन बैंक का अनुमान है कि अगर ब्याज दर में कटौती होती है, तो यह सिर्फ 0 .25% की मामूली कटौती होगी, जिसका मार्जिन पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सुधार-उन्मुख भारत ले रहा बड़े फैसले : मोदी

प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के इंजन एमआरओ संयंत्र का किया ऑनलाइन उद्घाटन

हैदराबाद, एजेंसी

समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

- **बोले- देश को भरोसेमंद साझेदार बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की निवेश क्षमता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि सुधारों को तेजी से लागू कर रहा भारत अब बड़े फैसले लेता है और निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के विमान इंजन एमआरओ संयंत्र का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि यह संयंत्र युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। भारत ने व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया है और राष्ट्रीय एकल-खिड़की व्यवस्था से विभिन्न अनुमोदन को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार, चेहरा-रहित कर आकलन, नए श्रम कानून और दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के आने से शासन पहले से अधिक सरल और पारदर्शी बना है। उन्होंने कहा कि इन कोशिशों से भारत को अब एक भरोसेमंद साझेदार, एक बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा है। आज भारत में तेजी से वृद्धि हो रही है, सरकार स्थिर है, सुधार पर ध्यान देने वाली सोच है, युवा प्रतिभाओं की भरमार है और एक बड़ा घरेलू बाजार है। सबसे जरूरी बात, भारत में निवेश करने वालों को देश सिर्फ निवेशक नहीं, बल्कि विकसित भारत के सफर में सह-निर्माता और हितधारक मानता है।

संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ का शुरुआती निवेश करेगा सैफरान

सैफरान की इकाई सैफरान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) ने हैदराबाद में अपने एमआरओ संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश किया है। यहां एयरबस ए320 निओ और बोइंग 737 मैक्स विमानों में इस्तेमाल होने वाले लीप इंजन की सर्विसिंग होगी। इस संयंत्र को प्रति वर्ष 300 इंजन की सर्विसिंग क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है और 2035 तक 1,000 से अधिक कुशल भारतीय तकनीशियन और इंजीनियर यहां कार्यरत होंगे। इस संयंत्र में 2026 में परिचालन शुरू होने वाला है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि भारत में एमआरओ क्षमताओं का विकास विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करेगा, उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसर सृजित करेगा, आपूर्ति शृंखला की मजबूती बढ़ाएगा और भारत को वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

अतिरिक्त ऑर्डर मिला तो असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध : सीईओ

फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान ने कहा कि भारतीय वायुसेना राफेल लड़ाकू विमानों के लिए अतिरिक्त ऑर्डर देती है तो कंपनी राफेल के इंजन एवं अन्य महत्वपूर्ण कलपुर्जों के लिए भारत में अंतिम असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध होगी। सैफरान के सीईओ ओलिवर एंड्रीस ने कंपनी के लीप इंजन रखरखाव, मरम्मत और देखभाल (मेंटेनेंस, रिपेयर ओवरहॉल-एमआरओ) केंद्र के उद्घाटन के बाद कहा कि अगर ऐसा होता है, तो यह फ्रांस के बाहर ऐसी पहली इकाई होगी। एंड्रीस ने कहा कि कंपनी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ इंजन के सह-विकास पर तकनीकी एवं वाणिज्यिक चर्चाएं करेगी। भारत एकमात्र देश है जिसके लिए कंपनी इंजन प्रौद्योगिकी का पूरी तरह हस्तांतरण करने का प्रस्ताव दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का नागर विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और देश का घरेलू बाजार दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 1,500 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है। विमानों के रखरखाव, मरम्मत एवं देखभाल यानी एमआरओ का करीब 85 प्रतिशत काम विदेशों में होने से लागत बढ़ती है और विमानों को लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है।

डिजिटल कनेक्शन डेटा सेंटर पर खर्च करेगी 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

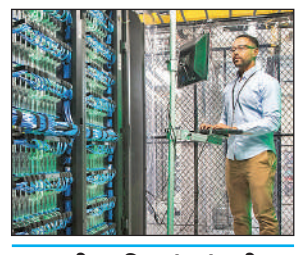

- **ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम ने की घोषणा**

डिजिटल अवसंरचना कंपनी डिजिटल कनेक्शन ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 2030 तक 11 अरब डॉलर (98,000 करोड़ रुपये) का निवेश कर एक गीगावॉट क्षमता वाले डेटा सेंटर विकसित करने की घोषणा की। ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अमेरिकी कंपनी डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा (एआई) सक्षम डेटा सेंटर पांच वर्षों में 400 एकड़ क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे। कंपनी ने आंध्र प्रदेश आर्थिक विकास बोर्ड के साथ इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि उसके डेटा सेंटर उन्नत एआई कार्यभार को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इनमें मजबूत सबस्टेशन, दोहरी बिजली फीड व्यवस्था और उच्च कंप्यूटिंग क्षमता जैसी सुविधाएं शामिल होंगी, जो अगले दशक की डिजिटल नवाचार आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी। विशाखापट्टनम में यह निवेश उस समय सामने आया है जब पिछले महीने गूगल ने भी आंध्र प्रदेश में एआई हब और डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए 15 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी। डिजिटल कनेक्शन चेन्नई में परिसर संचालित कर रही है और मुंबई के चांदीवली क्षेत्र में उसका एक अन्य डेटा सेंटर निर्माणाधीन है।

मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं : गुप्ता

मुंबई, एजेंसी

- **आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने कहा- अनुमानों के लिए कई मॉडल और चर्चाओं का होता है उपयोग**

भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है, पर केंद्रीय बैंक के मुद्रास्फीति अनुमान में व्यवस्था के स्तर पर पूर्वाग्रह वाली बात नहीं है। गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति अनुमानों पर पहुंचने के लिए विभिन्न मॉडल और विशेषज्ञ चर्चाओं का उपयोग करता है और अनुमानों का गलत होना सिर्फ यहां का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक घटना है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक भुगतान संतुलन के आंकड़े मासिक आधार पर जारी करने पर भी विचार कर रहा है। वर्तमान में तिमाही आधार पर ये आंकड़ें जारी किए जाते हैं। वैश्विक व्यापार नीतियों में हो रहे व्यापक बदलाव के बीच उन्होंने यह बात कही। भुगतान संतुलन देश की बाह्य स्थिति के बारे में संकेत देता है। मुद्रास्फीति अनुमान को लेकर चिंता आंकड़ों को अधिक दिखाने के अनुमान से उत्पन्न हुई है। इसके बारे में आलोचकों का तर्क है कि इसने आरबीआई को पिछले कुछ महीनों में नीतिगत दरों में और कटौती करने से रोका है। उनका तर्क है कि दरों में कटौती अर्थव्यवस्था के लिए मददगार होती और संभवतः अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करती।

गुप्ता ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के कार्यक्रम में कहा कि अनुमान की त्रुटियों को कम करना भी महत्वपूर्ण है, लेकिन अनुमान में कोई व्यवस्थित पूर्वाग्रह नहीं है। ऐसा नहीं है कि पूर्वानुमान किसी विशेष रूप से पक्षपाती है। मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान पर आलोचनाओं को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया में लेख पढ़ना मजेदार है, और बातों को कठोरता से लिखा जाता हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि आरबीआई इन विचारों को बहुत गंभीरता से लेता है। आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में अपने सहयोगियों के साथ बातचीत का हवाला देते हुए, गुप्ता ने कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है और ऐसा कोई भी पूर्वानुमान लगाने वाला नहीं है जो हर बार सही हो। यह दुनिया के अन्य देशों में भी होता है।

अमेरिकी नीतिगत दर घटने की उम्मीद से बाजार झूमा

मुंबई, एजेंसी

- **सेंसेक्स 1,022 अंक चढ़ा, निफ्टी रिकॉर्ड स्तर के करीब, तीन सत्रों से जारी गिरावट पर लगा विराम**

स्थानीय शेयर बाजार में तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और चौतरफा लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 1,000 अंक से अधिक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी ने फिर से 26,000 अंक के स्तर को प्राप्त कर लिया।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजार में उछाल आया।

बीएसई का सेंसेक्स 1,022.50 अंक चढ़कर 85,609.51 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 320.50 अंक की बढ़त के साथ 26,205.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर से केवल 10 अंक कम है। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर बढ़ती उम्मीद ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूत किया। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स के शेयर नुकसान में रहे। बाजार में भागीदारी व्यापक रही। धातु, ऊर्जा और आईटी सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई। मझोली और छोटी कंपनियों से जुड़े सूचकांकों में भी एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहे। हालांकि, चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

एफआईआई और डीआईआई ने की खरीदारी

शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 785 .32 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 3,912 .47 करोड़ की लिवाली की। मझोली कंपनियों से जुड़ा मिडकैप सूचकांक 1 .32 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 1 .23 प्रतिशत के लाभ में रहा। बीएसई में सूचीबद्ध 2,800 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,371 शेयरों में गिरावट आई। 154 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0 .03 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 62 .50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

राष्ट्रीय

आतंक का वित्तपोषण कर रहे अनियमित ऑनलाइन गेमिंग एप्स

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने कहा- इनका विनियमन करने के लिए कानून लाने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- **केंद्र ने कहा- इनका बेरोक-टोक विस्तार राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र की अखंडता के लिए खतरा**

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि अनियमित ऑनलाइन गेमिंग एप का आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से संबंध है तथा इन वर्चुअल प्लेटफॉर्म का विनियमन करने को कानून लाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि वह इस मामले को सुनवाई के लिए गुरुवार को लेने का प्रयास करेगी।

केंद्र के हलफनामे में कहा गया है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग का बेरोक-टोक विस्तार वित्तीय धोखाधड़ी, धन शोधन, कर चोरी और कुछ मामलों में आतंकवाद के वित्तपोषण से जुड़ा हुआ है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा, लोक व्यवस्था और राष्ट्र की अखंडता को खतरा पैदा हो रहा है। ऑनलाइन गेमिंग प्रणालियों का अक्सर व्यापक विज्ञापन अभियानों, सेलिब्रिटी और प्रभावशाली लोगों के समर्थन से विपणन होता है, जिससे उनकी पहुंच और प्रभाव बढ़ जाता है, खासकर युवाओं और कमजोर समूहों के बीच। सरकार ने कहा कि व्यक्तियों, परिवारों, समाज और देश पर ऑनलाइन मनी गेमिंग के हानिकारक और नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए तथा ऑनलाइन मनी गेम के लिए उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की प्रकृति, एल्गोरिदम और इसमें शामिल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क सहित तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, और यह देखते हुए कि वे विदेशी क्षेत्राधिकारों से संचालित होते हैं, ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 लाया गया।

पर्याप्त सामग्री और डेटा जो दर्शाते हैं कि अनियमित ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र का संबंध आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से है। साथ ही, आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से संबंधों पर सीलबंद लिफाफे में अधिक जानकारी देने की पेशकश की गई।

प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने गंभीर वायु प्रदूषण के कारण सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई केवल डिजिटल तरीके से करने की संभावना पर विचार करते हुए कहा कि एक दिन पहले जब वह एक घंटे की सैर पर गए थे तो उन्होंने खुद को अस्वस्थ महसूस किया था। उन्होंने कहा कि वह बार से परामर्श के बाद निर्णय करेंगे, हालांकि 60 वर्ष से अधिक आयु के अधिवक्ताओं के लिए डिजिटल तरीके से सुनवाई की अनुमति देने का विचार अदालत में रखा गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह टिप्पणी तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की शुरुआत में की, जब आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मांगी। द्विवेदी ने कहा कि मुझे प्रदूषण से दिक्कत है... कृपया मेरे सहकर्मी को नोट लेने की अनुमति दें। मैं अगली तारीख पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होना चाहता हूं। उन्होंने बताया कि सुबह की सैर पर जाने के बाद से उन्हें कुछ दिक्कत हो रही है। मुझे आपकी अनुमति चाहिए।

- **सीजेआई ने 60 वर्ष से अधिक उम्र के अधिवक्ताओं को अनुमति दिए जाने का कोर्ट में विचार रखा**

अन्य पीठों की सुनवाई में पुराने फैसलों को पलटे जाने को लेकर उच्चतम न्यायालय चिंतित

सुप्रीम कोर्ट ने शीर्ष अदालत में पिछले फैसलों से व्यथित किसी पक्ष की याचिका पर बाद की पीठों या विशेष रूप से गठित पीठों द्वारा फैसलों को पलटने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि फैसले को अंतिम तौर पर बरकरार रखने से न केवल अंतहीन मुकदमेबाजी को रोका जा सकेगा, बल्कि न्यायपालिका में जनता का विश्वास भी कायम रहेगा। पीठ ने कहा कि हमने इस न्यायालय (जिसका हम भी एक अभिन्न अंग हैं) में एक ऐसी बढ़ती प्रवृत्ति को पाया है कि जिसमें न्यायाधीशों, चाहे वे अभी भी पद पर हों या नहीं, द्वारा सुनाए गए फैसलों और चाहे निर्णय सुनाए जाने के बाद से कितना भी समय बीत गया हो, उन्हें बाद की पीठों या विशेष रूप से गठित पीठों द्वारा किसी ऐसे पक्ष के कहने पर पलट दिया जाता है, जो पहले के फैसलों से व्यथित हो। शीर्ष अदालत ने कहा कि हालांकि यह प्राथमिक बात है, लेकिन इस बात को फिर से कहने की आवश्यकता है कि न्यायिक निर्णयों की पवित्रता और अंतिमता को बनाए रखना कानून के शासन के लिए मौलिक है।

देश को भगौड़े अपराधियों को वापस लाने का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश को कानून से बचने वाले अपराधियों को वापस लाने का अधिकार है। न्यायालय ने एक व्यक्ति की उस याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया, जिसमें उसने संयुक्त अरब अमीरात से उसके प्रत्यर्पण के लिए किए गए अनुरोध को वापस लेने की प्रार्थना की थी। अधिकारियों के अनुसार, याचिकाकर्ता विजय मुरलीधर उधवानी के खिलाफ 153 मामले दर्ज हैं, जिसने जुलाई 2022 में दुबई की यात्रा की थी और उस पर अवैध शराब की तस्करी और अन्य अपराधों की संगठित अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।

पानी-भोजन की खराब गुणवत्ता पर वीआईटी में छात्रों का हंगामा

सीहोर (मप्र), एजेंसी

- **4,000 से ज्यादा छात्रों ने किया प्रदर्शन, कॉलेज प्रबंधन ने की 30 नवंबर तक छुट्टी**

सीहोर जिले में वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी) के छात्रों ने भोजन और पानी की कथित खराब गुणवत्ता को लेकर हिंसक प्रदर्शन किया, कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ की और वाहनों में आग लगा दी। पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार देर रात आगजनी के दौरान एक बस, चार पहिया दो वाहन, एक एम्बुलेंस, छात्रावास की खिड़की के शीशे, एक आरओ प्लांट और परिसर के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि 3,000 से 4,000 छात्रों ने भोजन और पानी की गुणवत्ता को लेकर प्रदर्शन किया। सूचना के बाद पुलिस अनुमंडल अधिकारी (आष्टा) और कई थानों के पुलिसकर्मी कॉलेज पहुंचे। कर्मियों ने छात्रों के साथ विस्तृत चर्चा की, उनकी चिंताओं को सुना और उन्हें समस्याओं को हल करने के लिए कार्रवाई का आश्वासन दिया। आष्टा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) आकाश अमालकर ने कहा कि कॉलेज और छात्रावास परिसर में स्थिति वर्तमान में नियंत्रण में है। परिसर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस बीच, कॉलेज प्रबंधन ने 30 नवंबर तक छुट्टी घोषित कर दी है। सीहोर के एसपी दीपक शुक्ला ने कहा कि स्थिति सामान्य है।

सीबीआई ने किया आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण में भ्रष्टाचार का भंडाफोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

- **न्यायिक सदस्य सहित तीन गिरफ्तार, कार से 30 लाख नकद बरामद**
- **जयपुर, कोटा व अन्य स्थानों पर तलाशी में मिले एक करोड़ नकद व आपत्तिजनक दस्तावेज**

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को जयपुर में आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण में रिश्वत के बदले अपीलों का निपटारा करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और एक न्यायिक सदस्य सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। एजेंसी ने गिरफ्तार न्यायिक सदस्य एस. सीतालक्ष्मी की कार से 30 लाख नकद बरामद किए।

सीबीआई प्रवक्ता ने कहा कि जयपुर, कोटा और अन्य स्थानों पर तलाशी के दौरान सीबीआई ने एक करोड़ रुपये से अधिक नकद, लेनदेन का विवरण, संपत्ति के दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए, जो एक संगठित सिंडिकेट का संकेत देते हैं। एक गुप्त सूचना के आधार पर एजेंसी ने मंगलवार को अपनी कार्रवाई शुरू की, जिसके बाद आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) के वकील राजेंद्र सिसोदिया को मुजम्मिल से हवाला नेटवर्क के जरिए कथित तौर पर 5.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। मुजम्मिल का मामला अपीलीय निकाय के समक्ष लंबित था।

उन्होंने बताया कि मुजम्मिल को सीतालक्ष्मी और सिसोदिया के साथ गिरफ्तार किया गया। यह सिंडिकेट भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त था और आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) की जयपुर पीठ के समक्ष लंबित अपीलों का निपटारा रिश्वत के बदले अपीलकर्ताओं के पक्ष में कर रहा था। प्रवक्ता ने कहा कि सीबीआई ने 25 नवंबर, 2025 को आईटीएटी के आरोपी अधिवक्ता और एक सदस्य व सहायक रजिस्ट्रार समेत अन्य के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज किया।

आयोग ने सीईओ कार्यालय पर प्रदर्शन की पुलिस से रिपोर्ट मांगी

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने प. बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय पर बीएलओ के विरोध प्रदर्शन को लेकर कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज कुमार वर्मा को बुधवार को पत्र लिखा और इसे गंभीर सुरक्षा उल्लंघन बताया तथा 48 घंटे में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीएलओ के प्रदर्शन को निर्वाचन आयोग के अहंकार को जिम्मेदार ठहराया। पत्र में आयोग के सचिव सुजीत मिश्रा ने कहा कि सीईओ मनोज अग्रवाल के कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा अपर्याप्त है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अत्यधिक कार्य दबाव का आरोप लगाते हुए, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने मंगलवार शाम तक सीईओ कार्यालय के बाहर 30 घंटे का प्रदर्शन किया। आयोग ने कहा कि सीईओ कार्यालय में सुरक्षा स्थिति अपर्याप्त प्रतीत होती है, जिससे मुख्य निर्वाचन अधिकारी, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

परिवार को पूरा लाभ न देने पर शहीद अग्निवीर की मां पहुंचीं हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

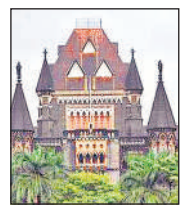

- **शहीद की मां ने दावा किया- अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों में फर्क पैदा करती है**

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए अग्निवीर मुरली नाइक की मां ने मुंबई हाईकोर्ट का रुख किया है और नियमित सैनिक के परिवार को मिलने वाले लाभ देने से इन्कार करने को चुनौती दी है। नाइक की मां ज्योतिबाई नाइक की अर्जी में दावा किया गया कि अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच मनमाना फर्क पैदा करती है। इसमें उन्होंने संपूर्ण मृत्यु लाभ देने से इन्कर करने को भेदभावपूर्ण बताते हुए सवाल उठाया है।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी सेना की ओर से गोलाबारी और मोर्टार से हमलों में नौ मई को मुरली नाइक शहीद हो गए थे। अधिवक्ता संदेश मोरे, हेमंत घाडीगांवकर और हितेन्द्र गांधी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि अग्निवीर नियमित सैनिकों के समान ही कर्तव्य निभाते हैं और उन्हीं जोखिमों का सामना करते हैं, फिर भी अग्निवीरों के परिवारों को दीर्घकालिक पेंशन और कल्याणकारी लाभों से वंचित रखा गया है। सरकार द्वारा शुरू की गई अग्निपथ योजना में अग्निवीरों को सेवा के बाद मिलने वाले उन पेंशन लाभ और अन्य दीर्घकालिक कल्याणकारी अधिकारों से स्पष्ट रूप से वंचित रखा गया है।

यौन उत्पीड़न में स्वयंभू चैतन्यानंद के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने निजी संस्थान की छात्राओं के यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद सरस्वती और चार अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। पुलिस सूत्र ने बुधवार को बताया कि जांच पूरी होने के बाद 1,077 पृष्ठों का आरोपपत्र प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) की अदालत में पेश किया गया। जांच के दौरान कुल 43 गवाहों से पूछताछ की गई। चैतन्यानंद पर विभिन्न धाराओं के तहत आरोप पत्र दाखिल किया गया है। सह-आरोपियों भावना कपिल, श्वेता और काजल कपिल के खिलाफ भी आरोप पत्र दाखिल हुआ है।

हम साथ-साथ...

फ्रांस में भारतीय और फ्रांसीसी वायुसेना के बीच संयुक्त वायु अभ्यास गरुड़-2025 के 8वें संस्करण के दौरान उड़ान भर रहे सुखोई एसयू-30 एमकेआई और राफेल विमान।

कौन है बेनी मेनाशे समुदाय

2,700 साल पूर्व पलायन, भारत से इजराइल वापसी

बेनी मेनाशे एक समुदाय है जो अपने को प्राचीन इज़राइल के मेनाशे कबीले का वंशज मानता है। यह समुदाय भारत के पूर्वोत्तर में रहने वाला एक अनोखा और ऐतिहासिक समुदाय है। माना जाता है कि लगभग 2,700 साल पहले असिरियन साम्राज्य द्वारा इज़राइल पर कब्जे के दौरान मेनाशे कबीले के लोग मध्य एशिया और फिर पूर्व की ओर पलायन कर गए। समय के साथ यह समुदाय चीन होते हुए म्यांमार और फिर भारत के मणिपुर व मिजोरम क्षेत्र में आकर बस गया। बेनी मेनाशे पूर्वोत्तर भारत के यहूदी समुदायों का सामूहिक नाम है, जो मुख्य रूप से मिजोरम और मणिपुर में रह रहे हैं। यहां इनकी आबादी लगभग 5,800 है जिन्हें इजराइल की सरकार ने वतन वापसी की मंजूरी दे दी है।

इजराइल ने दी वापसी के लिए मंजूरी

इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से सभी 5,800 बेनी मेनाशे को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के आव्रजन को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को मंजूरी दे दी। इस ऐतिहासिक निर्णय से 2030 तक लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 सदस्यों को 2026 में लाने को स्वीकृत मिल गई है।

वतन वापसी के लिए किए खास इंतजाम

बेनी मेनाशे के वतन वापसी पर इजराइल अनुमानत: नौ करोड़ शेकेल (2.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर) खर्च करेगा जिससे इन आप्रवासियों की उड़ानों, धर्म संबंधी शिक्षाओं, आवास, हिब्रू पाठ और अन्य चीजों को कवर किया जाएगा। रब्बियों (धार्मिक नेताओं) के एक प्रतिनिधिमंडल के भी इनसे मिलने भारत आने की संभावना है। प्रतिनिधिमंडल लगभग 3,000 बेनी मेनाशे लोगों का साक्षात्कार करेगा, जिनके इजराइल में रिश्तेदार हैं।

पहले ही इजराइल जा चुके 2,500 सदस्य

बेनी मेनाशे समुदाय के लगभग 2,500 सदस्य पहले ही इजराइल में बस चुके हैं। समुदाय के अधिकतर युवा इजराइली रक्षा बलों की लड़ाकू इकाइयों में सेवारत हैं। इनके वतन वापसी का काम देख रही जुइश एजेंसी इजराइल आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो अलियाह को मुख्य मूल्य के रूप में आगे बढ़ाकर इजराइल और दुनिया भर के यहूदी लोगों को मजबूत करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करता है।

यहूदी के साथ हिंदू और ईसाई धर्म मानता है समुदाय

बेनी मेनाशे समुदाय का धर्म यहूदी है, लेकिन समय के साथ उन्होंने स्थानीय परंपराओं और अन्य धर्मों के प्रभाव को भी अपनाया है। कई लोग ईसाई और हिंदू धर्म को भी मानते हैं। बेनी मेनाशे समुदाय की भाषा मुख्य रूप से मिजो और मैतै है, लेकिन कई लोग हिब्रू और अंग्रेजी भी बोलते हैं। इस समुदाय की पोशाक में पारंपरिक मिजो और मैतै कपड़े शामिल होते हैं। इनका भोजन मुख्य रूप से मांसाहारी होता है, जिसमें मछली, मांस, और सब्जियां शामिल होती हैं। ये यहूदी त्योहारों को मनाते हैं, जैसे कि रोश हशनाह और योम किप्पुर, साथ ही स्थानीय त्योहार भी मनाते हैं। इनका संगीत-नृत्य मिजो और मैतै संस्कृति से प्रभावित है, जिसमें पारंपरिक वाद्ययंत्र और नृत्य शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

40 अरब डॉलर के हथियार लेगा ताइवान

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब अमेरिकी डॉलर का विशेष बजट पेश करेगी। यह निर्णय ताइवान पर अपने रक्षा खर्च में बढ़ोतरी करने के अमेरिका के दबाव के बीच लिया जा रहा है। कू ने बताया कि यह बजट नई रक्षा प्रणालियों की खरीद पर खर्च किया जाएगा, जिनमें अमेरिका से खरीदे जाने वाले सैन्य उपकरण भी शामिल होंगे।

बोल्सोनारो की 27 साल की सजा शुरू

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने मंगलवार से 27 साल की जेल की सजा काटना शुरू कर दिया। बोल्सोनारो को 2022 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश का दोषी पाया गया था। इस मामले पर सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे दे मोरेस ने आदेश दिया कि बोल्सोनारो को पुलिस मुख्यालय में रखा जाएगा।

पाकिस्तान ने किया मिसाइल का परीक्षण

कराची। पाकिस्तानी नौसेना ने एक स्वदेश विकसित पोत रोधी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल को समुद्र और धरती, दोनों स्थानों पर लक्ष्य भेदने में सक्षम है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह परीक्षण मंगलवार को स्थानीय स्तर पर निर्मित नौसैन्य प्लेटफॉर्म से किया गया, जिससे देश की रक्षा क्षमताएं बढ़ी हैं। यह मिसाइल समुद्र और जमीन से हमले में सक्षम है।

इजराइल ने गाजा से भेजे शव पहचाने

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उनके देश ने गाजा से हाल में लाए गए एक शव की पहचान बंधक द्रोर ओर के अवशेषों के रूप में की है। अब गाजा में दो बंधकों के शव बचे हैं। इजराइल-हमास संघर्ष विराम का पहला चरण पूरा होने वाला है।

हांगकांग में आग से 36 की मौत, 279 लापता

हांगकांग। हांगकांग के नेता जॉन ली ने कहा है कि बुधवार को एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में लगी आग में 36 लोगों की मौत हो गई तथा 279 अन्य लोग लापता बताए गए हैं। ली ने बताया कि 29 लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। न्यू टेरिटोरीज के उपनगर ताई पो में लगी आग पर देर रात काबू पा लिया गया।

आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, मानव जाति के लिए अभिशाप

मुंबई हमले की बरसी : आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने पर गृहमंत्री शाह का जोर

- **हमले की 17वीं बरसी पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि**

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को बुधवार को पुष्पांजलि अर्पित की। हमले की 17वीं बरसी पर अपने संदेश में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी नागरिकों से आतंकवाद से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने को कहा, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति को रेखांकित किया। कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मंत्री आशीष शेलार ने भी दक्षिण मुंबई में पुलिस आयुक्त कार्यालय परिसर में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

आतंकवादी हमले में मारे गए शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मुंबई में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान अपनों को याद कर रो पड़ी एक पीड़िता।

हमलों की वैश्विक स्तर पर की गई निंदा

हमलों की वैश्विक स्तर पर निंदा हुई और इसके बाद भारत के आतंकवाद-रोधी उपायों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। कई लोगों ने सीएसएमटी, कामा व आल्बलेस रुग्णालय तथा अन्य स्थानों पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें पाकिस्तानी आतंकवादियों ने निशाना बनाया था। कई लोगों ने एएसआई तुकाराम ओम्बले की प्रतिमा स्थल पर भी पुष्पांजलि अर्पित की, जो आतंकवादी कसाब को पकड़ते समय शहीद हो गए थे।

आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

शाह ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है। उन्होंने कहा कि मुंबई आतंकी हमले का डटकर सामना करते हुए अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं और इस कायराना हमले में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मोदी सरकार की आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की नीति स्पष्ट है, जिसे पूरा विश्व सराह रहा है और भारत के आतंकवाद विरोधी अभियानों को व्यापक समर्थन दे रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी एक्स पर शहीदों को याद करते हुए कहा कि 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों की बरसी पर, मैं उन वीर सैनिकों को नमन करती हूं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक याद करता है। मुर्मू ने कहा कि आइए! हम हर तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। आइए! हम एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के संकल्प के साथ प्रगति के पथ पर एक साथ आगे बढ़ें। 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों द्वारा मुंबई के कई हिस्सों में एक साथ किए गए हमलों में 166 लोगों की जान चली गई थी और 300 से अधिक घायल हो गए थे। पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एलईटी के 10 सशस्त्र आतंकवादी समुद्र के रास्ते शहर में घुसे थे।

गाजा संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर त्रिपक्षीय बातचीत

काहिरा। तुर्की के खुफिया प्रमुख ने काहिरा में अपने मिस्र समकक्ष और कतर के प्रधानमंत्री-सह-विदेश मंत्री से गाजा संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण पर चर्चा की। बातचीत का मुख्य ध्यान संघर्ष विराम को बनाए रखने तथा इसके आगे उल्लंघन को रोकने के लिए आने वाली बाधाओं को दूर करने पर रहा। मिस्र के मीडिया के अनुसार, अधिकारियों ने इजराइल के सिविल-मिलिट्री कोऑर्डिनेशन सेंटर के साथ समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई तथा उल्लंघनों को रोकने और अनुपालन को मजबूत करने के उपायों पर विचार किया।

चीन की हरकत संबंधों को सामान्य बनाने में बाधक

- **भारतीय महिला को रोके जाने पर विदेश मंत्रालय सख्त**

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने अरूणाचल प्रदेश की रहने वाली एक भारतीय महिला के साथ शंघाई हवाई अड्डे पर वीजा और पासपोर्ट को लेकर की गई हरकत पर सख्त रूख अपनाते हुए कहा है कि इस तरह की हरकतें दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने में मददगार नहीं होगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अरूणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और इस तरह की हरकतों से हकीकत नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि भारत पहले भी कई बार यह स्पष्ट कर चुका है कि भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखाना जरूरी शर्त है। प्रवक्ता ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली भारतीय नागरिक के साथ चीन की मनमानी हरकतें दोनों पक्षों द्वारा परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशों में मददगार नहीं हैं।

गाड़ी के फैंसी नंबर के लिए 1.17 करोड़ की बोली

चंडीगढ़। हरियाणा में एक व्यवसायी ने एक फैंसी वाहन नंबर के लिए 1.17 करोड़ रुपये की बोली लगाई। बुधवार को चरखी दादरी जिले के बाढड़ा उपमंडल में वाहन पंजीकरण संख्या एचआर-88-बी-8888 के लिए सबसे अधिक बोली लगाई गई।

अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह बोली निर्धारित पोर्टल पर ऑनलाइन बोली प्रक्रिया के दौरान लगाई गई थी। कारोबारी के पास बोली राशि जमा करने के लिए पांच दिन का समय है, जिसके बाद प्रक्रिया पूरी होने पर नंबर आवंटित कर दिया जाएगा।

देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल वाहन लांच

- **सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को पलक झपकते मार गिराएगा**

हैदराबाद, एजेंसी

काउंटर-ड्रोन एवं एयर डिफेंस प्रौद्योगिकी कंपनी इंद्रजाल ड्रोन डिफेंस ने बुधवार को देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल (एडीपीवी) लॉन्च किया जो सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को मार गिराने में सक्षम होगा।

यह पूरी तरह से मोबाइल एआई से लैस काउंटर ड्रोन सिस्टम है जो ड्रोन हमलों से बचाव के देश के तौर-तरीकों को बदलने की क्षमता रखता है। आज दुनिया में युद्ध के दौरान बढ़ते ड्रोन के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। सीमा पार से आतंकवादी संगठन भी ड्रोन का इस्तेमाल हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए करते हैं। कंपनी ने बताया कि मौजूदा समय में एंटी-ड्रोन उपकरण वाहनों पर अलग से लगाए जाते हैं जो तभी काम करते हैं जब वाहन अपनी जगह पर स्थिर हो। वहीं, इंद्रजाल का एडीपीवी चलते हुए भी ड्रोन का पता लगा सकता है, एआई की मदद से खतरे का आंकलन कर सकता है और तुरंत मारकर गिरा सकता है। इसका इस्तेमाल सीमा पर सड़कों, नहरों, खेतों, बुनियादी ढांचों और शहरी क्षेत्रों में किया जा सकता है।

हसीना के प्रत्यर्पण अनुरोध पर विचार कर रहा है भारत

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश ने बुधवार को कहा कि भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के उसके पूर्व के अनुरोध पर कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन बांग्लादेश को भारत से जवाब की उम्मीद है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने और पूर्व प्रधानमंत्री को दोषी ठहराए जाने के बाद अब स्थिति अलग है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पिछले सप्ताह भारत को एक आधिकारिक पत्र भेजकर हसीना (78) के प्रत्यर्पण की मांग की थी। विशेष न्यायाधिकरण ने 17 नवंबर को उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। वहीं, भारत ने बुधवार को कहा कि वह हसीना को प्रत्यर्पित किए जाने के बांग्लादेश के अनुरोध पर गौर कर रहा है और वह उस देश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईआईटी मद्रास ने विकसित की पोत प्रबंधन की प्रणाली

- **देश की पहली स्वदेशी प्रणाली से कम होगा आयात**

नई दिल्ली, एजेंसी

आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने देश की पहली स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन प्रणाली विकसित की है और इसे बंदरगाहों में उपयोग में लाया जा रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा उल्लेखित आवश्यकताओं के आधार पर आईआईटी मद्रास स्थित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र (एनटीसीपीडब्ल्यूसी) ने इस प्रणाली को तैयार किया है।

एनटीसीपीडब्ल्यूसी के प्रमुख के. मुरली के अनुसार, यह प्रणाली भारतीय समुद्री क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देगी तथा आयात पर निर्भरता कम करेगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी प्रणाली से पोत की आवाजाही से संबंधित रणनीतिक डेटा के लीक होने का खतरा नहीं होता। मुरली ने कहा कि यह प्रणाली आसानी से उन्नत की जा सकती है ताकि संबंधित हितधारकों की लगातार बदलती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और इसमें वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जा सके। यह प्रणाली पहले ही केरल में स्थित विझिंजम इंटरनेशनल सीपोर्ट लिमिटेड (वीआईएसएल) में लागू कर दी गई है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई में किया था। उन्होंने कहा कि पश्चिमी तट पर स्थित दो अन्य बंदरगाह भी इस प्रणाली को लागू करने के लिए आईआईटी मद्रास से बातचीत कर रहे हैं। स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन का एक प्रमुख लाभ यह है कि सरकार के पास इसके स्रोत कोड, डेटाबेस और समाधान के विभिन्न पहलुओं पर पूरा रणनीतिक नियंत्रण होता है।

यूक्रेन-रूस युद्ध खात्मे की योजना तैयार

- **राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन और यूक्रेनी अधिकारियों के पास भेजे दूत**

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्त कराने की उनकी योजना तैयार है और वह अपने दूत स्टीव विटकॉफ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तथा सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल को यूक्रेनी अधिकारियों से बातचीत के लिए भेज रहे हैं।

ट्रंप ने संकेत दिया कि वह भी पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर सकते हैं, लेकिन वार्ता में पर्याप्त प्रगति होने पर। उन्होंने कहा कि वह उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, युद्ध मंत्री पीट

हेगसेथ और ट्रंप के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स के साथ प्रगति की जानकारी लेंगे। ट्रंप की यह टिप्पणी तब आई जब सेना सचिव ड्रिस्कॉल ने सोमवार देर रात और मंगलवार को अबू धाबी में रूसी अधिकारियों से बातचीत की।

कीव पर रात भर बरसीं मिसाइलें

बातचीत जारी रहने के बीच रूस ने कीव पर रातभर मिसाइल हमले किए, जिनमें सात लोग मारे गए जबकि यूक्रेन के हमले में दक्षिणी रूस में तीन लोगों की मौत हुई। पिछले सप्ताह सामने आई ट्रंप की शांति योजना रूस के पक्ष वाली बताई गई है जिसके बाद जेलेंस्की तुरंत अमेरिकी वार्ताकारों से मिले। यूरोपीय देशों ने भी इस पर अपनी चिंताएं जतायी हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि शांति प्रयास महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं और गति पकड़ रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 28 नवंबर 00 .29 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

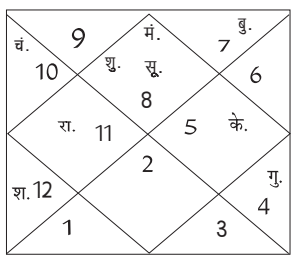

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।

चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।

ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- धनिष्ठा 28 नवंबर 02 .32 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। युवाओं को नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता रहेगी। अपने विरोधियों पर अधिक विश्वास न करें।

वृष — आज आप भविष्य को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय करने का विचार बनाएंगे। बड़े भाई-बहनों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। कारोबार में बड़े ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। प्रतिष्ठित लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे।

मिथुन — आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन करें। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। दूसरों के सामने अपनी छवि को लेकर अत्यंत चिंतित हो सकते हैं। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। विरोधी आपको परेशान करने का प्रयास करेंगे।

कर्क — आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा। शाम के समय आपके कुछ काम अटक सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर समस्या दूर होगी। पारिवारिक सुख का भरपूर आनंद लेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं।

सिंह — आज अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से लाभ होगा। व्यापारियों को धन उधार देने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में मनमानी भरे रवैये के कारण नुकसान हो सकता है। अपने काम के अलावा दूसरे कार्यों में अधिक फोकस कर सकते हैं।

कन्या — आज बेवजह दूसरे लोगों से सलाह न लें। प्रतियोगी परीक्षा में आप बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। आप अत्यंत ऊर्जवान महसूस करेंगे। गृहस्थ जीवन में सावधानी रखें। प्रेमी जन के साथ तेज आवाज में बात न करें।

तुला — आज अनावश्यक खर्चों से आपको बचना चाहिए। क्रोधपूर्ण व्यवहार के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से काम करें। कंसल्टेंसी से जुड़े कार्यों में लाभ होगा। पुराने मित्रों से चर्चा हो सकती है। साझेदारी वाले व्यवसाय में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज पूरा दिन आपके लिए अत्यंत उत्तम रहने वाला है। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रेरणा लेंगे। आय के नए स्रोत विकसित होने के योग बन रहे हैं। अपने आत्मविश्वास के बलबूते उलझे मामलों को सुलझाने में सफलता मिलेगी।

धनु — आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। आपको पर्याप्त आराम अवश्य करना चाहिए। साझेदारी वाले व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। इंटरनेट का सावधानी पूर्वक प्रयोग करें। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

मकर — आज दिन का प्रारंभिक भाग बहुत अच्छा रहेगा। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। रुके हुए कार्य दोबारा शुरू होने के योग बन रहे हैं। जॉब को लेकर स्थान-परिवर्तन हो सकता है। आप घरेलू कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

कुंभ — आज अपनी गलत आदतों को सुधारने का प्रयास करें। जिद्दी स्वभाव के कारण आपके नजदीकी लोग नाराज हो सकते हैं। अपशब्दों का प्रयोग कम से कम करें। कारोबार में कठिनाई होगी। ज्यादा मेहनत के कारण मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या होगी।

मीन — आज व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होने की संभावना है। विपरीत लिंग के लोगों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। दैनिक दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार और सहयोग अच्छा रखें। घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सुडोकू-173

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2							
				5				
		5		1				
								4
					6			
	1							
	4				3			
							6	

सुडोकू - 172 का हल

1	8	5	2	6	9	3	7	4
4	9	7	5	8	3	6	1	2
2	3	6	7	4	1	8	5	9
3	6	4	1	9	5	7	2	8
9	7	1	6	2	8	5	4	3
8	5	2	4	3	7	1	9	6
7	2	9	3	1	6	4	8	5
6	1	8	9	5	4	2	3	7
5	4	3	8	7	2	9	6	1

भारत को राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष 2030 खेलों की मेजबानी मिलने पर हर्षित हूं। देशवासियों और खेल तंत्र को बधाई। यह हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और खेलभावना है जिसने भारत को वैश्विक खेल मानचित्र पर मजबूती से रखा है।

-नरेंद्र मोदी

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार ,27 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

चेल्सी ने बार्सिलोना को 3-0 से रौंदा

लंदन : टीम में बदलाव, गलतियों और रक्षात्मक चूक के कारण मैनचेस्टर सिटी और बार्सिलोना को चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर सिटी कोच के रूप में पेप गार्डियोला के चैम्पियंस लीग में 100वें मैच में उनकी टीम बायर लेवरकुसेन से 2-0 से हार गई, जबकि बार्सिलोना को चेल्सी के खिलाफ 3-0 की हार में आत्मघाती गोल और रेड कार्ड का सामना करना पड़ा।

उप्र ने गोवा को छह विकेट से दी मात

कोलकाता : गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आर्यन जुयाल (नाबाद 93) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर उत्तर प्रदेश ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में गोवा को 10 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान करण शर्मा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश ने संभलकर खेलते हुए 18.2 ओवरों में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

अजलन शाह कप : भारत ने मलेशिया को हराया

इपोह : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अजलन शाह कप में बुधवार को मेजबान मलेशिया को 4-3 से हराया। भारत के लिये सेल्वम कार्ति (सातवां मिनट), सुखजीत सिंह (21वां), अमित रोहिदास (39वां) और संजय (53वां) ने गोल किया। वहीं फैजल सारी (13वां), फितरी सारी (36वां) और मरहान जलील (45वां) ने मलेशिया के लिये गोल दागे। भारत ने आक्रामक शुरुआत की और मेजबान को दबाव में ला दिया। भारत के लिए पहला गोल सातवें मिनट में सुखजीत सिंह के पास पर कार्ति ने किया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने दबाव बनाये रखा और जीत हासिल की।

भारत की सबसे बड़ी हार, दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप

गुवाहाटी टेस्ट में भारत को रिकॉर्ड 408 रनों से मिली मात, अपनी धरती पर तीसरी बार हुआ सूपड़ा साफ

गुवाहाटी, एजेंसी

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने कौशल और दृढ़ संकल्प की कमी वाले भारतीय बल्लेबाजों को फिर से दिन में तारे दिखाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 408 रन की रिकॉर्ड जीत दर्ज करके दो मैच की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। यह हार भारत के टेस्ट इतिहास में एक और शर्मनाक अध्याय है क्योंकि रन के लिहाज़ से यह उसकी सबसे बड़ी हार है। यह तीसरा अवसर है जबकि किसी टीम ने भारत का उसकी धरती पर सूपड़ा साफ किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 2000 में 2-0 से जबकि पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से सीरीज जीती थी।

इस पराजय से भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। भारत के सामने 549 रन का असंभव लक्ष्य था और उसकी पूरी टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन 140 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 201 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में, भारत अब तक घरेलू मैदान पर न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टेस्ट हार चुका है।

पिछले 66 वर्षों में यह पहला अवसर है जबकि भारतीय टीम सात महीनों के अंतराल में पांच टेस्ट हार गई। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही कुछ संघर्ष कर पाए। उन्होंने 87 गेंदों में 54 रन बनाए। हार्मर ने पिच मुझे मिल रहे उछाल और टर्न का पूरा फायदा उठाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 रन देकर छह विकेट तथा मैच में कुल नौ विकेट लिए।

एडेन मार्करम ने नौ कैच लेकर एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने भारत के अजिंक्य रहाणे के 2015 में लिए गए आठ कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भारत ने सुबह दो विकेट पर 27 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई जिसके बाद हार्मर ने अपने टर्न और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने पहले सत्र में नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव (05), ध्रुव जुरेल (02) और कप्तान ऋषभ पंत (13) को पवेलियन की राह दिखाई। बारसापारा की पिच हाल के समय में उपलब्ध कराई गई सर्वश्रेष्ठ भारतीय पिचों में से एक थी, जिसमें उचित तकनीक और अभ्यास से बल्लेबाज रन बनाने में सक्षम थे। इस पिच पर अपनी लेंथ को जानने वाले तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हार्मर ने सुबह के सत्र में आधे घंटे की कड़ी मेहनत के बाद कुलदीप के डिफेंस में सेंध लगाई और फिर इसी ओवर में जुरेल को भी पवेलियन की राह दिखाई। जुरेल ने पहली स्लिप में खड़े मार्क्रम को कैच का अभ्यास कराया। पंत ने केशव महाराज पर छक्का लगाया।

ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : 489 रन

भारत पहली पारी : 201 रन

दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी : 260/5

एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे हम : गिल

नई दिल्ली : गर्दन की चोट के कारण दूसरा टेस्ट नहीं खेलने वाले कप्तान शुभमन गिल ने एकजुटता और पक्का इरादा दर्शाते हुए कहा कि इस हार के बावजूद टीम और मजबूत होगी। गिल ने 'एक्स' पर लिखा शांत समुद्र आपको रास्ता दिखाना नहीं सिखाता, बल्कि तूफान ही मजबूत बनाता है। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे, एक-दूसरे के लिए लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे।

भारत

140/10 (दूसरी पारी) (63.5 ओवर)

यशस्वी का वेरेन्ने बो यानसेन	13
केएल राहुल बो हार्मर	06
साइ सुदर्शन नाबाद	14
कुलदीप यादव बो हार्मर	05
ध्रुव जुरेल का माक्रम बो हार्मर	02
ऋषभ पंत का माक्रम बो हार्मर	13
जडेजा स्ट वेरेन्ने बो महाराज	54
सुंदर का माक्रम बो हार्मर	16
नीतिश रेड्डी का वेरेन्ने बो हार्मर	00
जसप्रीत बुमराह नाबाद	01
सिराज का यानसेन बो महाराज	00

गेंदबाजी : यानसेन 15-7-23-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 23-6-37-6, महाराज 12.5-1-37-2, मार्करम 2-0-2-0, मुथुसामी 7-1-21-1

रवींद्र जडेजा के स्टंप आउट होने के साथ ही भारत की उम्मीदें भी टूट गईं। एजेंसी

हमें बेहतर बनने की जरूरत : ऋषभ पंत

गुवाहाटी, एजेंसी

- बोले-आप क्रिकेट को हल्के में नहीं ले सकते

कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को स्वीकार किया कि भारत को टेस्ट टीम के रूप में बेहतर बनने की जरूरत है और कहा कि सिर्फ घरेलू हालात में खेलने से नतीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 408 रन से हराकर श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया।

पंत ने मैच के बाद कहा यह थोड़ा निराशाजनक है। एक टीम के तौर पर हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमें विरोधी टीम को श्रेय देना होगा। उन्होंने पूरी श्रृंखला में दबदबा बनाया लेकिन घरेलू धरती पर खेलने से आप क्रिकेट को हल्के से नहीं ले सकते हैं। पंत ने कहा कि भारत को इस श्रृंखला से सीख लेनी होगी और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा हमें इससे सीख लेकर एक टीम के रूप में आगे बढ़ना होगा। हमें अपनी मानसिकता स्पष्ट रखनी होगी। हमें इससे सीखना होगा और बेहतर बनना होगा। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका ने पूरी श्रृंखला में बेहतर क्रिकेट खेली।

यह बहुत बड़ी उपलब्धि है : तेम्बा बावुमा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा श्रृंखला में जीत से खुश हैं। उन्होंने कहा यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। आप हर समय भारत में आकर श्रृंखला नहीं जीत सकते। एक टीम के रूप में हमने भी खराब दिन देखे हैं और ऐसे में पूरा श्रेय खिलाड़ियों को जाता है। हम जैसा करना चाहते हैं उसको लेकर हमारी सोच में बड़ा बदलाव आया है। हमारी तैयारी शानदार थी और हमारे खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मैदान पर उतरते हैं। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और उन्होंने कहा कि वह यहां से सुखद यादें लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा जैसा कि मैंने पिछले टेस्ट में कहा था, यह एक लंबा सफ़र रहा है। मैं 10 साल बाद भारत में खेल रहा था और यह बिल्कुल एक अलग तरह का एहसास है। मैं यहां से सुखद यादें लेकर जाऊंगा। भारतीय टीम वास्तव में बहुत अच्छी है और उसे हराना बड़ी उपलब्धि है।

मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई के हाथ में : गंभीर

गुवाहाटी, एजेंसी

- बोले-लेकिन मेरी सफलताओं को मत भूलना

आलोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में मिली करारी हार के बाद उनके भविष्य पर फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को करना है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि उनके कार्यकाल में टीम ने कितनी सफलता हासिल की है। गंभीर बुधवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रन से मिली शर्मनाक हार के बाद बोल रहे थे, जिससे मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली।

गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई को करना है। मैंने अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में भी कहा था जब मैं मुख्य कोच बना था। भारतीय क्रिकेट अहम है, मैं नहीं। आज भी मैं वही बात कह रहा हूं। उन्होंने कहा लोग भूल

जाते हैं लेकिन मैं वही व्यक्ति हूं जिसने युवा टीम के साथ इंग्लैंड में आपको अनुकूल परिणाम दिलाए। मुझे यकीन है कि आप जल्दी ही भूल जाओगे क्योंकि अधिकांश लोग न्यूजीलैंड (पिछले महीने भारत में 0.3 से मिली हार) के बारे में बात करते रहते हैं। मैंने चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में भी जीत दिलाई है।

गंभीर ने दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से मिली हार के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा दोष सभी का है और इसकी शुरुआत मुझसे होती है। हमें बेहतर खेल दिखाना होगा। पहली पारी में एक समय हमारा स्कोर एक विकेट पर 95 रन था जो सात विकेट पर 122 रन हो गया। यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा आप किसी एक व्यक्ति या किसी ख़ास शॉट को दोष नहीं दे सकते। दोष सबका है। मैंने कभी किसी एक व्यक्ति को दोष नहीं दिया और आगे भी ऐसा नहीं करूंगा। हमें बेहतर खेलना होगा। एक विकेट पर 95 रन से सात विकेट पर 122 रन स्वीकार्य नहीं है। गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 टेस्ट मैचों में से 10 में हार का सामना किया है, जिसमें पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हार भी शामिल है। गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हार टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। उन्होंने कहा टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए आपको बेहद तेज़तर्रार और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की ज़रूरत नहीं है।

डब्ल्यूटीसी तालिका में पांचवें स्थान पर खिसका भारत

नई दिल्ली : दक्षिण अफ्रीका से दोनों टेस्ट मैच में हार झेलने के बाद भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है जिससे उसकी फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है।

बुधवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में मिली हार, पारंपरिक पांच दिवसीय प्रारूप में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। इस साल के शुरू में इंग्लैंड में श्रृंखला बराबर करने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद पाकिस्तान से नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गई है और उसका पीसीटी (प्रतिशत) 48.15 पर आ गया है। भारत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में नौ टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से चार जीते, चार हारे और एक ड्रॉ रहा। भारतीय टीम अब अगले साल अगस्त में दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ श्रृंखला खेलेगी।

श्रीकांत, प्रियांशु, उन्नति व प्रणय अगले दौर में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

अमृत विचार: योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में बुधवार को खेले गए रोमांचक मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर-300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में जोरदार शुरुआत की। पुरुष और महिला एकल में शीर्ष भारतीय शटलरों के. श्रीकांत, एचएस प्रणय, प्रियांशु राजावत, किरन जॉर्ज, थारुण मन्नापल्ली और उन्नति हुड्डा ने जीत दर्ज करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पुरुष एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त के. श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के केविन थंगम को 21-13, 21-10 से पराजित किया। श्रीकांत अब दूसरे दौर में सनीथ दयानंद से भिड़ेंगे, जिन्होंने अभिनव ठाकुर को 21-10, 21-14 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त एचएस प्रणय ने भी आत्मविश्वास से भरे खेल का प्रदर्शन किया और हमवतन शाश्वत दलाल को 21-15, 21-10 से मात दी।वहीं पिछले साल के सेमीफाइनलिस्ट प्रियांशु राजावत ने

पहले गेम में कड़ी चुनौती झेलने के बावजूद एम. मैसनाम को 21-18, 21-14 से पराजित किया। अगले दौर में उनका मुकाबला बीएम राहुल भारद्वाज से होगा। चौथी वरीयता प्राप्त किरन जॉर्ज ने इजरायल के डैनियल दुबोवेंको को 21-17, 21-9 से हराया, जबकि छठवीं वरीयता प्राप्त थारुण मन्नापल्ली ने सतीश कुमार करुणाकरन को 21-7, 21-9 से मात दी।

शीर्ष वरीय जिया हेंग जेसन तेह (सिंगापुर) ने भारत के ऋत्विक संजीवी सतीश कुमार को 21-19, 21-17 से हराया। भारत के सिद्धार्थ गुप्ता और आलाप मिश्रा भी अगले दौर में पहुंच गए। इसके साथ ही महिला एकल में शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा ने शानदार शुरुआत करते हुए आकर्षी कश्यप को 21-13, 21-18 से हराया। उन्नति ने स्मूथ मूवमेंट और आक्रामक नेट प्ले से विरोधी को कोई मौका नहीं दिया। तस्नीम मीर ने रोमांचक मुकाबले में अदिति भट्ट को 21-15, 11-21, 21-17 से मात दी, जबकि रक्षिता संतोष रामराज ने श्रेया को 21-12, 21-14 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। तान्या हेमनाथ ने ताइपे की यी ईन को 21-13, 21-12 से हराया। अनुपमा उपाध्याय ने युगांडा की खिलाड़ी को आसानी से 21-8, 21-9 से हराया। देविका सिहाग ने भी जीत के साथ अभियान की शुरुआत की।

2016 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और 2023 की चैंपियन, जापान की दूसरी वरीय नोजोमी ओकुहारा ने कड़े मुकाबले में भारत की अदिता राव को 22-20, 21-14 से हराया। उप्र की मानसी सिंह ने यूएई की प्रकृति भारथ को 21-15, 21-10 से हराया और अगले दौर में प्रवेश किया।

वहीं मिश्रित युगल में यूपी की श्रुति मिश्रा और आयुष अग्रवाल की जोड़ी को तीसरी वरीय मलेशिया के वोंग तियेन सी-लिम चिउ सिएन ने 21-18, 21-14 से हराया। मिश्रित और युगल मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा। मिश्रित युगल में पांचवीं वरीय सतीश कुमार करुणाकरन -आद्या वरियथ की जोड़ी ने जीत दर्ज की।

युगल के विजेता

रोहन कपूर - रूत्विका शिवानी गड्डे
हरिहरन - त्रिशा जाली
एफ. संजय अमन -रुतुपर्णा पांडा
मिथिलेश -वर्ना
नितिन एचवी -श्रीनिधि
असिथ सूर्या -ए. प्रथमेश
ध्रुव रावत -मनीषा

खेल मंत्री ने जताया हर्ष | **अहमदाबाद में वर्ष 2030 में होगा आयोजन**

राष्ट्रमंडल खेल की मेजबानी मिलना गर्व की बात

नई दिल्ली, एजेंसी

अहमदाबाद को राष्ट्रमंडल खेल 2030 का मेजबान चुने जाने को देश के लिए गर्व का पल बताते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि भारत 2047 तक खेलों में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में अपना नाम दर्ज कराना चाहता है।

ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा के दौरान अहमदाबाद को 2030 खेलों की मेजबानी के अधिकार औपचारिक रूप से प्रदान किए गए जिससे दो दशकों के बाद इस आयोजन के भारत में वापसी का रास्ता साफ हो गया। राष्ट्रमंडल खेलों के सौ साल भी इस अवसर पर पूरे होंगे जो पहली बार 1930 में कनाडा में आयोजित

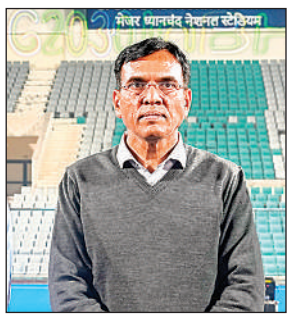

हुए थे। मांडविया ने मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर हरे पटाखों से आतिशबाजी और लेजर शो के बीच कहा राष्ट्रमंडल खेलों के सौवे साल में इन खेलों का आयोजन भारत में होना हमारे लिए गौरव की बात है। राष्ट्रमंडल खेल परिषद के लिए ये खेल बहुत महत्वपूर्ण है और इनके भारत में आयोजन की मुझे खुशी भी है और गर्व भी। उन्होंने कहा मोदी जी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। पिछले एक दशक में खेलों में देश के अलग अलग 18 से अधिक शहरों में 22 से अधिक बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन किया गया। कुछ दिन पहले ही मुक्केबाजी विश्व कप, पैरा एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप, हॉकी विश्व कप का आयोजन हुआ। यह दर्शा रहा है कि यह देश बड़े टूर्नामेंटों के आयोजन के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को 2029 विश्व पुलिस खेलों की मेजबानी का अवसर मिलना भी गर्व की बात है। उन्होंने कहा भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का इच्छुक है। हम पदक तालिका में भी लगातार आगे बढते जा रहे हैं। खेलों भारत नीति और खेल प्रशासन अधिनियम उसमें मजबूती प्रदान कर रहा है।

10 साल के लिए खेल नीति तैयार

मांडविया ने कहा कि सरकार का दीर्घकालिन लक्ष्य भारत को 2047 में आजादी के सौवें साल में खेलों में शीर्ष पांच देशों में लाना है। आने वाले दस साल के लिये हमने दीर्घकालिन नीति तैयार की है जिसके तहत काम चल रहा है। मुझे यकीन है कि भारत अगले दस साल में शीर्ष दस खेल देशों में स्थान हासिल करेगा और 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मनायेगा, तब हम दुनिया के शीर्ष पांच खेल देशों में होंगे। ऐसे बड़े खेलों के आयोजन से देश के युवा खिलाड़ियों को मौका मिलता है। देश का खेलों में प्रदर्शन दिखता है। भारत की उभरती हुई खेल ताकत को हम 2030 में देख पाएंगे।

भारत ने जीता एक रजत और एक कांस्य पदक

नई दिल्ली : भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने रोमानिया में आयोजित आईटीटीएफ विश्व युवा चैम्पियनशिप में दमदार पदार्पण करते हुए अंडर -19 लड़कों और अंडर -15 लड़कियों की टीम स्पर्धाओं में क्रमशः एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। अंडर -19 लड़कों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई लेकिन उन्हें जापान से 0-3 से हार का सामना कर दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अंकुर भट्टाचार्य ने रयूसेई कावाकामी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन 17-15, 6-11, 12-10, 4-11, 11-13 से हार गए। जापान के कजाकी योशियामा ने अभिनंद को 11-7, 11-8, 11-6 से हराया।

उजबेकिस्तान के सिंडारोव ने जीता फिडे विश्व कप

पणजी, एजेंसी

उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव ने बुधवार को यहां चीन के वेई यी को हराकर फिडे विश्व कप जीत लिया। इससे वह 19 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए।

वेई यी ने सफेद मोहरों के साथ एक और आसान ड्रॉ खेला। लेकिन सिंडारोव ने दूसरे गेम में सफेद मोहरों से जीत दर्ज की। युवा खिलाड़ी सिंडारोव ने 16वें वरीय के रूप में शुरुआत की थी और अब 120000 डॉलर (एक करोड़ रुपये से ज्यादा) की पुरस्कार राशि प्राप्त की। सिंडारोव और वेई दोनों कैंडिडेट्स में खेलेंगे।

वेई को 85000 डॉलर की राशि मिली। सिंडारोव, वेई यी और रूस के एंड्री एसिपेंको ने इस विश्व कप से क्वालीफाई किया। उनके साथ अमेरिका के फैबियानो कारुआना, हॉलैंड के अनीश गिरी और जर्मनी के मैथियास ब्लूबाम भी होंगे।

चीन के वेई यी के खिलाफ खेलते उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव (बाएं)। एजेंसी

- चीन के वेई यी को हराकर ये उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने